शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

जाति जनगणना पर फैसला सीएम सिद्धारमैया से सलाह के बाद ही @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 20 सितंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-259

भारत-पाकिस्तान संघर्ष पर पीएम मोदी का साहसिक कदम : इयान ब्रेमर

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत-पाकिस्तान संघर्ष में मध्यस्थता के दावे के बाद एक बार फिर उनकी किरकिरी हुई है। यूरेशिया ग्रुप के अध्यक्ष इयान ब्रेमर ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद ट्रंप के दावों को सार्वजनिक रूप से खारिज करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की है, और इसे एक साहसिक कदम बताया है।

ब्रेमर ने कहा, ट्रंप को परवाह नहीं है, उन्हें लगता है कि मैं ताकतवर हूं, मैं राष्ट्रपति हूं, तो आपको मेरी बात सुननी होगी। लेकिन हमने देखा है कि कुछ ऐसे देश भी हैं, जो ट्रंप के सामने खड़े होकर बात नहीं कर सकते। चीन और रूस उनके सामने खड़े हुए। मुझे लगता है कि मोदी उसी स्थिति में हैं। वह भारत-पाकिस्तान के मुद्दे पर ट्रंप को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा होने से बचा भी सकते थे, लेकिन उन्होंने ऐसा करने का फैसला नहीं किया। उन्होंने कहा, नहीं, आपका इससे कोई लेना-देना नहीं है, और वाकई में वैश्विक मंच पर ट्रंप को शर्मिंदा कर दिया।

राजनीतिक विशेषज्ञ ने पीएम मोदी के इस फैसले को एक रणनीतिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि ट्रंप का सार्वजनिक रूप से विरोध करने से उन्हें घरेलू स्तर पर मदद मिली और उन्हें एक ऐसी राजनीतिक स्वतंत्रता मिली, जो अमेरिकी सहयोगियों के बीच दुर्लभ है।

यूरेशिया ग्रुप के अध्यक्ष ने कहा, मोदी ने व्यक्तिगत रूप से तय किया था कि वह इसे सार्वजनिक करेंगे और अमेरिकी राष्ट्रपति को शर्मिंदा करेंगे, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति मोदी से कहीं ज्यादा शक्तिशाली हैं। उस पद पर बैठे ज्यादातर नेताओं ने चुप रहना ही बेहतर समझा है और इसे बर्दाश्त कर लिया है। कुछ नेताओं ने तो खुलकर यह बात की है कि ट्रंप कितने अद्भुत और शानदार हैं।

ब्रेमर ने कहा, कीर स्टारमर को ही देख लीजिए, जिन्हें ट्रंप की विचारधारा बिल्कुल पसंद नहीं है, लेकिन उन्हें यह बात पसंद है कि उन्हें ट्रंप से दूसरे देशों के मुकाबले बेहतर डील मिली। वह बहुत कमजोर स्थिति में हैं। मोदी वास्तव में इसके बिल्कुल उलट हैं और इससे घरेलू राजनीति में मोदी को जरूर मदद मिली है। हम देखेंगे कि सुरक्षा और आर्थिक संबंधों पर इसका कोई व्यापक असर पड़ता है या नहीं।ट्रंप प्रशासन और पाकिस्तानी सैन्य हलकों के बीच कथित गर्मजोशी को लेकर ब्रेमर ने कहा कि यह बातचीत रणनीतिक कारणों से कम, बल्कि ट्रंप के आंतरिक घेरे से जुड़े आर्थिक और व्यापारिक उद्देश्यों से अधिक प्रेरित थी।उन्होंने कहा, यह ज्यादातर व्यापार से जुड़ा है। यहां नैतिकता का अभाव है, परिवार में एक तरह का चोरतंत्र और कुलीनतंत्र का भाव है ▶10 पर

मोदी और यूनान के प्रधानमंत्री ने रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

यूनान के प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोताकिस ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से टेलीफोन पर बात की और इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-यूनान रणनीतिक साझेदारी को और अधिक मज़बूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, शिपिंग, रक्षा, सुरक्षा, कनेक्टिविटी और जन-से-जन संपर्क जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों में हो रही प्रगति का स्वागत किया और भारत-ग्रीस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई। बयान में कहा गया, प्रधानमंत्री मित्सोताकिस ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के शीघ्र संपन्न होने और 2026 में भारत द्वारा आयोजित किए जाने वाले एआई इम्पैक्ट समिट की सफलता के लिए ग्रीस का समर्थन व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने परस्पर हित के क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार साझा ▶10 पर

जहरीली जुबान बोल रहे विपक्ष को जनता सबक सिखाएगी: अमित शाह

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक इंटरव्यू में विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष की जहरीली भाषा लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर रही है और ऐसी भाषा का इस्तेमाल करने वालों को जनता सबक सिखाएगी। खास तौर पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गीय माता के लिए अपमानजनक शब्दों का उपयोग करने वालों को जनता जवाब देगी। संसद की कार्यवाही पर टिप्पणी करते हुए शाह ने कहा कि यह फ्री स्टाइल ढंग से नहीं चल सकती, बल्कि इसे नियमों और मर्यादा के साथ संचालित करना होगा।

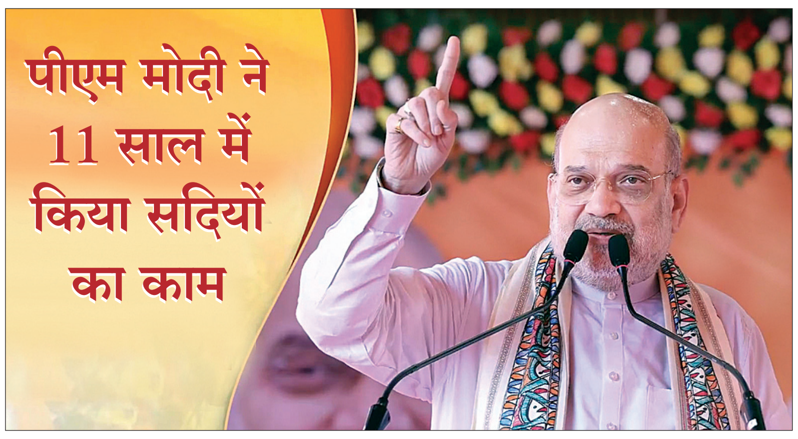

अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 साल के कार्यकाल को ऐतिहासिक करार देते हुए उनकी उपलब्धियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने वैश्विक नेताओं के साथ व्यक्तिगत रिश्ते बनाकर भारत को वैश्विक मंच पर मजबूत किया, जिसका सीधा लाभ देश को मिला है। आतंकवाद पर नियंत्रण और कश्मीर हमारा है की भावना को मजबूत करने के लिए किए गए कार्यों को उन्होंने ऐतिहासिक बताया, जिन्हें सदियों तक याद रखा जाएगा। शाह ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव का जिक्र करते हुए कहा कि ये मोदी सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के प्रतीक हैं।

जीएसटी सुधारों पर बोलते हुए शाह ने कहा कि इससे 16 विभिन्न करों का एकीकृत ढांचा बना, जिसने व्यापार को सरल बनाया और निर्यात को बढ़ावा दिया। उन्होंने दावा किया कि पिछले 80 वर्षों में इतनी बड़ी कर कटौती कभी नहीं देखी गई, जिससे बाजार में तेजी और निवेश में वृद्धि होगी। उन्होंने कोरोना महामारी के खिलाफ भारत की लड़ाई को भी एक बड़ी उपलब्धि बताया, जिसमें वैक्सीनेशन और स्वास्थ्य प्रबंधन ने विश्व स्तर पर भारत की स्थिति को मजबूत किया।

शाह ने जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और नरेंद्र मोदी के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी ने देश के लिए काम किया, लेकिन मोदी जी ने गरीबी हटाने के नारे को सिर्फ नारा नहीं रहने दिया, बल्कि इसे जमीन पर लागू कर दिखाया। उन्होंने दावा किया कि किसी भी प्रधानमंत्री ने एक दशक में उतना काम नहीं किया, जितना पीएम मोदी ने अपने 11 साल के कार्यकाल में किया। उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, और डिजिटल इंडिया जैसी योजनाओं ने गरीबों और मध्यम वर्ग के जीवन को बेहतर बनाया।

विपक्ष की आलोचना करते हुए शाह ने कहा कि उनकी जहरीली भाषा और बयानबाजी न केवल व्यक्तिगत हमले हैं, बल्कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों को भी कमजोर करती है। उन्होंने विपक्ष से सकारात्मक और रचनात्मक राजनीति की अपेक्षा की। शाह ने कहा कि जनता ऐसी नकारात्मकता को बर्दाश्त नहीं करेगी और अगले चुनावों में इसका जवाब देगी। उन्होंने विपक्ष को चेतावनी दी कि व्यक्तिगत हमलों और अपमानजनक टिप्पणियों से बचें, खासकर पीएम मोदी और उनके परिवार के खिलाफ।

अमित शाह ने भविष्य की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि मोदी सरकार का फोकस आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल अर्थव्यवस्था, और सामाजिक समावेशन पर रहेगा। उन्होंने कहा कि अगले कुछ वर्षों में भारत आर्थिक और सामरिक रूप से और मजबूत होगा।

▶10 पर

सऊदी अरब आपसी हितों और संवेदनशीलता को ध्यान में रखेगा : भारत

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत ने शुक्रवार को कहा कि सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुए रणनीतिक रक्षा समझौते के मद्देनजर, वह उम्मीद करता है कि रियाद आपसी हितों और संवेदनशीलता को ध्यान में रखेगा। इस समझौते में कहा गया है कि दोनों देशों में से किसी एक के खिलाफ भी कोई हमला, दोनों के खिलाफ हमला माना जाएगा।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत और सऊदी अरब की एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी है जो पिछले कुछ वर्षों में काफी गहरी हुई है।उन्होंने कहा, हम उम्मीद करते हैं कि हमारी रणनीतिक साझेदारी में आपसी हितों और संवेदनशीलता का ध्यान रखा जाएगा। जायसवाल अपनी साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में एक सवाल का जवाब दे रहे थे। रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौता पर बुधवार को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अब्दुलअज़ीज़ अल सऊद और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने हस्ताक्षर किए थे।शरीफ़, पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के साथ सऊदी अरब के दौरे पर थे।

पाकिस्तान-सऊदी अरब के संयुक्त बयान में कहा गया है कि नया रक्षा समझौता दोनों देशों की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है और इसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग के पहलुओं को विकसित करना और किसी भी हमले के खिलाफ संयुक्त प्रतिरोध को मजबूत करना है। ▶10 पर

चुनाव आयोग की बड़ी कार्रवाई

474 आरयूपीपी को सूची से हटाया, 359 पर कार्रवाई शुरू

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने बड़ी कार्रवाई की है। आयोग ने चुनावी प्रणाली को स्वच्छ और पारदर्शी बनाने के अपने अभियान को और तेज करते हुए 18 सितंबर को 474 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों (आरयूपीपी) को अपनी सूची से हटा दिया। साथ ही 359 आरयूपीपी पर कार्रवाई शुरू की।

आयोग की यह कार्रवाई जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत की गई, जिसमें प्रावधान है कि यदि कोई राजनीतिक दल लगातार छह वर्षों तक किसी भी चुनाव में भाग नहीं लेता, तो उसे पंजीकृत दलों की सूची से हटाया जा सकता है। इस कदम के साथ, पिछले दो महीनों में कुल 808 आरयूपीपी को सूची से हटाया जा चुका है, जिसमें 9 अगस्त को हटाए गए 334 आरयूपीपी शामिल हैं।

आयोग ने 2019 से एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है, जिसका उद्देश्य उन आरयूपीपी की पहचान करना और हटाना है जो निर्धारित शर्तों को पूरा करने में विफल रहे हैं। इस अभियान का मकसद निष्क्रिय या अनुपालक दलों को हटाकर चुनावी प्रक्रिया को साफ-सुथरा बनाना है। पंजीकृत दलों को प्रतीक चिन्ह, कर छूट जैसे विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं, लेकिन इनके लिए नियमों का पालन अनिवार्य है। दूसरे चरण में, ईसीआई ने 359 अन्य आरयूपीपी की पहचान की है, जो पिछले तीन वित्तीय वर्षों में अपने वार्षिक लेखापरीक्षित खाते जमा करने में विफल रहे हैं या जिन्होंने चुनाव लड़ा, लेकिन आवश्यक चुनाव व्यय रिपोर्ट दाखिल नहीं की। ये दल देश के 23 विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं।

▶10 पर

सिंगर जुबीन गर्ग का निधन

स्कूबा डाइविंग करते समय हुए थे घायल, संगीत जगत में शोक की लहर

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

सिंगर और म्यूजिक कंपोजर जुबीन गर्ग का निधन हो गया है। उन्होंने अपने करियर में कई शानदार गाने गाए, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया। उनकी आवाज में वो जादू था, जो हर किसी को अपना दीवाना बना देता था। उनके निधन की खबर से संगीत जगत में शोक की लहर दौड़ गई है।पूर्व सांसद और असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष रिपुन बोरा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमारे सांस्कृतिक प्रतीक जुबीन गर्ग के असमय निधन से गहरा सदमा और शोक हुआ। उनकी आवाज, संगीत और अटूट जोश ने असम और उससे परे कई पीढ़ियों को प्रेरित किया। उनके परिवार, प्रशंसकों और प्रियजनों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। जुबीन गर्ग न सिर्फ बेहतरीन गायक थे, बल्कि अभिनेता, संगीतकार, निर्देशक, निर्माता और पटकथा लेखक भी थे। असमिया संगीत जगत में उनका नाम काफी प्रभावशाली था। उन्होंने कन्नड़, कार्बी, मलयालम, मराठी, नेपाली, उड़िया, संस्कृत, सिंधी, तमिल, और तेलुगु समेत कई भाषाओं में संगीत दिया और फिल्मों में अभिनय किया। उनकी खासियत यह थी कि उनकी आवाज में एक अलग तरह की ऊर्जा थी, जो सीधे दिल तक पहुंचती थी। जुबीन गर्ग ने हिंदी फिल्मों के साथ-साथ असमिया और बंगाली फिल्मों में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।उनके संगीत की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने कई सुपरहिट गाने दिए, जिनमें गैंगस्टर का या अली और ऋतिक रोशन की कृष 3 फिल्म का दिल तू ही बता जैसे गाने शामिल हैं। ▶10 पर

नेक्सा एवरग्रीन घोटाला : 2,700 करोड़ रुपए की ठगी

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने एक बड़े निवेश घोटाले का पर्दाफाश करते हुए 57 वर्षीय जुगल किशोर शर्मा को गिरफ्तार किया है। जुगल पर आरोप है कि उसने धोलेरा, अहमदाबाद में प्लॉट और 3 प्रतिशत साप्ताहिक रिटर्न का लालच देकर देशभर के निवेशकों से 2,700 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी की।

जुगल किशोर ने इस दौरान झूठा दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस प्रोजेक्ट के ब्रांड एंबेसडर हैं, जिससे लोगों का विश्वास जीता जा सके। यह धोखाधड़ी नेक्सा एवरग्रीन प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के माध्यम से की गई।जांच में सामने आया है कि इस

मुख्य आरोपी जुगल किशोर गिरफ्तार

मामले में देश भर में 150 से अधिक एफआईआर दर्ज हैं, जिनमें से अधिकांश राजस्थान से हैं। इस मामले में पहले भी दो आरोपी, सुभाष बिजारणिया और ओपेन्द्र बिजारणिया को दिसंबर 2024 में गिरफ्तार किया जा चुका है।

पुलिस को 98 पीड़ितों की शिकायत मिली थी, जिन्होंने बताया कि कंपनी के निदेशक जुगल किशोर और विनोद कुमार ने उन्हें धोलेरा में प्लॉट देने और प्रति सप्ताह 3 प्रतिशत का भारी रिटर्न देने का आश्वासन दिया था।

जुगल निवेशकों को लुभाने के लिए जूम मीटिंग्स करते थे और प्रधानमंत्री के वीडियो दिखाकर झूठा प्रचार करते थे। वे आकर्षक उपहारों जैसे मोबाइल फोन, लैपटॉप और रॉयल एनफील्ड बाइक का भी लालच देते थे। जनवरी 2023 से, कंपनी के पदाधिकारी फरार हो गए और उनकी वेबसाइट व मोबाइल ऐप बंद हो गई। ▶10 पर

ऑपरेशन सिंदूर में गेम चेंजर साबित हुआ एस-400 : एपी सिंह

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय वायुसेना के चीफ एयर मार्शल एपी सिंह ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान इस्तेमाल किए गए एस -400 एयर डिफेंस सिस्टम को 'गेम चेंजर' करार दिया। इस दौरान एयर मार्शल एपी सिंह ने कहा कि आज की लड़ाइयों में ड्रोन का इस्तेमाल हो रहा है लेकिन लड़ाइयां ड्रोन से ही नहीं जीती जा सकतीं। हमारे पास लंबी रेंज और घातक हथियारों के अलावा ऐसे एयरक्रॉफ्ट भी होने चाहिए जो लंबी दूरी तक मिसाइल फायर सकें। हमारी पास मानवयुक्त और मानवरहित सिस्टम के सुखद सिस्टम होना जरूरी है।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा कि हमारी इस लड़ाई में कई ड्रोन का इस्तेमाल किया गया था। दूसरे युद्धों में भी हो रहा है। उन्होंने कहा, मैं कहना चाहूंगा कि ड्रोन बहुत अच्छे हैं। ये किसी भी सिस्टम को सैचुरेट करने के लिए अच्छे हैं। बहुत सारे ड्रोन एक साथ आएंगे तो सैचुरेशन होती है लेकिन अगर हमें युद्ध जीतना है, तो वह सिर्फ ड्रोन से नहीं जीता जा सकता। हमारे लिए कुछ लंबी दूरी के, कुछ भारी क्षमता वाले हथियार, कुछ ऐसे विमान जो लंबी दूरी की मिसाइलें दाग सकें, बहुत जरूरी हैं। इसलिए हमें मानव-मानवरहित प्रणालियों के एक सुखद मिश्रण की आवश्यकता होगी। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने यह भी कहा, हमने जो लंबी दूरी की एलआर-एसएएम, एस -400 खरीदी थी, वे इसमें गेम चेंजर साबित हुईं। उनके लंबी दूरी के रडार और मिसाइल सिस्टम दुश्मन के विमानों को उनके ही क्षेत्र में घुसकर नुकसान पहुंचा सकते थे। इसलिए हम कुछ ऐसा करने में सक्षम हो पाए कि वे अपने क्षेत्र में भी काम नहीं कर सकते थे। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

सैनिकों और सेनाओं को किसी चीज की कमी महसूस नहीं होने देगी सरकार: राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 की लड़ाई में पाकिस्तान को धूल चटाने वाले सैनिकों से बातचीत करते हुए उन्हें आश्वस्त किया कि मातृ भूमि की रक्षा करने वाले हर सैनिक का सम्मान तथा कल्याण सरकार की प्राथमिकता है और सैनिकों तथा सेनाओं को किसी संसाधन की कमी महसूस नहीं होने देगी। श्री सिंह ने 1965 की लड़ाई के 60 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित समारोह में इस लड़ाई में दम खम दिखाने वाले अधिकारियों और जवानों को शुक्रवार को यहां संबोधित किया। उन्होंने पूर्व सैनिकों तथा सेवारत सैनिकों को आश्वस्त किया कि सरकार उन्हें सम्मान से लेकर सैन्य साजो सामान तक किसी भी चीज की कमी नहीं होने देगी। उन्होंने कहा , आज जब मैं अपने वेटरन्स के बीच हूँ, तो मैं एक संकल्प भी आपके समक्ष दोहराना चाहता हूँ । वह संकल्प यह है, कि चाहे वह सेवारत सैनिक हों, वेटरन्स हों या हमारे शहीदों के परिवारजन, हमारी सरकार के लिए हर किसी का सम्मान और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है। सेनाओं का आधुनिकीकरण हो, प्रशिक्षण हो, या

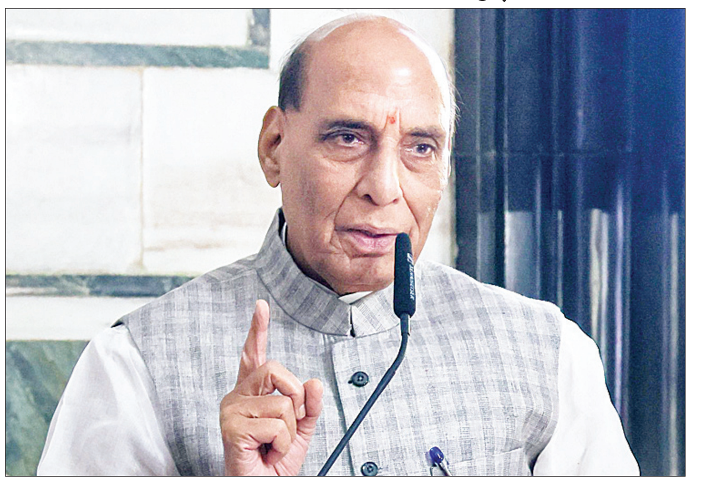

उपकरणों का उन्नयन हो, यह सब हम इसलिए कर रहे हैं, कि हमारा जवान कभी संसाधनों की कमी महसूस न करे। इस अवसर पर 1965 की लड़ाई के बाद वीर चक्र से सम्मानित अधिकारियों लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत) सतीश नाम्बियार और मेजर आर एस बेदी तथा इस लड़ाई में अपने जौहर दिखाने वाले अनेक पूर्व सैनिक मौजूद थे।

रक्षा मंत्री ने कहा कि 1965 का युद्ध सिर्फ़ एक छोटा-मोटा संघर्ष नहीं था बल्कि वह भारत की ताकत की परीक्षा थी। उस दौर में जो परिस्थितियाँ थीं, उसे देखते हुए पाकिस्तान ने यह सोचा कि वह घुसपैठ से गुरिल्ला लड़ाई से और अचानक हमलों से भारत को डरा देगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को भारत के जवानों की भावना और ताकत का पता नहीं था कि वह देश की मिट्टी की रक्षा के लिए क्या कुछ कर सकता है।

श्री सिंह ने 1965 के युद्ध के दौरान फिलौरा, चाविंडा और अन्य लड़ाईयों में सेनाओं के पराक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान की हिम्मत तोड़ दी। सेनाओं ने साबित कर दिया कि युद्ध, टैंकों से नहीं, ▶10 पर

रिश्तों की मजबूत डोर नारी नामक विशेष सत्र का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो चैप्टर बेंगलूरु नॉर्थ के तत्वावधान में जीतो महिला विंग द्वारा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट श्रमण आरोग्यम के अंतर्गत ''रिश्तों की मजबूत डोर नारी नामक विशेष सत्र का आयोजन मागड़ी रोड स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर भवन में किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 250 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र से हुई, तत्पश्चात अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत किया और गुरु भगवंतों का आभार व्यक्त किया। संयोजिका अल्का लोढ़ा ने उप प्रवर्तक श्री नरेश मुनि जी का संक्षिप्त जीवन परिचय दिया तथा सह संयोजिका मधु बलडोटा ने मधुर गीतिका प्रस्तुत की। मंच संचालन एवं आभार महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने किया। पुष्कर आराधना भवन के मंत्री महावीर मेहता ने जीतो पदाधिकारियों का सम्मान किया। उप प्रवर्तक नरेश मुनि जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि नारी बेटी, बहु, मां, पत्नी, बहन सभी रूपों में पूजनीय है।

उन्होंने नारी को समाज का आधार स्तंभ बताते हुए मर्यादा का महत्व समझाया और कहा कि नारी सहनशक्ति व त्याग की मूर्ति है, जिसे सदैव रिश्तों की मजबूत डोर बनाए रखनी चाहिए। युवा मुनि श्री शालीभद्र जी ने कहा कि मनुष्य को सुंदरता और सुगंध से भरे पुष्प के समान होना चाहिए, जहां सेवा और साधना की सुगंध अपने आचरण से लानी होती है। विराजित साध्वी समृद्धि श्री जी ने 'प्रोजेक्ट, सेलेक्ट और कलेक्ट' जैसे तीन महत्वपूर्ण विषयों पर प्रकाश डालते हुए श्रमण आरोग्यम योजना की सराहना की।

अपेक्स श्रमण आरोग्यम कन्वीनर सुनीता गांधी ने प्रोजेक्ट की विस्तृत जानकारी दी और जीतो संस्था द्वारा मानव जाति के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर जीतो महिला विंग बेंगलूरु नॉर्थ कन्वीनर नेमीचंद दलाल, एपेक्स हाउस होल्ड मॉडल कन्वीनर बिंदु रायसोनी, जेएलडब्ल्यू उपाध्यक्ष सुमन सिंघवी, कोषाध्यक्ष तनुजा मेहता, सहमंत्री सुमन रांका, कार्यसमिति से संगीता नागोरी, नीता गादिया, नंदा बाफना, लेखा गांधी, संगीता मुथा और बिंदु नाहर उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गुरु भगवंतों ने कार्यशाला आधारित प्रश्न पूछे, जिनमें महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इनाम प्राप्त किए। जीतो संस्था की ओर से मुनि श्री जी को पीएचएम (श्रमण आरोग्यम) का फॉर्म भेंट किया गया। रक्षा छाजेड़ ने नारी की महिमा का उल्लेख करते हुए कहा सृष्टि नहीं नारी बिना, यही जगत आधार। नारी के हर रूप की, महिमा बड़ी अपार।

सर्व सम्यक् दृष्टि देवी देवताओं और राशि नक्षत्रों को आहुति प्रदान की गई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में गुरुवर्या श्री चम्पाश्रीजी की पुण्य तिथि एवं सुलक्षणाश्रीजी के आत्म श्रेयार्थ भव्य पंचाह्निका महा महोत्सव के तृतीय दिवस को वी वी पुरम से पधारे पन्यास प्रवर विवेक विजय जी की उपस्थिति में मुनिराज श्री मलयप्रभ सागरजी एवं श्री हर्षपूर्णाश्रीजी की निश्रा में अर्हत महापूजन गतिमान है। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने कहा कि यह पूजा न केवल आध्यात्मिक शांति प्रदान करती है, बल्कि व्यक्ति को सही दिशा में प्रेरित भी करती है। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने बताया कि इस पूजा में अर्हंत भगवान की पीठिका, कुंभ आदि की पूजा की जाती है और यह आत्मिक शुद्धि भी प्रदान करती है। प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने कहा कि तीन दिन तक चलने वाला महापूजन आराधना भवन के प्रांगण में भक्तिमय माहौल में विधिकारक विक्रम गुरुजी द्वारा विधि-विधान द्वारा पढ़ाया जा रहा है। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि अर्हंत वह है जिसने पूर्ण ज्ञान (केवलज्ञान) प्राप्त कर लिया हो, जो निर्विकार हो और पूरी तरह से योग्य हो। अर्हंत पूजा का उद्देश्य अर्हंत भगवान की स्तुति करना और उनके बताए हुए सम्यक दर्शन, ज्ञान, और चरित्र के मार्ग पर चलकर अपनी आत्मा को शुद्ध करना है। महापूजन में देव देवियों को आहुति प्रदान करने का लाभ संघवी कुशलराज, उत्तमचंद गुलेच्छा परिवार मोकलसर निवासी ने लिया। पहली पीठिका में पंचपरमेष्ठि पूजन का लाभ संघमाता इचरजबाई चम्पालाल डोसी परिवार खजवाणा निवासी, दूसरी पीठिका दस दिकपाल पूजन का लाभ गौतमचंद, आशीष कुमार बाफना गढ़सिवाणा निवासी, तीसरी पीठिका बारह राशियों के पूजन का लाभ कुसुमदेवी तेजराज मालानी परिवार, मोकलसर निवासी चतुर्थ पीठिका अट्ठाइस नक्षत्र पूजन का लाभ संगीतादेवी मनोजकुमार मालानी परिवार मोकलसर निवासी, पांचवीं पीठिका नवग्रह पूजन का लाभ नेमीबाई सरदारमल संकलेचा परिवार जोधपुर, छठी पीठिका सोलह विद्या देवी पूजन का लाभ कांतिलाल, विजयराज गुलेच्छा परिवार मोकलसर निवासी और सातवीं पीठिका अष्टदेव देवी पूजन का लाभ संगीतादेवी आनंदकुमार मालानी परिवार मोकलसर ने लिया। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

आराधना और धर्म प्रभावना करते हुए कभी थकना या रुकना नहीं: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ के जी एफ संघ अलसूर जैन भवन में साध्वी श्री शशिप्रभा जी के समक्ष सन 2026 के लिए चातुर्मास हेतु विनती प्रस्तुत की। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन में के जी एफ संघ अध्यक्ष सोहनलाल बोहरा के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल की ओर से महेंद्र कुमार मुणोत ने विनती प्रस्तुत करते हुए साध्वी जी से अनुमति की अपेक्षा रखी। इस से पूर्व प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि साधक को श्रुत आराधना और धर्म प्रभावना करते हुए कभी थकना या रुकना नहीं चाहिए। साधक धन, भोजन और स्व पत्नी में संतोष रखे किंतु दान स्वाध्याय और पठन पाठन में संतोष न करें।

अपनी पुनवानी को पुरुषार्थ से बढ़ावे। अपनी वृत्ति ऐसी रखे कि किसी को भला हो। साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने अपने प्रवचन में कहा कि प्रभु ने हम पर वात्सल्य भी किया तो चेतावनी भी दी कि भव भ्रमण में हम स्वयं को आसक्ति से बचाए। हम व्यवहार कुशल रहे किंतु जो मिला उसे अपना मान लेने से संसार में अपनी आसक्ति बढ़ती जाएगी। जिनशासन हीरे का प्रतिष्ठान है। यहां हम राग द्वेष कर कौड़ियों का व्यापार नहीं करें। प्रीति सबसे रखें किंतु मात्र मैत्री भाव के लिए। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने के जी एफ संघ का स्वागत करते हुए संघ की अनुराग वृत्ति की अनुमोदना की। प्रवचन सभा में चेन्नई, दुर्ग आदि क्षेत्रों के भी दर्शनार्थी उपस्थित थे। संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

स्वर्ग और नर्क मानव की करनी का फल: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि सभी को पता है कि अच्छा किया तो स्वर्ग और बुरा किया तो नर्क है। पाप किया तो नर्क है और पुण्य किया तो स्वर्ग है। यह जानते हुए भी मनुष्य पाप कर रहा है। मनुष्य का 24 घंटे में से अधिक समय राग द्वेष कर्म बंध की ओर लगता है। पुण्य धर्म ध्यान में थोड़ा भी समय नहीं दे पा रहा है। जब ऐसा करोगे तो स्वर्ग कहां से मिलेगा। पाप मनुष्य सबके लिए करता है। लेकिन जब नतीजा आता है तो पाप करने वाला ही भोगता है। सुख में सभी साथ होते हैं, लेकिन दुख आने पर कोई साथ नहीं देता है। पाप करने में मजा आता है, लेकिन कर्मों का उदय मानव को रोने पर भी नहीं छोड़ता है। स्वर्ग और नर्क मनुष्य की करनी का ही फल होता है। जैसा करोगे वैसा ही मिलेगा। काम और धर्म कार्य करने से मनुष्य भागता है। लेकिन जहां मौज मस्ती की बात आती है वह सब काम छोड़ के निकल जाता है। लोगों को धर्म ध्यान, तप त्याग के लिए बुलाना पड़ता है, लेकिन मौज मस्ती करने के लिए मानव खुद आगे आता है। ऐसा करके मनुष्य अपने कर्मों को बांध रहा है। लेकिन याद रखो ये रिश्ते नाते सब संसार के जाल है। सब यहीं रहेगा। समय आने पर कोई साथ नहीं देगा। मां बाप भाई बहन सब सुख में साथ देंगे। कर्मों का उदय होगा तो कोई साथ नहीं देगा। परिवार के लिए लोग पाप करके कर्मों को बांध रहे हैं। लेकिन कोई साथ देने वाला नहीं है। समय मिला है तो कर्मों के बंध को तोड़ने का प्रयास कर जीवन को सुधार लेना चाहिए। मनुष्य को उपासना कर जीवन को बदल लेना चाहिए। किसी के मोह माया में नहीं फंसना चाहिए। जितना मोह माया में फंसोगे उतना पाप होगा। जैसे मनुष्य खाने लिए जुगाड़ करता है वैसे ही उसको आत्मा को तपाने के लिए भी जुगाड़ करना चाहिए। उसके लिए भी समय निकालना चाहिए। मनुष्य का मन अगर अच्छा होता है तो सब अच्छा होता है। भजन करने वालों का मन अच्छा होता है। जिस पर भगवान की कृपा होती है उसका जीवन खुशहाल होता है। गुरुदेव ने फरमाया कि मनुष्य को पग पग पर ध्यान देना चाहिए। पाप करने से बचो। राग द्वेष से बचो। ऐसा करने से ही जीवन सफल होगा। सभा में चेन्नई से विजयराज कोठारी, सुरेशचंद बोहरा, जम्बुकुमार, प्रकाशचंद गुगलिया एवं कोसापेट पुरुषवाक्कम से 2026 के अगले चातुर्मास की विनती करने हेतु संघ उपस्थित हुआ। संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन करते हुए बताया कि रविवार को आचार्य सम्राट श्री डॉक्टर शिव मुनि जी की जन्म जयंती मनाई जाएगी एवं गुणगान किए जाएंगे। उस दिन सभी के लिए 2 -2 सामायिक करने का लक्ष्य रखा गया है और उन्हें कर्नाटक जैन कॉन्फ्रेंस सम्मानित करेंगे। कार्यक्रम के लाभार्थी परिवार जवरीलाल दिनेशकुमार पगारिया रहेंगे। रविवारीय प्रवचन मध्याह्न 2 बजे से रहेगा।

नवनिर्वाचित विधान परिषद सदस्य का सम्मान

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। हाल ही में मनोनीत किए गए कर्नाटक विधान परिषद सदस्य एफ. एच. जक्कप्पनवर ने प्रसिद्ध उद्योगपति, पूर्व सांसद एवं वीआरएल लॉजिस्टिक्स के मैनेजिंग डायरेक्टर विजय संखेश्वर से शिष्टाचार भेंट की।

यह भेंट सामाजिक सद्भाव और राजनीतिक संवाद का प्रतीक रही, जिसमें दोनों नेताओं ने विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक मुद्दों पर सार्थक चर्चा की।

इस अवसर पर शंखेश्वर ने जक्कप्पनवर को उनके नवनिर्वाचन पर हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल तथा सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान शिक्षाविद एवं संस्कार स्कूल के संस्थापक अध्यक्ष महेन्द्र सिंघी, उज्ज्वल सिंघी और संतोष जे सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। सभी ने जक्कप्पनवर के प्रति सम्मान व्यक्त किया और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की।

प्रभु दर्शन बिन दृष्टि की कोई कीमत नही है: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने शीतलनाथ जैन मंदिर पी जे एक्टेंशन में धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जो दृष्टि प्रभु दर्शन करें। प्रभु दर्शन बिन दृष्टि की कोई कीमत नही है। जिस दिन प्रभु दृष्टि से हमारी दृष्टि का मिलन होता है उस समय दर्शनावरणीय कर्म क्षय होंने लगते है और हमारी आँखों से अश्रुपूरित जल निकलता है जो हमारी आत्मा को वैसे ही निखारता है जैसे सावन में सारी सृष्टि निखर जाती है और ग्रीष्म ऋतु से तपती धरती को और जीवो को शीतलता का अनुभव होता है। प्रभु दर्शन हेतु भव मिला है प्रभु को नयनों से हृदय पट पर विराजित कर लो तभी इस दृष्टि की कीमत सृष्टि में होगी। साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि यात्रा बहुत छोटी है। एक स्त्री बस में चढ़ी और एक पुरुष के बगल में बैठते समय उसके बैग से उसे चोट लग गई। लेकिन वह पुरुष चुप रहा, कुछ नहीं बोला। जब वह व्यक्ति गुमसुम बैठा रहा, तो उस महिला ने पूछा मैंने आपको बैग से मारा, फिर आपने शिकायत क्यों नहीं की? उस पुरुष ने मुस्कुराकर कहा इतनी छोटी-सी बात पर नाराज होने की जरूरत नहीं, क्योंकि हमारी साथ की यात्रा बहुत छोटी है। मैं अगले स्टॉप पर ही उतर रहा हूँ। इस उत्तर से महिला बहुत भावुक हुई। उसने उस पुरुष से माफी माँगी और मन ही मन सोचा कि यात्रा बहुत छोटी है। ये शब्द सोने से लिखे जाने चाहिए। हमें यह समझना चाहिए कि इस संसार में हमारा समय इतना कम है कि बेकार की बहस, जलन, दूसरों को माफ न करना, असंतोष और नकारात्मक भावनाओं में उलझना वास्तव में समय और ऊर्जा की मूर्खतापूर्ण बर्बादी है। किसी ने आपका दिल तोड़ा है? शांत रहिए। किसी ने धोखा दिया, धमकाया, अपमान किया? आराम कीजिए तनाव मत लीजिए। किसी ने बेवजह आपका अपमान किया? शांत रहिए, नजरअंदाज कीजिए। क्योंकि सचमुच हमारा साथ का सफर बहुत छोटा है। अंबालाल शाह ने बताया कि साध्वीवृंद के पगलिया और साधर्मिक भक्ति का लाभ राजेन्द्र कुमार, मांगीलाल पोरवाल सियाणा, संघवी महावीर कुमार घेवरचंद बालगोत्र सियाणा, सुरेश कुमार देवीचंद नाकोडा टेक्सटाइल, पारसमल मांगीलाल पोरवाल सियाणा ने लिया। बेंगलूर से दीपा ओस्तवाल, नयना नाणेशा, कविता जैन ने दर्शन वंदन का लाभ लिया।

तेयुप हनुमंतनगर द्वारा 13 शिविरों का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद् के निर्देशन में एमबीडीडी रक्तदान अमृत महोत्सव 2.0 एवं अभातेयुप के 61वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में तेयुप हनुमंतनगर द्वारा 13 शिविरों का आयोजन किया गया।

जिसमें कुल 426 यूनिट रक्त का संग्रहण किया। भारत सरकार के साथ मिलकर देश और विदेशों में इस अभियान को मेगा ब्लड डोनेशन ड्राइव के अन्तर्गत किया गया। भारत सरकार के स्वास्थ्य, रेलवे और युथ मंत्रालय इस अभियान के साथ जुड़े। प्रकाश मांडोत (अध्यक्ष- बेंगलूरु मेट्रो और सबअर्बन रैल पैसेंजर्स एसोसिएशन) व जयनगर ट्रेडर्स संगठन का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ। परिषद् अध्यक्ष स्वरूप चोपड़ा ने मुख्य प्रायोजक लीला देवी, बाबूलाल की पुण्य स्मृति में, स्वरूप चोपड़ा परिवार (बालोतरा बेंगलूरु), सह प्रायोजक मोहनलाल, महावीर चंद, हेमंत कुमार, रौनक, क्रिश बोहरा परिवार (मुसालियां-बेंगलूरु), प्रवीण कुमार, कुशल राज, संदीप कुमार लोढ़ा परिवार (धुंडल-सोजत रोड) बेंगलूरु व गुप्त सहायक के प्रति मंगल भावना संप्रेषित की व शहर के अनेक ब्लड बैंकों को अभियान में जुड़ने के लिए प्रशंसा की। इस आयोजन के परिषद प्रभारी आशीष धारीवाल एवं सह प्रभारी प्रमोद श्रीश्रीमाल, रोहित देरासरिया ने अथक श्रम नियोजित किया। हनुमंतनगर सभा से मंत्री हेमराज मांडोत ने भी अपना समय चोरड़िया भवन में दिया। एमबीडीडी प्रभारी अमित दक का भी विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

अभातेयुप राष्ट्रीय संगठनमंत्री अमित सेठिया युवाओं का उत्साह वर्धन करने चोरडिया भवन, हनुमंतनगर पधारे।

परिषद परिवार द्वारा जैन पट्ट से उनका स्वागत किया गया। येदुर लेक रक्तदान शिविर पर पधारे एन आर रमेश (पूर्व भाजपा अध्यक्ष, दक्षिण बेंगलूरु एवं जिले के पूर्व सत्तारूढ दल के नेता) का भी स्वागत किया गया।

इस अवसर पर अभातेयुप से राष्ट्रीय सीपीएस प्रभारी दिनेश मरोठी, कमलेश गन्ना, गौतम खाब्या, सुधीर पोखरना, परिषद् सलाहकार ललित बोहरा, परामर्शक पवन बोथरा, धर्मेश कोठारी, महावीर चावत, पूर्व अध्यक्ष अंकुश बेद, किशोर मंडल सलाहकार दिनेश धोका, उपाध्यक्ष प्रथम महावीर कटारिया, उपाध्यक्ष द्वितीय राजीव हीरावत, मंत्री देवेन्द्र आंचलिया, सह मंत्री प्रथम गौतम चावत, सह मंत्री द्वितीय रक्षित लोढ़ा, कोषाध्यक्ष विजय कटारिया, संगठन मंत्री प्रणव धारीवाल, कार्यकारिणी से शुभम रांका, शांतिनाथ गांधी, सुमीत चिंडालिया, जैनम गादिया, सज्जन कटारिया के अलावा समिति सदस्य से प्रकाश तलेसरा, मनन रांका एवं किशोर मंडल का विशेष श्रम रहा।

ऑर्थोपेडिक व परामर्श शिविर कल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री मातृछाया जैन महिला संगठन की ओर से विशेष रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट कैम्प और विशेषज्ञ परामर्श का आयोजन रविवार को प्रातः 8:30 बजे से सायं: 5 बजे तक लालबाग रोड क्रॉस स्थित गोडवाड़ भवन में किया जाएगा। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने बताया कि अहमदाबाद के विख्यात जैन नी एंड हिप क्लिनिक के ऑर्थोपेडिक सर्जन डॉ. जीतेंद्र चौधरी जैन विशेष परामर्श के साथ परीक्षण करेंगे। शिविर में रोबोटिक समर्थित जॉइंट रिप्लेसमेंट और उससे जुड़ी आधुनिक चिकित्सा जानकारी पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया जाएगा।

मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने बताया कि यह शिविर मुख्यतः बुजुर्गों एवं मध्यम आयु के उन लोगों के लिए है जिन्हें घुटना, कूल्हा या कंधे के जोड़ों में दर्द, अकड़न या चलने-फिरने में कठिनाई हो रही है। शिविर का उद्देश्य समय पर स्क्रीनिंग, सही सलाह और आवश्यक उपचार योजना के लिये रोगियों को मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है।

डॉ. जीतेंद्र चौधरी जैन ने जानकारी दी कि रोबोटिक एडेड जॉइंट रिप्लेसमेंट में सर्जन रोबोटिक सिस्टम और पूर्व निर्धारित सटीक योजना की मदद से हड्डियों की कटाई और इम्प्लांट की पोजिशनिंग को अधिक सटीक बना पाते हैं। इससे इम्प्लांट की सटीकता और जोड़ की स्थिरता बेहतर होने की संभावना रहती है। वे लोग जिन्हें गंभीर गठिया, लगातार दर्द व सूजन, दैनिक क्रिया-कलापों में बाधा, या जोड़ों का विकृत होना मौजूद हो, वे कंसल्टेशन के बाद प्राथमिकता के आधार पर उपचारित किए जाते हैं। सचिव रेशमा बडोला ने कहा कि समय पर सही उपचार लेने से जीवन की सामान्य दिनचर्या, सक्रियता और आत्मनिर्भरता पुनः प्राप्त की जा सकती है। शिविर संयोजिका नीलम ललवानी ने कहा कि आध्यात्मिक और शारीरिक स्वास्थ्य एक-दूसरे के पूरक हैं। शारीरिक उपचार के साथ-साथ उत्तम आचरण, सकारात्मक सोच और संतुलित जीवनशैली भी अत्यंत आवश्यक है। यह शिविर पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है।

जाति जनगणना पर फैसला सीएम सिद्धरामैया से सलाह के बाद ही : शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण या जाति जनगणना पर बढ़ती आपत्तियों के बीच, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा है कि इसके संभावित स्थगन पर कोई भी निर्णय मुख्यमंत्री सिद्धरामैया से परामर्श के बाद लिया जाएगा। यह सर्वेक्षण 22 सितंबर से 7 अक्टूबर के बीच होना है, जिसकी अनुमानित लागत 420 करोड़ है। शिवकुमार ने अपने कैबिनेट सहयोगियों एच.के. पाटिल, शिवराज तंगदगी, सुरेश और बी.जेड. जमीर अहमद खान के साथ कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष मधुसूदन आर. नाइक और उसके सदस्यों के साथ बैठक की। यह बैठक गुरुवार को हुई कैबिनेट बैठक में सर्वेक्षण के लिए, तैयार की गई जातियों की सूची को लेकर कथित तौर पर उठाई गई कुछ आपत्तियों के बाद हुई। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, आपत्तियों के बाद, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कुछ मंत्रियों से चर्चा करने और आगे की कार्रवाई के बारे में उनसे संपर्क करने को कहा। हमने इस बात पर चर्चा की है कि कैसे कुछ लोग और भाजपा (स्थिति का) दुरुपयोग कर रहे हैं। पिछड़ा वर्ग आयोग ने व्यवस्थित रूप से और कानून के दायरे में, जनता की राय और अतीत में किए गए सर्वेक्षणों को ध्यान में रखते हुए, एक सूची तैयार की है। हमने उनकी (आयोगों की) राय भी ली है। यहाँ पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और सरकार किसी भी समुदाय को विभाजित नहीं करना चाहती। उन्होंने कहा आयोग ने जातियों की सूची अतीत की स्थिति और समुदायों के अनुरोध के आधार पर तैयार की है। लेकिन हमारे कुछ सदस्यों ने इस पर आपत्ति जताई है। हम राय ले रहे हैं। हमें राजनीतिक रूप से बोलने वालों की चिंता नहीं है। यह सर्वेक्षण सभी को न्याय दिलाने के लिए किया जा रहा है। हम मुख्यमंत्री को मामले की जानकारी देंगे और आपको निर्णय से अवगत कराएँगे। यह पूछे जाने पर कि क्या सर्वेक्षण स्थगित करने के सुझाव दिए गए हैं, उप-मुख्यमंत्री ने कहा मैं अभी इस बारे में कुछ नहीं कहूँगा। मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद, मैं आपसे बात करूँगा। अंततः हम सभी को न्याय दिलाएँगे। सूत्रों के अनुसार, कैबिनेट बैठक में जाति जनगणना के मुद्दे पर चर्चा हुई, जिसमें कई मंत्रियों ने जाति सूची और उसमें उल्लिखित जातियों के 'समस्याग्रस्त नामकरण' पर आपत्तियाँ और आपत्तियाँ व्यक्त कीं। इस सर्वेक्षण के सिलसिले में कांग्रेस के खिलाफ 'उच्च जाति विरोधी' छवि बनने पर भी चिंता व्यक्त की गई, और भाजपा द्वारा सरकार पर हिंदुओं को बांटने का आरोप लगाने और वीरशैव-लिंगायत समुदाय को समर्थन मिलने पर भी चिंता व्यक्त की गई। इसके अलावा, जाति जनगणना सूची पर कड़ी आपत्तियों को लेकर भी चिंताएँ व्यक्त की गईं, खासकर कई जातियों के दोहरी पहचान वाले नामों को लेकर - जिनके ईसाई और हिंदू दोनों जाति के नाम हैं - जैसे 'कुरुबा ईसाई', 'ब्राह्मण ईसाई', 'वोक्कालिगा ईसाई' वगैरह। कुछ लोगों ने इस समस्याग्रस्त नामकरण को लेकर भी आगाह किया कि इसे एक ऐसे कदम के रूप में पेश किया जा रहा है जो धर्मांतरण का अवसर देगा और अन्य ओबीसी के कोटे के हिस्से को कम कर देगा। कहा जा रहा है कि कुछ मंत्रियों ने सभी भ्रमों को दूर करने के बाद सर्वेक्षण कराने का सुझाव दिया है। सूत्रों ने बताया कि एक प्रमुख समुदाय, वीरशैव-लिंगायत, के बीच खुद को हिंदू के बजाय एक अलग धर्म के रूप में उल्लेख करने को लेकर भ्रम या मतभेद की ओर भी इशारा किया गया। सूत्रों ने बताया कि कुछ लोगों ने यह भी चेतावनी दी कि सर्वेक्षण को स्थगित करने से गलत संदेश जा सकता है। भाजपा ने भी सरकार और पिछड़ा वर्ग आयोग से जल्दबाजी में सर्वेक्षण न करने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि कोई भी विचारहीन कदम समुदायों के बीच विभाजन पैदा कर सकता है। मंत्रिमंडल के भीतर कथित एकता की कमी की ओर इशारा करते हुए, भाजपा के राज्य महासचिव सचिव और विधायक सुनील कुमार ने सरकार से सर्वेक्षण स्थगित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा सर्वदलीय बैठक और सभी जातियों के प्रतिनिधियों की बैठक बुलाकर राय ली जाए और गर्मियों के दौरान सर्वेक्षण कराया जाए। उन्होंने सर्वेक्षण की आवश्यकता पर भी सवाल उठाया, जबकि केंद्र पहले ही राष्ट्रीय जनगणना में जाति गणना की घोषणा कर चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि 'राज्य में जाति जनगणना, सत्तारूढ़ दल के भीतर सत्ता संघर्ष के बीच, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा अपना कार्यकाल बढ़ाने की एक चाल प्रतीत होती है।

कर्नाटक ने 80 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन हासिल कर नया रिकॉर्ड बनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक ने 143 मिलियन यूनिट (एमयू) नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) का उत्पादन करके एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है, जो राज्य के कुल 179 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन का 80 प्रतिशत है। ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इसमें पवन ऊर्जा का योगदान सबसे अधिक 65.8 मिलियन यूनिट रहा, इसके बाद जल विद्युत का योगदान 55.3 मिलियन यूनिट और सौर ऊर्जा का योगदान 22.6 मिलियन यूनिट रहा।

एक महीने पहले, 18 अगस्त को, कर्नाटक के लगभग 80 प्रतिशत पावर ग्रिड हरित ऊर्जा से संचालित थे, जो सभी राज्यों में सबसे अधिक था। ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता ने बताया कि पिछले वर्ष की तुलना में औसत वार्षिक मांग में लगभग 15 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद, वर्तमान खपत 21 मिलियन यूनिट कम थी। 18 अगस्त को राज्य की बिजली खपत 179.03 मिलियन यूनिट रही, जबकि पिछले वर्ष इसी दिन 200.35 मिलियन यूनिट बिजली की खपत हुई थी। ऊर्जा विभाग के रिकॉर्ड के अनुसार, 18 अगस्त को बिजली की अधिकतम माँग 9,729 मेगावाट (मेगावाट) थी, जो पिछले साल के 9,853 मेगावाट से थोड़ी कम है। अधिकारियों ने बताया कि बारिश और कम तापमान के कारण कम माँग ने राज्य की बढ़ी हुई उत्पादन क्षमता का आर्थिक उपयोग सीमित कर दिया। कुल माँग में गिरावट के कारण, कर्नाटक ग्रिड को अतिरिक्त बिजली अधिक मार्जिन पर नहीं बेच सका। 18 अगस्त को, राज्य ने 4.12 रुपये प्रति यूनिट की दर से 8.85 मिलियन यूनिट बिजली बेची, जिससे उसे 3.65 करोड़ रुपये की कमाई हुई। कर्नाटक ने एक अग्रिम बैंकिंग समझौते के तहत पंजाब को 6.616 मिलियन यूनिट बिजली की आपूर्ति की, इसके अलावा मौजूदा बैंकिंग समझौतों के तहत उत्तर प्रदेश और पंजाब को प्रतिदिन 13.43 मिलियन यूनिट बिजली लौटाई। अधिकारियों ने बताया कि यह अतिरिक्त उत्पादन को संतुलित करने के लिए किया गया था। नवीकरणीय ऊर्जा केवल सौर और पवन ऊर्जा तक ही सीमित नहीं है। केपीटीसीएल के अतिरिक्त मुख्य सचिव और प्रबंध निदेशक पंकज कुमार पांडे ने बताया कि केंद्र सरकार के अनुसार, जलविद्युत को अब नवीकरणीय ऊर्जा श्रेणी में वर्गीकृत किया गया है। 18 अगस्त को, राज्य का कुल जलविद्युत उत्पादन 55.26 मिलियन यूनिट था, जिसमें से 31.18 मिलियन यूनिट प्रमुख जल स्रोतों से प्राप्त हुआ।

कर्नाटक में ऊर्जा की माँग इस वर्ष जनवरी के अंत से बढ़ने लगी। गर्मियों में माँग प्रतिदिन 350 मिलियन यूनिट को पार करने की उम्मीद थी, लेकिन मानसून-पूर्व वर्षा ने इसे 320-330 मिलियन यूनिट के बीच ही रखा। अधिकारियों ने बताया कि मानसून की शुरुआत के साथ, माँग घटकर 230-240 मिलियन यूनिट प्रतिदिन रह गई, और अब यह अपने निम्नतम स्तर पर पहुँच गई है।

लिंगायत एक स्वतंत्र धर्म है, हिंदू-सनातन धर्म का हिस्सा नहीं: डॉ पट्टादेवरु

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। भालकी हीरेमठ संस्थान के डॉ. बसवलिंग पट्टादेवरु ने कहा लिंगायत धर्म सनातन धर्म से अलग नहीं है। यह एक ऐसा धर्म है जो समाज में व्याप्त जाति और वर्णभेद के विरोध में उत्पन्न हुआ है।

लिंगायत धर्म हिंदू या सनातन धर्म का हिस्सा नहीं है। यह एक स्वतंत्र धर्म है। लिंगायत मठाधिपति संघ द्वारा कॉलेज के छात्रों और आम जनता के लिए 'बसव संस्कृति अभियान' के तहत गुरुवार को उडुपी टाउन हॉल में आयोजित 'वचना' चर्चा कार्यक्रम में भाग लेने के बाद बोलते हुए डॉ. बसवलिंग पट्टादेवरु ने कहा लिंगायत एक जाति नहीं, बल्कि एक संपूर्ण धर्म है। धर्म एक चीज है और जाति दूसरी। जाति अंधकार के समान है, जबकि धर्म प्रकाश के समान है। जाति के अंधकार को दूर करने के लिए धर्म का प्रकाश आवश्यक है। हांडीगुंडा मठ के शिवानंद स्वामीजी ने कहा जिस प्रकार सिख, जैन और अन्य अल्पसंख्यक धर्मों को संवैधानिक मान्यता प्राप्त है, उसी प्रकार हम लिंगायत धर्म के लिए भी संवैधानिक मान्यता की मांग कर रहे हैं। यह कोई विरोध नहीं है। यह हमारा अधिकार है। लिंगायत न तो हिंदू है और न ही सनातन धर्म। लिंगायत एक स्वतंत्र धर्म है। बसवन्ना हमारे धर्मगुरु हैं। वचन साहित्य हमारा धर्मग्रंथ है। बसवन्ना द्वारा दिया गया बसव धर्म या लिंगायत धर्म किसी अन्य धर्म से संबंधित नहीं है। हुलासुरु श्रीमठ के श्री शिवानंद स्वामीजी, होसदुर्गा कुंचितिगा महासंस्थान मठ के श्री शांतावीर महास्वामी, भालकी हिरेमठ संस्थान के गुरुबासव पट्टादेवरु, नवलगुंद गविमठ धारवाड़ के श्री बसवलिंगा स्वामीजी, कलबुर्गी शन्मुख शिवयोगी मठ के वीरसिद्ध देवारु, रायचूर के वीरभद्र शास्त्री, बेल-गावी के शिवबासव पट्टादेवरु, बसवराज देवारु इस कार्यक्रम में बसवकल्याण और मम्मिगट्टी के बसवानंद स्वामीजी उपस्थित थे।

अलांद मतदान में धांधली पर चुनाव आयोग से पर्याप्त स्पष्टीकरण नहीं: प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कांग्रेस ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा कलबुर्गी जिले के आलंद निर्वाचन क्षेत्र में मतदान में धांधली के आरोपों का समर्थन करते हुए कहा है कि चुनाव आयोग ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों पर पर्याप्त स्पष्टीकरण नहीं दिया है और सीआईडी पर जाँच के लिए आवश्यक जानकारी दिए बिना झूठ बोलने का आरोप लगाया है। ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे और आलंद निर्वाचन क्षेत्र के विधायक बी.आर. पाटिल ने कांग्रेस कार्यालय में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में राहुल गांधी के आरोपों के समर्थन में सहायक दस्तावेज जारी किए। शुरुआत में बोलते हुए, बी.आर. पाटिल ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनावों से पहले, उनके पार्टी कार्यकर्ता विजय कुमार ने फोन करके बताया कि बीएलओ ने उन्हें बताया है कि उनका नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है। जब उन्होंने जाँच की, तो उन्हें पता चला कि 6018 नाम हटा दिए गए थे। इस संबंध में कलबुर्गी जिला कलेक्टर, आलंद तहसीलदार, राज्य मुख्य निर्वाचन अधिकारी और केंद्रीय मुख्य निर्वाचन अधिकारी से शिकायत की गई थी। उस समय नाम हटाने की प्रक्रिया रोक दी गई थी। उन्होंने कहा कि अगर नाम नहीं हटाए जाते, तो मैं चुनाव हार जाता। सेवानिवृत्त शिक्षक सूर्यकांत गोविंद और गोदबाई नाम की एक निरक्षर महिला ने 12-12 लोगों के नाम हटाने के लिए फॉर्म संख्या 7 जमा किया है। उन्होंने बताया कि न तो आवेदकों को इसकी जानकारी है और न ही जिनके नाम हटाए जाने हैं, उन्हें इसकी कोई जानकारी है। मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि चुनाव आयोग यह दावा कर रहा है कि उसने मतदाताओं के नाम हटाए जाने का पता लगाया है, जो कि झूठ है।

बी.आर. पाटिल और हमारी शिकायत के आधार पर, कलबुर्गी उप-मंडल अधिकारी ममता, जो आलंद निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचन अधिकारी थीं, ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। मंत्री ने दस्तावेज जारी करते हुए कहा कि प्राथमिकी में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि ममता ने बी.आर. पाटिल की सूचना के आधार पर शिकायत दर्ज कराई थी। मतदाताओं के नाम हटाने के लिए 6118 आवेदन आए थे। आयोग ने जाँच में सहयोग नहीं किया। तकनीकी जानकारी के आधार पर, जब पुलिस ने प्रारंभिक जाँच की, तो उन्होंने बताया कि फॉर्म संख्या 7 के साथ दिए गए मोबाइल नंबर गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु राज्यों के थे। आयोग ने कहा था कि उसने 21 फरवरी, 2023 को पुलिस जाँच को सभी प्रकार के दस्तावेज उपलब्ध करा दिए थे, जो पूरी तरह से झूठ है। यदि जानकारी उपलब्ध कराई गई होती, तो हाल ही में 4 फरवरी, 2025 को राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के संयुक्त आयुक्त ने केंद्रीय मुख्य चुनाव आयुक्त को पत्र लिखकर आलंद निर्वाचन क्षेत्र मामले में जाँच अधिकारी द्वारा माँगी गई जानकारी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था। साथ ही, मंत्री ने कहा कि उन्होंने अब तक हुए सभी पत्राचार की जानकारी का उल्लेख किया है और यह पत्र जारी किया है। जाँच कर रहे सीआईडी अधिकारियों ने ओटीपी के स्रोत, इस्तेमाल किए गए आईपी एड्रेस और उपकरण के पते सहित 5 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर जानकारी माँगी है। उन्होंने शिकायत की कि आयोग इनमें से कुछ भी जानकारी न देकर गलत काम करने वालों को बचाने की कोशिश कर रहा है। राहुल गांधी ने कहीं भी यह नहीं कहा कि नाम ऑनलाइन हटा दिए गए। उन्हें समझ नहीं आ रहा कि आयोग इस तरह गुमराह क्यों कर रहा है। जब आयोग पर सवाल उठाए जा रहे हैं, तो भाजपा के केंद्रीय मंत्री और सांसद जवाब क्यों दे रहे हैं? उन्होंने सवाल किया कि क्या ये सभी चुनाव आयोग के आउटसोर्स प्रवक्ता के रूप में काम कर रहे हैं? जब ये अनियमितताएँ हुईं, तब राज्य और केंद्र में भाजपा की सरकारें थीं। भाजपा सरकार द्वारा नियुक्त अधिकारी आयोग और जिला प्रशासन में कार्यरत थे। उनके ही अधिकारी ने प्रारंभिक जाँच की और शिकायत दर्ज की। एक प्राथमिकी दर्ज की गई है।

बेंगलूरु में नम्मा मेट्रो के खंभों पर विज्ञापन फिर से दिखने की तैयारी

बीएमआरसीएल को गैर-किराया राजस्व में बड़ी बढ़ोतरी की उम्मीद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लगभग सात वर्षों के अंतराल के बाद, नम्मा मेट्रो के खंभों पर विज्ञापनों की वापसी होने वाली है। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआर-सीएल) बेंगलूरु में अपने मेट्रो नेटवर्क के चुनिंदा खंभों और प्रवेशद्वारों पर विज्ञापन प्रदर्शित करने के लिए निविदाएँ आमंत्रित कर रहा है। यह कदम बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी), जिसे अब ग्रेटर बेंगलूरु अथॉरिटी (जीबीए) कहा जाता है, द्वारा अधिसूचित विज्ञापन उप-नियमों के बाद उठाया गया है, जो बीएमआर-सीएल को अपने बुनियादी ढाँचे पर विज्ञापन प्रदर्शित करने का अधिकार देता है।

ये निविदाएँ परिचालन कॉरिडोर पर्पल, ग्रीन और येलो लाइनों के साथ-साथ आगामी पिंक और ब्लू लाइनों को भी कवर करती हैं। बीएमआरसीएल के अधिकारियों ने पुष्टि की है कि विज्ञापन चुनिंदा मेट्रो खंभों और प्रवेशद्वारों पर लगाए जाएँगे, यह प्रथा 2018 से बंद कर दी गई थी। अगस्त 2018 में, बीबीएमपी ने दृश्य प्रदूषण का हवाला देते हुए बेंगलूरु में बाहरी विज्ञापनों पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया था। इस कदम में मेट्रो खंभों और पुलों के नीचे के मध्य बिंदुओं पर प्रतिबंध शामिल थे। प्रतिबंध से पहले, बीएमआरसीएल केवल स्तंभ विज्ञापनों से ही सालाना लगभग 10 करोड़ कमाता था। अचानक लगे प्रतिबंध के कारण बीएमआरसीएल को गैर-किराया राजस्व के वैकल्पिक स्रोतों की तलाश करनी पड़ी।

बीएमआरसीएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा 2018 में प्रतिबंध लगने के बाद बीएमआरसीएल ने मेट्रो के खंभों पर विज्ञापन लगाने के लिए जगह देना बंद कर दिया था। बाद में, बीबीएमपी ने मसौदा उप-नियम जारी किए, जिनसे हमें विज्ञापन अधिकारों पर अंततः स्पष्टता मिली। जुलाई 2025 में, बीबीएमपी ने बृहद बेंगलूरु शासन अधिनियम, 2024 के तहत बृहद बेंगलूरु महानगर पालिका (विज्ञापन) उप-नियम, 2024 पर एक राजपत्र अधिसूचना जारी की। ये उप-नियम स्पष्ट रूप से बीएमआरसीएल के स्वामित्व वाली संपत्तियों, जैसे मेट्रो स्टेशन, खंभे और संबंधित बुनियादी ढाँचे पर विज्ञापन लगाने की अनुमति देते हैं, जबकि उन्हें बीबीएमपी के निर्दिष्ट विज्ञापन क्षेत्रों से बाहर रखा गया है। हालाँकि, इसमें राजस्व-साझाकरण का एक खंड भी है।

एक अधिकारी ने बताया अगर मेट्रो संरचना पर लगा कोई भी विज्ञापन बीबीएमपी द्वारा निर्दिष्ट क्षेत्र से दिखाई देता है, तो राजस्व बीबीएमपी और बीएमआरसीएल के बीच बराबर-बराबर बांटा जाएगा। बीएमआरसीएल किराया संग्रह से परे अपनी आय के स्रोतों में विविधता लाने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रहा है। जून 2025 में, निगम ने पर्पल और ग्रीन लाइनों पर चलने वाली ट्रेनों में फुल-बॉडी विज्ञापन रैप की शुरुआत की, जो उसके 13 साल के इतिहास में पहली बार इस तरह की ब्रांडिंग शुरू की गई। विज्ञापन फर्मों के साथ दो अलग-अलग सात-वर्षीय समझौते किए गए, जिनका मूल्य क्रमशः 1.26 करोड़ और 81.49 लाख था। अधिकारियों ने बताया कि स्टेशनों और ट्रेनों के अंदर इनडोर विज्ञापन गैर-किराया राजस्व में प्रमुख योगदानकर्ता बने हुए हैं। अन्य आय-सृजन पहलों में खुदरा दुकानें, एटीएम, पार्किंग स्थल, प्रचार कियोस्क, इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों के लिए पट्टे पर देना और दूरसंचार टावरों और ऑप्टिकल फाइबर केबल के लिए जगह उपलब्ध कराना शामिल है।

बीएमआरसीएल ने 2023 में स्टेशनों और ट्रेनों के अंदर फिल्म शूटिंग की अनुमति भी फिर से शुरू कर दी। इसके सबसे आकर्षक उपक्रमों में से एक 2017 में नागासांद्रा मेट्रो स्टेशन के पास 13 एकड़ जमीन को आईकेईए इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को 60 साल के समझौते के तहत पट्टे पर देना था, जिससे 251 करोड़ प्राप्त हुए। भारी जन मांग के बाद महीनों की देरी के बाद जारी की गई किराया निर्धारण समिति (एफएफसी) की हालिया रिपोर्ट में गैर-किराया राजस्व के विस्तार के महत्व पर भी जोर दिया गया है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2023-24 में बीएमआरसीएल का किराया संग्रह 573.91 करोड़ था, जबकि इसकी संपत्ति से संबंधित आय केवल 50.05 करोड़ थी, जो किराया राजस्व का केवल 8.72 प्रतिशत है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि किराया बॉक्स राजस्व संपत्ति व्यवसाय, विज्ञापन, कियोस्क, दुकान किराया, पार्किंग शुल्क, स्टेशन नामकरण और ट्रेन रैपिंग से होने वाली आय से पूरित होता है। रिपोर्ट में कहा गया है, ''वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, बीएमआर-सीएल ने संपत्ति व्यवसाय से 50.05 करोड़ कमाए, जो किराया बॉक्स संग्रह से प्राप्त 573.91 करोड़ के राजस्व का 8.72 प्रतिशत है।

बीएमआरसीएल ने एफएफसी को सूचित किया है कि 'कर्नाटक सरकार द्वारा विज्ञापन नीति को अंतिम रूप दिए जाने के बाद, जो बीएमआरसीएल को मेट्रो स्टेशन परिसर के बाहर विज्ञापन प्रदर्शित करने की अनुमति दे सकती है, गैर-किराया बॉक्स राजस्व प्रति वर्ष 60 करोड़ से 80 करोड़ तक बढ़ने की संभावना है।

ओड्डाराहल्ली रेलवे स्टेशन यार्ड में आपदा तैयारी पर संयुक्त मॉक ड्रिल का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ओड्डाराहल्ली यार्ड में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की 10वीं बटालियन और विभिन्न प्रमुख हितधारकों के सहयोग से एक पूर्ण मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य रेल दुर्घटना की स्थिति में एजेंसियों के बीच तैयारी और समन्वय को बढ़ाना था। इस अभ्यास के दौरान, एक नकली दुर्घटना परिदृश्य का मंचन किया गया जिसमें एक डिब्बा पटरी से उतर गया और दूसरा पलट गया। एक आपातकालीन सायरन बजाया गया और नियंत्रण कार्यालय के माध्यम से दुर्घटना का संदेश प्रसारित किया गया। विभिन्न एजेंसियों की बचाव टीमें तुरंत घटनास्थल पर पहुँचीं और समन्वित बचाव कार्य शुरू किया।

10वीं बटालियन के उप कमांडेंट श्री दिलबाग सिंह के नेतृत्व में एनडीआरएफ टीम ने 27 बचावकर्मियों के साथ इस अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। अन्य हितधारकों में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ), होमगार्ड, नागरिक सुरक्षा, अग्निशमन सेवाएँ, सरकारी अस्पताल, जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) के कर्मचारी और चिकित्सा, कैरिज और वैगन, सिग्नल, विद्युत, आरपीएफ, संचालन और वाणिज्यिक विभागों के रेलवे कर्मचारी शामिल थे। सिम्युलेटेड परिदृश्य के तहत, टीमों ने विशेष उपकरणों का उपयोग करके कोचों की छत, बरामदे और खिड़कियाँ काटकर अंदर फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके अतिरिक्त, चिकित्सा दल ने प्राथमिक उपचार देने और घायलों को उनकी चोटों की गंभीरता के आधार पर अस्प-तालों में स्थानांतरित करने की प्रक्रियाओं का प्रदर्शन किया। इस अभ्यास की देखरेख दक्षिण पश्चिम रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा अधिकारी एम. रामकृष्ण ने की। मॉक ड्रिल के समापन के बाद बोलते हुए, रामकृष्ण ने सुव्यवस्थित बचाव कार्यों पर संतोष व्यक्त किया और इस तरह के तैयारी अभ्यासों के महत्व पर बल दिया। उन्होंने बेहतर आपदा प्रबंधन के लिए प्रत्येक जिले में आपदा मित्र की आवश्यकता पर बल दिया जो प्रतिक्रियाकर्ताओं की पहली पंक्ति के रूप में कार्य कर सकें और अधिक जन भागीदारी को प्रोत्साहित कर सकें। उन्होंने जिला प्रशासन से जिले में आपदा मित्रों का व्यापक नेटवर्क विकसित करने का आग्रह किया और अधिक स्वयंसेवकों को शामिल किया। इस मॉक ड्रिल में कई वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों ने भाग लिया, जिनमें बालासुंदर पी., मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, डीजल एवं आपदा प्रबंधन, परीक्षित मोहनपुरिया, अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक (संचालन), बेंगलूरु और डॉ. वेंकटरमैया, सहायक मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (एसीएमएस), बेंगलूरु तथा अन्य शाखा अधिकारी शामिल थे।

रात में चारमाडी घाट के रास्ते दक्षिण कन्नड़ में प्रवेश करने वाले वाहनों के लिए नया यातायात नियम

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु-मेंगलूरु राष्ट्रीय राजमार्ग के चारमाडी घाट खंड, जो चिक्कमगलूरु को तट से जोड़ता है, से होकर दक्षिण कन्नड़ (डीके) जिले में प्रवेश करने वाले वाहनों के लिए एक नया यातायात नियम लागू हो गया है। नए नियम के अनुसार, रात में यात्रा करने वाले वाहनों को अब अकेले या जोड़े में गुजरने की अनुमति नहीं होगी। इसके बजाय, आगे बढ़ने की अनुमति मिलने से पहले कम से कम पाँच वाहनों का एक साथ चलना अनिवार्य होगा। कोट्टिगेहारा चेक पोस्ट पर, सभी वाहनों की रात में अनिवार्य रूप से जाँच की जाएगी और पाँच वाहनों का समूह बनाने के बाद ही उन्हें आगे बढ़ने की अनुमति दी जाएगी। घाट के घने जंगल में मवेशी चोरी और अन्य आपराधिक गतिविधियों की बढ़ती शिकायतों के बाद यह नियम लागू किया गया है। सुरक्षा को मजबूत करने के लिए, कोट्टिगेहारा चेक पोस्ट पर मौजूदा बैरिकेड को एक नए बैरियर से बदला जा रहा है। एक पुलिस

उप-निरीक्षक के नेतृत्व में एक पुलिस दल रात के समय तैनात रहेगा। इसके अलावा, चेक पोस्ट से लगभग 1.5 किमी दूर स्थित एक कच्ची सड़क का कथित तौर पर मवेशी चोरों द्वारा दुरुपयोग किया जा रहा था। स्थानीय लोगों से सलाह-मशविरा करने के बाद, अधिकारियों ने इस सड़क पर एक गेट बनाने का फैसला किया है, जो रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक बंद रहेगा। यह नया यातायात नियम पहले ही लागू हो चुका है। अधिकारियों ने बताया कि इस मार्ग पर अक्सर आने वाली चुनौतियों, जैसे घना कोहरा, जंगली हाथियों और अन्य जान-वरों की आवाजाही, यातायात में बाधा डालने वाले पेड़ों का गिरना, दुर्घटनाएँ और मोबाइल नेटवर्क कवरेज का अभाव, को देखते हुए यह व्यवस्था सुरक्षा में भी सुधार लाएगी। चारमाडी छोर पर एक पुलिस चेक पोस्ट भी है, जो चौबिस घंटे कार्यरत है। चिक्कमगलूरु की ओर जाने वाले वाहनों की यहाँ भी जाँच की जाती है। हालाँकि, रात में पाँच वाहनों के एक साथ चलने का नियम अभी तक लागू नहीं किया गया है। चिक्कमगलूरु के एसपी विक्रम अमाथे ने कहा कोट्टिगेहारा चेक पोस्ट से गुजरने वाले सभी वाहनों का विवरण सीसीटीवी में रिकॉर्ड किया जाएगा और पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज किया जाएगा।

दीक्षार्थी अभिनंदन समारोह का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री पुण्ययशा जी की सन्निध्य में वरिष्ठ मुमुक्षु हनुमान मल दूगड़ (सरद-ारशहर, इरोड) का मंगल भावना समारोह राजराजेश्वरी नगर के तेरापंथ भवन में आयोजित किया गया। साध्वीश्री पुण्ययशा जी ने एक रूपक के माध्यम से बताया कि मोह से ग्रसित व्यक्ति संसार को पार नहीं कर सकता। यह संसार मोह के आधार पर चल रहा है। इस संसार में तीन दृष्टि है। जड़ दृष्टि, निमित्त दृष्टि, आत्म दृष्टि। कोई पदार्थ को देखता है कोई निमित्त को देखता है तो कोई आत्मा को देखता है। जो पदार्थ और निमित्त को देखता है वह लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकता किंतु जो आत्मदृष्टि से देखता है वह विकास के पायदान पर आगे बढ़ता है। हनुमानमल भी एक-एक कदम बढ़ा पहले उपासक बने, सुमंगल साधना स्वीकार की ओर अब चारित्र की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। गृहस्थ जीवन में भी त्याग और वैराग्य की भावना को आगे बढ़ाया है। यह त्याग, वैराग्य जीवन में उत्तरोतर बढ़ता रहे और अपनी लक्षित मंजिल को प्राप्त करे।

साध्वीश्री ने फरमाया कि प्रत्येक श्रावक-श्राविका को प्रतिदिन श्रावक के तीन मनोरथ की भावना भानी चाहिए। दीक्षार्थी हनुमानमल ने अपने विचारों को अभिव्यक्त करते कहा कि हर व्यक्ति के जीवन में कुछ पाने के लिए कुछ लक्ष्य होते हैं, मैंने भी अपने जीवन का लक्ष्य बनाया कि कब तक संसार में भ्रमण करता रहूंगा, मुझे संसार की सीमा करनी है। उपासक श्रेणी से जुड़ने के बाद मेरा आध्यात्मिक विकास होता रहा और धीरे-धोरे मेरे मन में संयम का भाव पुष्ट होता रहा। सूरत चतुर्मास में गुरुदेव के सम्मुख दीक्षा की भावना प्रकट की। कसौटी पर खरा उतरने के बाद परमपूज्य गुरुदेव ने असीम अनुकम्पा कर मुझे दीक्षा की अनुमति स्वीकृति प्रदान करवाई। साध्वी वर्धमानयशा जी ने गीत के माध्यम से अपनी भावना रखी। सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़, सरद-ारशहर परिषद अध्यक्ष रणजीत बोथरा, वीणा भूतोड़िया (इरोड), विमल सामसुखा ने अपनी भावना व्यक्त की। कंचन देवी छाजेड़ ने दीक्षार्थी के आध्यात्मिक जीवन की जानकारी दी। जम्मड़ परिवार ने गीतिका द्वारा अपनी अभिव्यक्ति दी। तेयूप अध्यक्ष विक्रम महेर, मंत्री संदीप बैद, महिला मंडल व समस्त संस्था के पदाधिकारीगण एवं काफी संख्या में श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रही। सभा के मंत्री गुलाब बाँठिया ने सफल संचालन किया। साध्वी जी के मंगलपाठ से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

आचार्य शिवमुनि जी का 84वां जन्मोत्सव एकासन और सामायिक दिवस के रूप में मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजाजीनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी निर्मला के सान्निध्य में चल रहे आचार्य आत्म शिव जन्मोत्सव के पंच दिवसीय कार्यक्रम का पंचम दिवस एकासन एवं सामायिक दिवस के रूप में सम्पन्न हुआ। साध्वी उपासना ने आचार्य श्री के 84वें जन्मोत्सव पर गुणगान करते हुए कहा कि आचार्य डॉ. शिवमुनि का जीवन सरलता और साधना से परिपूर्ण है।

आप साधना के शिखर पुरुष हैं। आपका जन्म शौर्य और धैर्य की भूमि पंजाब में हुआ, जिसे महावीरों की भूमि कहा जाता है। आपका व्यक्तित्व सहज और संतुलित है। आपने अपने जीवन में ध्यान साधना को विशेष महत्व दिया। आचार्य श्री पहले जैन संत हैं जिन्होंने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की और सन् 1987 में युवाचार्य पद से अलंकृत हुए। ध्यान साधना को पुनर्जीवित करने का श्रेय आचार्य भगवंत को जाता है। उनकी सादगी, दयालुता, अभिव्यक्ति का सरल तरीका और जन-जन के हित की भावना ने उन्हें समाज में अत्यंत लोकप्रिय बना दिया है। जैन जगत स्वयं को भाग्यशाली मानता है कि उसे ऐसे प्रबुद्ध, संयमी और सरल गुरु मिले हैं, जो अहिंसा के माध्यम से विश्व शांति स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयत्नशील हैं। साध्वी नंदिनी ने कहा कि आचार्य शिव ने उच्च शिक्षा व डिग्रियाँ प्राप्त करने के बावजूद आत्म-ध्यान को ही अपना जीवन-लक्ष्य बनाया। उनके लिए आत्म-ध्यान के समक्ष अन्य सभी साधनाएँ गौण हो गईं। हमें भी आत्म-ध्यान की ओर बढ़ना चाहिए क्योंकि यही स्वाध्याय से जोड़ने वाला मार्ग है। जन्मोत्सव के इस पावन अवसर पर हम उनके चरणों में वंदन-नमन करते हैं और उनके आशीर्वाद की मंगलकामना करते हैं। साध्वी ऋषिता जी ने स्तवन प्रस्तुत कर वातावरण को मंगलमय बना दिया। संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने कहा कि आचार्य शिवमुनि ने ध्यान और स्वाध्याय को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाया और जन-जन को उससे जोड़ने का कार्य किया। सम्पूर्ण जैन समाज आपके साधनामय संयमी जीवन पर गर्व करता है। साध्वी नंदिनी के 60 वे जन्मोत्सव पर भी संघ की ओर से बधाई शुभकामनाएँ प्रेषित की गई। जैन कॉन्फ्रेंस कर्नाटक प्रांत द्वारा आयोजित सामायिक दिवस पर अध्यक्ष प्रकाश बुरड़ के नेतृत्व में लकी ड्रा द्वारा 11 रजत सिक्कों का वितरण किया गया। इस अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस के प्रांतीय पदाधिकारी वरिष्ठ उपाध्यक्ष दिनेश पोखरना, उपाध्यक्ष किशोरकुमार दलाल, गुलाबचंद पगारिया, जसवंत दलाल, महामंत्री नेमीचंद दलाल, महावीरचंद धोका, जंबुकुमार दूगड़, ज्ञानचंद लोढ़ा, राकेश दलाल, महिला शाखा से राष्ट्रीय महिला प्रमुख मार्गदर्शिका आरती बुरड़, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष निर्मला सांखला, संगीता छल्लानी, जीवन प्रकाश योजना की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष रत्नीबाई मेहता, प्रांतीय ज्ञान प्रकाश योजना अध्यक्ष सरला दुग्गड़, महामंत्री अलका लोढ़ा, प्रांतीय उपाध्यक्ष मीना दलाल आदि उपस्थित रहे। युवा शाखा से चेतन गन्ना, दिलीप हिरन, महावीर गुगलिया सहित अनेक पदाधिकारी, सदस्य तथा विभिन्न संघ- संस्थाओं के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। भोजन समिति सदस्य महेंद्रकुमार धोका, अशोक बागरेचा, नथमल कोठारी, सुभाष भंसाली, युवा अध्यक्ष धीरज नाहर, त्रिशला बहु मंडल की टीम व अन्य ने एकासन व्यवस्था में सहयोग प्रदान किया। आभार ज्ञापन संघ अध्यक्ष प्रकाश चानोदिया एवं प्रसन भलगट ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

बेंगलूरु मंडल ने वॉकथॉन का आयोजन किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत, बेंगलूरु मंडल ने शुक्रवार को एमजी रेलवे कॉलोनी, बेंगलूरु में एक वॉकथॉन का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य स्वच्छता के बारे में जागरूकता फैलाना और सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना था। इस वॉकथॉन का नेतृत्व बेंगलूरु मंडल के मंडल रेल प्रबंधक आशुत-ोष कुमार सिंह ने किया। वॉकथॉन की शुरुआत में, आशुतोष कुमार सिंह ने अधिकारियों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और स्वच्छता के लिए समय और प्रयास समर्पित करने की उनकी सामूहिक प्रतिबद्धता की पुष्टि की। अतिरिक्त मंडल रेल प्रबंधक प्रवीण कटारकी ने बेंगलूरु मंडल के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ वॉकथॉन में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विष्णुवर्धन अभिमानी बलेगा द्वारा दिवंगत अभिनेता कर्नाटक रत्न विष्णुवर्धन के 75 वें जन्मदिवस के उपलक्ष में मारथहल्ली में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया गया। बड़ी संख्या में विष्णुवर्धन के प्रशंसकों ने पहुंचकर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने विष्णुवर्धन के चित्र पर पुष्प अर्पित कर कर्नाटक फिल्म जगत में उनके योगदान को याद किया।

कर्नाटक के कई मामलों में वांछित बदमाश गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर पुलिस ने बंटवाल तालुका के पट्टलिके, नरीगाना गाँव निवासी कुख्यात बदमाश नजीम उर्फ नज्जू (30) को गिरफ्तार किया है। वह हत्या, जबरन वसूली, मारपीट और एनडीपीएस से जुड़े कई गंभीर मामलों में वांछित था। आरोपी के खिलाफ कोनाजे, उल्लाल, मेंगलूरु उत्तर, बेगुर (बेंगलूरु शहर) और भटकल पुलिस थानों में कई मामले दर्ज थे।

जमानत मिलने के बाद, वह अदालत में पेश हुए बिना एक साल से अधिक समय से फरार था। उसके खिलाफ वारंट और उद्घोषणाएँ लंबित थीं। इस पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने बेंगलूरु शहर में उसका पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) के मार्गदर्शन में गिरफ्तारी की गई, जिसमें कोनाजे पुलिस स्टेशन के अधिकारी दिनेश, शरीफ और रमेश ने बेंगलूरु शहर से आरोपी को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राज्य सरकार ने धर्म को बांटने का काम शुरू कर दिया : बी.वाई. विजयेंद्र

उन्हें ही इसका फैसला करना चाहिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि राज्य सरकार ने धर्म को बांटने का काम शुरू कर दिया है।

उन्होंने इसे एक त्रासदी बताया है। उन्होंने कहा कि भाजपा के राजनीतिक थिंक टैंक में यह निर्णय लिया गया है कि जनगणना के दौरान किसी भी जाति या समुदाय को धर्म वाले कॉलम में हिंदू के रूप में दर्ज किया जाना चाहिए। यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने बताया कि भाजपा का राजनीतिक थिंक टैंक बेहद सफल रहा है। उन्होंने कहा कि जाति और उपजाति का मुद्दा संबंधित समुदाय पर छोड़ देना चाहिए। उन्हें ही इसका फैसला करना चाहिए। उन्होंने अनुरोध किया कि देश और राज्य के हित में धर्म वाले कॉलम में हिंदू लिखा जाए।

राज्य की कांग्रेस सरकार जाति जनगणना कराने की दिशा में आगे बढ़ रही है। हालाँकि राज्यों के पास जाति जनगणना कराने का अधिकार नहीं है, फिर भी इसने 47 नई जातियों का निर्माण किया है। उन्होंने उन पर ईसाई लिंगायत, ईसाई वोक्कालिगा, ईसाई बुनकर, ईसाई अनुसूचित जाति और जनजाति के रूप में वर्गीकृत करके भ्रम पैदा करने का आरोप लगाया। सिद्धरामैया सरकार के सत्ता में आने के बाद कांताराजू रिपोर्ट पर काफी चर्चा हुई है। हमने इस रिपोर्ट का अवैज्ञानिक बताते हुए विरोध किया था। उन्होंने आपत्ति जताई कि सिद्धरामैया सरकार ने कांताराजू रिपोर्ट को कूड़ेदान में फेंक दिया क्योंकि राहुल गांधी ने ऐसा कहा था।

उन्होंने आलोचना की कि सिद्धरामैया सरकार ने अतीत में यह कहकर भ्रम पैदा किया था कि वीरशैव लिंगायत एक अलग धर्म है और समाज में आग लगा दी थी। इस शिविर में दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। गौरवशाली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने सरलीकृत जीएसटी के माध्यम से एक ऐतिहासिक निर्णय की घोषणा की है। राज्य और देश के लोगों ने इस पर खुशी व्यक्त की है। भारत वैश्विक स्तर पर कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने बताया कि ऐसी स्थिति में जीएसटी सुधार की घोषणा की गई है, और इसके लिए इस शिविर में मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को बधाई दी गई। इस अवसर पर विपक्ष के नेता आर. अशोक, विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी, उपमुख्यमंत्री एवं सांसद गोविंद करजोल, विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी, भाजपा के प्रदेश महासचिव एवं विधायक वी. सुनील कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक भैरती बसवराज, विधायक अरविंद बेल्लाड, पूर्व मंत्री एवं विधायक शशिकला जोले, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक राजू गौड़ा नायक उप-स्थित थे।

अवैध व्यापार अर्थव्यवस्था के लिए खतरा, देश की सुरक्षा के लिए भी संकट: जस्टिस मनमोहन

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)।
सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस मनमोहन ने कहा है कि अवैध और नकली व्यापार देश की अर्थव्यवस्था, रोजगार, उद्योग और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बन चुका है।

उन्होंने चेताया कि यह व्यापार न केवल सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचा रहा है, बल्कि बेरोजगारी, नवाचार की चोरी और आपराधिक गिरोहों के विस्तार को भी बढ़ावा दे रहा है। इसके चलते समाज और सुरक्षा पर गहरे खतरे मंडरा रहे हैं। जस्टिस मनमोहन ने कहा कि अब हमारे पास अवैध व्यापार का अनुमान उपलब्ध है। कुछ आंकड़ों के अनुसार, यह हर साल तीन ट्रिलियन डॉलर का अवैध कारोबार करता है। इसका सीधा असर देश की आमदनी और रोजगार पर पड़ रहा है। लाखों लोगों की नौकरियां खत्म हो रही हैं और उद्योगों की नवाचार क्षमता का दुरुपयोग हो रहा है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अगर कोई बीमार व्यक्ति नकली दवा खाता है, तो उसके ठीक होने की बजाय हालत और बिगड़ सकती है। यह स्थिति सीधे तौर पर लोगों की जान को खतरे में डालती है। नकली और तस्करी किए गए सामान पर सरकार को टैक्स नहीं मिलता और उपभोक्ता को कोई वारंटी या सुरक्षा भी नहीं मिलती। ऐसे में अगर नुकसान होता है तो लोग पूरी तरह असहाय हो जाते हैं। जस्टिस मनमोहन ने कहा कि अवैध व्यापार को रोकने के लिए नागरिक समाज को मिलकर काम करना होगा। भारत में सुरक्षा और मानक तय करने के लिए कई कानून पहले से मौजूद हैं। जैसे कि सुरक्षा अधिनियम, भारतीय दंड संहिता, आईटी एक्ट और भारतीय मानक ब्यूरो अधिनियम। कृषि क्षेत्र से जुड़े कुछ नए कानून भी तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब अधिकांश व्यापार ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के जरिए हो रहा है। ऐसे में नुकसान और भी बढ़ गया है और इसे रोकने के लिए नई रणनीति की जरूरत है।

उन्होंने फिल्म उद्योग का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले उल्लंघन पालिका बाजार में नकली डीवीडी बेचने तक सीमित था, लेकिन अब विदेशी सर्वर और टोरेंट वेबसाइट्स के जरिए यह काम हो रहा है। इससे न केवल फिल्म निर्माता परेशान हैं बल्कि कानूनी आदेश लागू करना भी कठिन हो गया है। जस्टिस मनमोहन ने कहा कि अक्सर अवैध व्यापार से होने वाला मुनाफा आतंकवाद की फंडिंग में इस्तेमाल किया जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ई-कॉमर्स वेबसाइट्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को भी इस लड़ाई में शामिल करना होगा। यह तभी संभव है जब व्यापारी, वकील, कंपनियां, समाज और सरकार सब एकजुट होकर काम करें। यह चर्चा एफआईसीसीआई कैस्केड द्वारा आयोजित 'मूवमेंट अगेंस्ट स्मगल्ड एंड काउंटरफिट ट्रेड' के 11वें संस्करण में हुई। दो दिवसीय इस सम्मेलन में जीएसटी सुधारों पर एक रिपोर्ट जारी की गई। इसमें वर्ल्ड इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी ऑर्गनाइजेशन, यूनाइटेड नेशंस ऑफिस फॉर ड्रग्स एंड क्राइम और यूरोपीय संघ की बौद्धिक संपदा कार्यालय जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं ने भी भाग लिया।

एनडीए बैठक में पहुंचे केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर बीमार

भागलपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)।
केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर की तबीयत गुरुवार रात अचानक बिगड़ गई। जांच में उन्हें वायरल बुखार और टाइफाइड होने की पुष्टि हुई है। इसके अलावा उन्हें लूज मोशन की भी गंभीर शिकायत थी। डॉक्टरों की सलाह पर शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे उन्हें एयर एंबुलेंस से बेहतर इलाज के लिए पटना भेजा गया। मंत्री रामनाथ ठाकुर गुरुवार को भागलपुर के नाथनगर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत जगदीशपुर में आयोजित एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल होने आए थे। रात में ही उनकी तबीयत खराब हो गई। जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के चिकित्सक डॉ. रवि आनंद,

डॉ. आनंद सिन्हा और डॉ. अमरेंद्र सिंह ने सर्किट हाउस में उनका इलाज किया। डॉ. आनंद सिन्हा ने बताया कि मंत्री पहले से ही ब्लड प्रेशर, डायबिटीज और प्रोस्टेट की बीमारी से पीड़ित हैं, लेकिन फिलहाल उनकी स्थिति नियंत्रण में है। शुरुआत में मंत्री ने भागलपुर में ही इलाज कराने की इच्छा जताई थी, लेकिन डॉक्टरों और जिला प्रशासन ने बेहतर सुविधा को देखते हुए उन्हें पटना रेफर करने का निर्णय लिया। भागलपुर के डीएम डॉ. नवल किशोर चौधरी ने एयर एंबुलेंस की व्यवस्था कराई। पटना तक की यात्रा के दौरान चिकित्सक डॉ. अशोक सिंह और डॉ. अमरेंद्र उनके साथ रहे। मंत्री रामनाथ ठाकुर पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर के पुत्र हैं और वर्तमान में जदयू कोटे से केंद्र सरकार में कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री हैं। उनकी तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलने पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में चिंता की लहर दौड़ गई। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन, जदयू नेता कहकशां परवीन और भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष साह सहित कई नेताओं ने उनसे मुलाकात कर उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद हिस्ट्रीशीटर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 19 सितंबर (एजेंसियां)।
दिल्ली पुलिस ने मुठभेड़ में एक कुख्यात अपराधी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान गुड्डू के रूप में हुई है। वह शालीमार बाग बलात्कार मामले में वांछित था।

उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। जानकारी के मुताबिक, 18 सितंबर को पुलिस को गुड्डू के बारे में सूचना मिली थी। जिसके बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने रात लगभग 1 बजे मुनक नहर के किनारे कूड़ा खट्टा, एयू ब्लॉक के पास जाल बिछाया। इस दौरान वहां से एक संदिग्ध शख्स आते हुए देखा गया। मुखबिर द्वारा गुड्डू के रूप में पहचाने जाने पर पुलिस ने उसे आत्मसमर्पण करने को कहा। लेकिन आर-ोपी ने भागने की कोशिश की उसने एक देसी पिस्तौल निकाली और जान से मारने की नीयत से गोली चला दी, जो एक पुलिसकर्मी की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने पहले हवा में गोली चलाई, लेकिन आरोपी नहीं रुका। मुठभेड़ में गोली गुड्डू के दाहिने पैर में लगी, जिससे वह गिर पड़ा। उसका हथियार मौके पर ही बरामद कर लिया गया। घायल आरोपी को तुरंत इलाज के लिए बीजेआरएम अस्पताल ले जाया गया।

प्रशांत किशोर ने सम्राट चौधरी को पढ़ाई में तेजस्वी यादव से भी बताया पीछे

पटना/एजेंसियां।
जनसुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर ने एक और बड़ा खुलासा कर दिया है। उन्होंने बिहार के डिप्टी सीएम की डिग्री पर ही सवाल उठा दिया है। कहा है कि सम्राट चौधरी तो मैट्रिक पास भी नहीं है। फिर उन्होंने कामराज यूनिवर्सिटी से स्नातक और कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी से डी. लिट्. की डिग्री कैसे ले ली? इसका जवाब सम्राट चौधरी को खुद देना चाहिए। प्रशांत किशोर ने कहा सम्राट चौधरी के मैट्रिक फेल होने की बात मैं नहीं बल्कि बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने सुप्रीम कोर्ट में कही है और सम्राट चौधरी ने 2010 में इस बात को स्वीकार किया है। दरअसल, प्रशांत किशोर ने आज पटना में प्रेस वार्ता की। पत्रकारों से बातचीत के दौरान ही उन्होंने यह आरोप लगाए। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर प्रशांत किशोर ने बड़ा आरोप लगया कि सम्राट चौधरी का पहला नाम सम्राट कुमार मौर्य है। 1998 में

कांग्रेस के बड़े नेता सदानंद सिंह की हत्या कर दी गई। इस हत्या का आरोप सम्राट चौधरी पर लगा कि इन्होंने बम मारकर सदानंद सिंह समेत छह लोगों की हत्या कर दी। इसके बाद केस हुआ। सम्राट चौधरी जेल गए। छह महीने बाद नाबालिग होने के नाम पर वह जेल से निकले। जनता को मैं बता रहा हूं कि आपका उपमुख्यमंत्री मर्डर का अभियुक्त है। वह जेल गए हैं। प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि पहली बार मंत्री बनने के बाद सम्राट पर उम्र घोटाला का आरोप लगा। केस भी हुआ। इसके बाद उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ा। हालांकि, यह सब बात पुरानी हो गई है। सम्राट चौधरी भी कई बार कह चुके हैं कि यह बात पुरानी हो गई। सब सेटल हो गया। लेकिन, एक बात सेटल नहीं हुई। उसका खुलासा अब कर रहा हूं। प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि सुप्रीम कोर्ट में सम्राट चौधरी के वकील ने जो दस्तावेज पेश की थी। उसमें बिहार विद्यालय परीक्षा समिति ने बताया कि सम्राट कुमार मौर्य जो मैट्रिक पास होने का दावा कर रहे हैं, उन्हें मात्र 234 नंबर आया है। इसलिए वह परीक्षा फेल हो गए। यह दस्तावेज सुप्रीम कोर्ट में है। इसके बाद 2010 में जब सम्राट चौधरी ने जो हलफनामा दिया, उसमें लिखा कि मैं सातवीं पास हूं। अब जनसुराज का सवाल है कि इस राज्य के डिप्टी सीएम यह बताएं कि वह मैट्रिक कब पास किए? क्योंकि 2010 के बाद उन्होंने मैट्रिक पास दी नहीं है। अब सीधा सवाल यह है कि सम्राट कुमार मौर्य ने मैट्रिक परीक्षा कब पास किया? प्रशांत किशोर ने कहा कि यह आदमी इतने फर्जी हैं कि इन्होंने मैट्रिक की परीक्षा पास ही नहीं की और दावा करते हैं कि मैंने डी. लिट्. पास की है वह भी यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया से। प्रशांत किशोर ने तंज कसते हुए कहा कि सम्राट चौधरी बिहार के नाम बदलू नेता हैं। इनका चाल चरित्र चेहरा अब सामने आ चुका है। अब जनता ही इनका भविष्य तय करेगी।

बिहार कांग्रेस की मीटिंग में रही पप्पू यादव की मौजूदगी

अब दिल्ली में जमावड़ा, सीट शेयरिंग से पहले ऑपरेशन टिकट

पटना, 19 सितंबर (एजेंसियां)।
कांग्रेस की बैठक में पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की मौजूदगी रही। वहीं, बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा है कि महागठबंधन के भीतर सब कुछ सामान्य है और सीट शेयरिंग को लेकर कोई विवाद नहीं है।

उन्होंने दावा किया कि महागठबंधन मजबूती से आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने को तैयार है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का ये बयान ऐसे वक्त आया है, जब गठबंधन के घटक दल सीट बंटवारे पर अंतिम मंथन कर रहे हैं। राजेश राम ने स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक, सीट शेयरिंग, राजद के साथ वार्ता और गठबंधन के सहयोगियों के साथ आगे की रणनीति पर खुलकर बात की। राजेश राम ने राजद के 'अकेले चुनाव लड़ने' के बयानों को खारिज करते हुए कहा कि मीडिया में इस तरह की खबरें आ रही हैं, लेकिन मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि गठबंधन हर दिन के साथ मजबूत हो रहा है।

स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक को लेकर राजेश राम ने कहा कि सीट बंटवारा किस फॉर्मेट में होगा और इंडिया गठबंधन से जो सकारात्मक वार्ता चली है, उस पर चर्चा होगी।

गठबंधन के साथियों के साथ मिलजुलकर आगे कैसे बढ़ना है, इस पर फोकस रहेगा। सीटों की संख्या पर उन्होंने कहा कि सीटों के बारे में कोई गठबंधन नहीं बताएगा। गठबंधन में शामिल सभी को यह अधिकार है कि मिलजुलकर संयुक्त रूप से इस पर चर्चा करें। इंडिया गठबंधन के लोग सभी मुद्दों पर बात करते हैं। एकजुट होकर एक साथ निर्णय ले रहे हैं। हम कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहे हैं।

कांग्रेस नेता शकील अहमद खान ने राहुल गांधी के 'लोकतंत्र बचाओ' वाले बयान पर कहा कि अगर कोई युवा भुखमरी, बेरोजगारी या पलायन जैसी समस्याओं का सामना कर रहा है तो राहुल गांधी ने इसकी हकीकत सामने रखी है। उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ी के लिए आज की पीढ़ी को कुछ करना होगा।

इसके लिए वर्तमान सरकार को लोकतांत्रिक तरीके से हराना होगा। तेजस्वी यादव की यात्रा में कांग्रेस नेताओं के नहीं दिखने पर उन्होंने कहा कि यात्रा में कहीं कोई दिक्कत नहीं है। बहुत सारे जिले छूट गए थे। इसमें कहीं कोई कठिनाई नहीं है। भाजपा की ख्वाहिश है कि कहीं कोई खटपट हो जाए लेकिन ऐसा नहीं होगा। वह चाहे जो कर लें।

बिहार स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक पर कांग्रेस नेता ने कहा कि ये एक औपचारिक और गंभीर बैठक है। इसमें कई तथ्य रखे जाएंगे कि कौन कहां से लड़ेगा और क्या विकल्प हो सकते हैं। फील्ड में काम करने वाले सचिव और पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट भी स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष के सामने प्रस्तुत होगी। इन्हीं तथ्यों के आधार पर कुछ सिद्धांत तय किए जाएंगे।

बैठक का उद्देश्य आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति तय करना और संभावित उम्मीदवारों के नामों पर विचार करना था। इस बैठक में स्वतंत्र सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव की उपस्थिति ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी। लंबे समय से कांग्रेस से जुड़ाव रखने वाले पप्पू यादव अक्सर पार्टी में उपेक्षा की शिकायत करते आए हैं, लेकिन इस बार उन्हें वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठाकर अहम भूमिका दी गई, जिससे संकेत मिल रहा है कि कांग्रेस उन्हें राज्य की रणनीति में बड़ी भूमिका देने जा रही है।

बैठक में बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, राज्यसभा सांसद अखिलेश सिंह, बिहार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम, कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। साथ ही पार्टी के सांसद, विधायक, विधान पार्षद, प्रदेश सचिव और फ्रंटल संगठनों के प्रमुख भी शामिल हुए। कुल 39 सदस्यीय राज्य चुनाव समिति ने उम्मीदवारों की स्क्रीनिंग प्रक्रिया और चुनावी रोडमैप पर विस्तार से चर्चा की।

पूर्णिया में बवाल, मूर्ति तोड़फोड़ के बाद जमकर हुआ हंगामा, 12 लोग गिरफ्तार

पूर्णिया, 19 सितंबर (एजेंसियां)।
पूर्णिया जिले के बैसा प्रखंड के मजगामा गांव में एक निर्माणाधीन मूर्ति में तोड़फफोड़ मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में एक मूर्ति को खंडित करने वाला और 11 उपद्रव करने वाले शामिल हैं। फिलहाल गांव में धारा 144 लागू कर दी गई है और भारी पुलिस बल तैनात है। पूर्णिया डीएम अंशुल कुमार और एसपी स्वीटी सहरावत मौके पर कैंप कर स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। वहीं क्षतिग्रस्त मूर्ति को हटाकर नई मूर्ति स्थापित करने का कार्य किया जा रहा है।

घटना के दौरान उपद्रव और बवाल भी हुआ। भीड़ ने एक युवक को पकड़कर पिटाई कर दी, जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बचाया और हिरासत में लिया। इसी बीच पुलिस और ग्रामीणों के बीच झड़प भी हुई। डीआईजी प्रमोद कुमार मंडल के अनुसार, स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए पुलिस को चार राउंड फायरिंग करनी पड़ी। इस दौरान ओम प्रकाश नाम का एक युवक घायल हुआ है, जिसका इलाज जीएमसीएच पूर्णिया में चल रहा है।

हंगामे के दौरान उपद्रवियों ने तोड़फफोड़ और आगजनी भी की, जिसमें एक दुकान को नुकसान पहुंचा। सूचना मिलते ही डीआईजी, डीएम, एसपी और कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद हालात को काबू में किया। वर्तमान में गांव में स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन एहतियात के तौर पर पुलिस कैंप कर रही है।

दरभंगा में डायरिया का कहर! दो लोगों की हुई मौत, 100 से ज्यादा लोग हुए बीमार

दरभंगा , 19 सितंबर (एजेंसियां)।
दरभंगा जिले के सदर प्रखंड के सारामोहम्मद पंचायत के वार्ड नंबर-5 में डायरिया जैसी बीमारी फैलने से हड़कंप मच गया है। पिछले तीन दिनों से उल्टी-दस्त की शिकायत के बाद शुक्रवार तक बीमारों की संख्या बढ़कर 100 से अधिक हो गई। इस बीमारी से दो लोगों दीपलाल यादव और लक्ष्मी देवी की मौत भी हो गई है।

बीमारी की जानकारी मिलते ही स्वास्थ्य विभाग हरकत में आया और गांव में सामूहिक स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। सिविल सर्जन अरुण कुमार ने बताया कि गांव में डायरिया फैल गया है। बीमार मरीजों के इलाज के लिए डॉक्टर और नर्सों की टीम तैनात की गई है और मुफ्त दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं। उन्होंने पुष्टि की कि अब तक 75 लोग इलाजरत हैं, जबकि दो लोगों की मौत हो चुकी है। इधर, बड़ी संख्या में लोगों के बीमार होने और मौत की खबर के बाद ग्रामीणों में दहशत फैल गई है।

कई परिवार बीमारी से बचने के लिए गांव छोड़कर पलायन भी कर रहे हैं।

सदर प्रखंड प्रमुख उदय कुमार सहनी ने कहा कि जैसे ही मामले की सूचना मिली, वे बीडीओ के साथ गांव पहुंचे और इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित कराई। स्वास्थ्य विभाग की टीम लगातार कैंप लगाकर मरीजों का उपचार कर रही है।

मृतक लक्ष्मी देवी के पति विकास साह ने बताया कि गांव में इस तरह की बीमारी पहले बच्चों में पाई गई, बाद में धीरे-धीरे महिलाओं और पुरुषों में भी फैल गई। बीती शाम मेरी पत्नी लक्ष्मी देवी को भी उलटी और दस्त होने लगी। मैंने उसे डीएमसीएच में इलाज के लिए भर्ती कराया, लेकिन आज दिन में इलाज के दौरान मेरी पत्नी का निधन हो गया। मौत के बाद इलाके में शोक की लहर दौड़ गई है।

वहीं, ग्रामीण संगीता देवी ने बताया कि उनके घर में भी तीन लोगों को उलटी और दस्त की शिकायत है। सभी को इलाज के लिए डीएमसीएच में भर्ती कराया गया है। वहीं संजीव कुमार पासवान ने बताया कि ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। लोग डरे-सहमे हुए हैं और कुछ लोग जान बचाने के लिए गांव छोड़कर अपने संबंधियों के पास चले गए हैं।

दुबई में छिपा है संभल हिंसा का मास्टरमाइंड

शारिक साटा के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी

संभल, 19 सितंबर (एजेंसियां)। संभल हिंसा का मास्टरमाइंड और अंतरराष्ट्रीय ऑटो लिफ्टर शारिक साटा दुबई में छिपा है। उसके खिलाफ 50 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और वह यूपी, दिल्ली व हरियाणा में वांछित है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने लुक आउट नोटिस जारी कर दिया है।

शारिक साटा वर्ष 2020 में फर्जी पासपोर्ट बनवाकर दुबई भाग गया और वहीं छिपा हुआ है। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि 24 नवंबर को संभल में हिंसा के दौरान 28 पुलिसकर्मी और एक एसडीएम घायल हुए थे, जबकि पांच लोगों की मौत हुई थी। इस हिंसा का मास्टरमाइंड शारिक साटा ही है। आरोपी उत्तर प्रदेश के साथ हरियाणा और दिल्ली में भी कई मामलों में वांछित है। पुलिस ने जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुई हिंसा में उसकी भूमिका को प्रमुख मानते हुए

कार्रवाई की है। पुलिस अब तक उसके कई गुर्गों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

इसमें मुल्ला अफरोज, गुलाम मुस्तफा समेत अन्य आरोपी शामिल हैं। पूछताछ में सामने आया है कि शारिक साटा दुबई में बैठकर ही अपने गिरोह के जरिये लग्जरी वाहनों की चोरी और बिक्री कराता है। इतना ही नहीं, वह अपने गुर्गों को हथियार और कारतूस भी मुहैया कराता है। एएसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने कहा कि आरोपी विदेश में छिपा है। इसलिए उसकी गिरफ्तारी के लिए लुक आउट नोटिस जारी किया गया है। इसके बाद इंटरपोल और अन्य एजेंसियों की मदद से आरोपी पर शिकंजा कसा जा सकेगा। शारिक साटा ने हुसैन के नाम से फर्जी पासपोर्ट बनवाया था और इसी पासपोर्ट पर दुबई भागा है। यह पासपोर्ट उसने वर्ष 2020 में दिल्ली के पते पर जारी कराया था। इसके बाद वह दुबई से अपनी गिरोह को ऑपरेट कर रहा है। पुलिस ने बताया कि पूरे देश में शारिक साटा के खिलाफ 54 मुकदमे दर्ज हैं। जिसमें संभल के नखासा थाने में 12 और संभल कोतवाली में एक मामला दर्ज है। बाकी मुदकमे दूसरे जिले व प्रदेश में दर्ज हैं। बताया कि जो मुदकमे दर्ज हैं उसमें डकैती, लूट, चोरी, गैंगस्टर व अन्य संगीन मामलों के शामिल हैं।

वर्ष 2022 में नवादा थाना पुलिस ने शारिक साटा गिरोह के पांच सदस्य गिरफ्तार किए थे। आरोपियों से पूछताछ में बताया गया कि उन्होंने एक वर्ष में 300 से ज्यादा साटा के नंबर बेचकर लाखों रुपये की कमाई की थी। आरोपियों ने यह भी बताया था कि वह फिक्स के अनुसार साटा गेम चलाते थे। फिक्सिंग से नंबर जीतने का लालच मिश्रा ने बुकी के गिरोह तक खात्मा किया। इसके बाद पुलिस ने खिलाफ सख्त कार्रवाई की।

राजा भैया की पत्नी ने पीएम और सीएम को पत्र लिख कर मांगी सुरक्षा

प्रतापगढ़, 19 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व मंत्री और कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की पत्नी भानवी सिंह ने प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर जान माल के सुरक्षा की गुहार लगाई है। उन्होंने पत्र में कहा कि राजा भैया और अक्षय प्रताप सिंह से उन्हें और उनके बच्चों को खतरा है। कई गंभीर आरोप लगाते हुए भानवी ने सीबीआई और फॉरेंसिक जांच की मांग की है। जनसत्ता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया की पत्नी भानवी कुमारी सिंह ने एक बार फिर राजा भैया और एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह उर्फ गोपालजी पर गंभीर आरोप लगाया है। भानवी ने प्रधानमंत्री

मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तो पत्र भेजकर अपनी और बच्चों की सुरक्षा की गुहार लगाई है। इस संबंध में उन्होंने एक ऑडियो भी जारी किया है। उन्होंने कहा कि अक्षय प्रताप सिंह ने उन्हें बोलने के लिए मजबूर कर दिया है।

पीएम और सीएम को भेजे गए पत्र में भानवी कुमारी सिंह ने कहा, वर्षों तक मैंने चुप रहकर अपने परिवार की इज्जत बचाने की कोशिश की। बहुत अन्याय सहा, बहुत उत्पीड़न सहा। पर हाल ही में अक्षय प्रताप ने मीडिया इंटरव्यू में मेरे बारे में झूठ फैलाकर मुझे पागल कहा। यही वह आखिरी चोट थी जिसने मुझे मजबूर कर दिया कि अब सच्चाई सबके सामने रखूं। उन्होंने कहा, मैं इस व्यक्ति की नीचता का कोई जवाब नहीं देना चाहती थी, लेकिन बार बार मीडिया के लोग मुझसे संपर्क कर रहे हैं। अब कुछ बोलना और कहना जरूरी है। मैं केवल जांच एजेंसियों से निष्पक्ष जांच चाहती हूं। सबूत मैंने दिए हैं जो अपने आप प्रमाण देते हैं। नई अपराध न्याय संहिता में वैज्ञानिक तरीकों से जांच की व्यवस्था मोदी और अमित शाह ने कर दी है। फोरेंसिक जांच करा लीजिए। पंद्रह दिन में रिपोर्ट आ जाएगी। बस योगी और उनकी पुलिस को निष्पक्षता से जांच कराना है। सच शीशे की तरह साफ़ तरीके से सामने आ जाएगा।

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा

राहुल गांधी अवसाद के शिकार दिमाग में सिर्फ विनाश

पीलीभीत, 19 सितंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शुक्रवार को पीलीभीत में जिले के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर खूब निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अवसाद के शिकार हैं। वे कभी एटम बम तो कभी हाइड्रोजन बम फोड़ने की बात करते हैं। सिर्फ विनाश की बात करते हैं। भाजपा विकास की बात करती है। उन्होंने अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव को अहंकारी बताया। मौर्य ने जिले के विकास कार्य भी गिनाए।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस आतंकवाद,

अलगाववाद और भ्रष्टाचार की जननी है।

जनता ने इन्हें सत्ता से बाहर कर दिया। सत्ता जाने के बाद से यह बिन पानी मछली की तरह तड़प रहे हैं। आगामी 2047 तक राहुल गांधी और अखिलेश यादव की सत्ता में नो-इंट्री है।

वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाना। आत्मनिर्भर और सामरिक शक्ति वाला भारत बनाना राहुल गांधी, अखिलेश यादव और उनके इंडी गठबंधन के बूते की बात नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 11 वर्ष में हम 11वें नंबर की अर्थव्यवस्था से चौथे नंबर की बनने जा रहे हैं। कांग्रेस के वोट चोरी अभियान के बारे में कहा कि उनके अभियान को जनता का समर्थन नहीं मिल रहा है। जनता भाजपा के साथ है। कांग्रेस सिर्फ मुंगेरीलाल का सपना ही देख सकती है।

सीएम योगी ने लिया तैयारियों का जायजा

पीएम मोदी करेंगे यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा, 19 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट पहुंचे। यहां आगामी यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 तृतीय संस्करण की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों के अधिकारियों संग एक घंटे तक समीक्षा बैठक की और व्यवस्थाओं को बीते साल से बेहतर करने के निर्देश दिए।

सीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आयोजन स्थल पर सभी व्यवस्थाएं बेहतर हों ताकि देश-विदेश से आने वाले अतिथियों और उद्यमियों को किसी तरह की असुविधा न हो। तीसरे संस्करण का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इस मौके पर कई देशों के राजनयिक भी मौजूद रहेंगे। इस बार आयोजन में रूस को कंट्री पार्टनर

बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से स्टॉल लगाने, ट्रैफिक प्रबंधन, सुरक्षा व्यवस्था और पार्किंग जैसी तैयारियों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि इस आयोजन को पिछले साल से अधिक भव्य और सफल बनाया जाए। सीएम राजकीय विमान से हिंडन एयरपोर्ट पहुंचे और वहां से हेलीकॉप्टर के जरिए ग्रेटर नोएडा आए।

औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने बताया कि यह ट्रेड शो गांवों और कस्बों के हुनरमंद कारीगरों को वैश्विक बाजार से जोड़ने का सशक्त माध्यम है। पिछले दो संस्करणों की सफलता ने साबित कर दिया है कि उत्तर प्रदेश के उद्यमी और उत्पाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहे हैं। पिछली बार के ट्रेड शो से व्यापारियों को 2027 तक के ऑर्डर मिले थे। इस बार उससे भी अधिक कारोबार और अवसर मिलने की संभावना है।

ट्रेड शो के तीसरे संस्करण से एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) के उद्यमियों को भी इस आयोजन में दुनिया के सामने अपने हुनर को दिखाने का मौका मिलेगा। यह प्लेटफार्म न सिर्फ व्यापार बढ़ाने में मदद करता है बल्कि उत्तर प्रदेश के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाता है। यह आयोजन उत्तर प्रदेश को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में एक अहम कदम साबित होगा। पिछले वर्षों की सफलता को देखते हुए सरकार को भरोसा है कि इस बार का आयोजन और भी बड़ा होगा। एक्सपोर्ट के मोर्चे पर भी उत्तर प्रदेश ने बड़ी छलांग लगाई है। यह आयोजन हमारी अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो न सिर्फ व्यापार का मंच है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की आर्थिक, सांस्कृतिक और औद्योगिक ताकत को दुनिया के सामने पेश करने का अवसर भी है। ग्रामीण शिल्प से लेकर आधुनिक उद्योग तक, यहां सबको अपनी प्रतिभा और उत्पादों को प्रदर्शित करने का सुनहरा अवसर मिलेगा।

वहीं सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान ने बताया कि उत्तर प्रदेश में करीब 96 लाख एमएसएमई इकाइयां कार्यरत हैं। यह ट्रेड शो उन उद्यमियों को एक ही छत के नीचे लाने का मंच है। पिछले साल इस आयोजन के दौरान लगभग 22 करोड़ रुपए का व्यापार हुआ था। बैठक में सांसद महेश शर्मा, राज्यसभा सांसद सुरेंद्र नागर, जेवर विधायक, पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह, डीएम मेधा रूपम मौजूद थीं।

एएमयू में गीता, उपनिषद पढ़ रहे हैं मुस्लिम छात्र

अलीगढ़, 19 सितंबर (एजेंसियां)। भाषाओं को किसी मजहब के बंधन में नहीं बांधा जा सकता है। कोई भी और कहीं भी भाषाएं पढ़-लिख सकता है। ऐसा ही अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के संस्कृत विभाग में भी है। यहां मुस्लिम विद्यार्थी गीता, वेद, उपनिषद पढ़ रहे हैं। 13 में से सात मुस्लिम एमए जबकि 20 में 10 मुस्लिम शोधार्थी वेद, उपनिषद पर शोध कर रहे हैं। जयपुर की नगमा शाहिद आदि शंकराचार्य पर शोध कर रही हैं। वैदिक और इस्लाम में धर्म, सामाजिक, संस्कृति पर तुलनात्मक अध्ययन को लेकर मोहम्मद साकिब शोध कर रहे हैं।

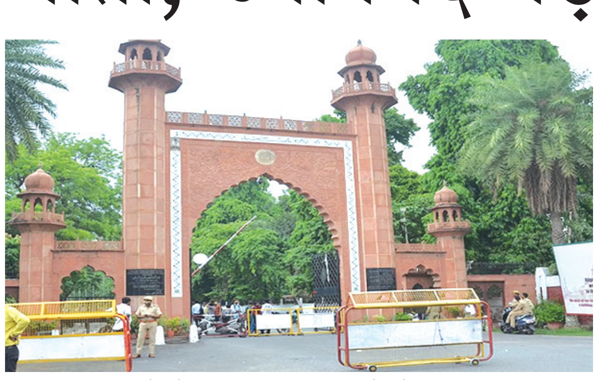

18 सितंबर को दोपहर 1:40 बजे यूनिवर्सिटी के 148 साल पुराने संस्कृत विभाग के चेयरमैन कक्ष में एमए की कक्षाएं चल रही थीं। प्रो. सारिका वार्ष्णेय पढ़ा रही थीं। कक्ष में 10 विद्यार्थी थे। इनमें पांच मुस्लिम थे, जो वेद की पढ़ाई कर रहे थे। दोपहर दो बजे लाइब्रेरी में शोधार्थी नोट्स बना रहे थे। विभाग अब तक 140 से अधिक पीएचडी और 35 एमफिल की डिग्री दे चुका है। विभाग में साहित्य, वेद, दर्शन, कर्मकांड, श्रीमद्भागवत, महाभारत, रामायण, उपनिषद, आधुनिक संस्कृत की पढ़ाई होती है। शोधार्थी नगमा शाहिद ने कहा, मुझे संस्कृत पढ़ना अच्छा लगता है। आदि शंकराचार्य पर शोध कर रही हूं। मुझे संस्कृत में ही करिअर बनाना है। एमए की छात्रा सानिया जावेद ने कहा, कर्मकांड, श्रीमद्भागवत, रामायण, उपनिषद पढ़ने में कोई दिक्कत नहीं है।

यह भी अन्य भाषा की तरह एक भाषा है। फजले अहमद ने कहा, पहले प्रयास में संस्कृत में जेएआरएफ नेट में सफल रहा हूं। हर भाषा पढ़नी चाहिए, क्योंकि इससे ज्ञानवर्धन होता है। शोधार्थी विशाखा ने कहा, संस्कृत में भी भविष्य है। इसलिए संस्कृत की पढ़ाई कर रहे हैं। संस्कृत भाषा भी रोजगार के द्वार खोल रही है।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में संस्कृत विभाग की अध्यक्ष प्रो. सारिका वार्ष्णेय ने कहा, जो पढ़ रहे हैं, सभी मेरे लिए विद्यार्थी हैं। इन विद्यार्थियों को गुणात्मक शिक्षा मिले इस पर मेरा पूरा फोकस है। बीए, एमए, पीएचडी में 50 फीसदी मुस्लिम विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। विभाग की प्रोफेसर डॉ. हेमबाला ने बताया कि इस साल संस्कृत विभाग में भारतीय ज्ञान प्रणाली के प्रकाश में संस्कृत ग्रंथ, भारतीय ज्ञान प्रणाली में विधि और न्याय का सिद्धांत, कौटिल्य अर्थशास्त्र का सिद्धांत, महान महाकाव्य, योग व तनाव प्रबंधन, गीता व तनाव प्रबंधन, गीता में जीवन शैली का प्रबंधन, चाणक्य सूत्र में सामाजिक व राजनीतिक सिद्धांत कोर्स शुरू हुए हैं।

विराट युवा सम्मेलन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा

राम मंदिर बना, देश की अर्थव्यवस्था मजबूत हुई

मथुरा, 19 सितंबर (एजेंसियां)। सीएम योगी पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव मेला में प्रतिभाग करने पहुंचे। उन्होंने विराट युवा सम्मेलन को संबोधित किया। सीएम योगी ने कहा कि आज का युवा नौकरी देना वाला बन रहा है। भारत एक नई अर्थव्यवस्था के साथ उभर रहा है। पीएम मोदी ने कश्मीर को स्वर्ग बनाने का काम किया है। लोग कहते थे कि राम मंदिर कभी नहीं बनेगा, लेकिन डबल

इंजन की सरकार ने यह कर दिखाया।

सीएम योगी ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का स्वदेशी मॉडल अपनाने का सपना था। यह भी सपना पीएम मोदी ने साकार किया। विदेशी हुकूमतों ने देश की अर्थव्यवस्था की जड़ों को खोखला कर दिया था। लेकिन पीएम मोदी के आने बाद देश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी है। पंडित दीनदयाल धाम में दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर आयोजित होने वाले स्मृति महोत्सव मेला का बृहस्पतिवार को श्रीगणेश हो गया है। मुख्यमंत्री योगी भी इस आयोजन में शामिल हुए।

फिर अटक गई सपा नेता आजम खां की रिहाई

सीतापुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)। सीतापुर जेल में बंद सपा नेता आजम खां की रिहाई फिर अटक गई है। उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद भी वे रिहा नहीं हो पाए। शुक्रवार को उनकी रिहाई के कयास लगाए जाते रहे लेकिन आखिरी वक्त पर उनकी रिहाई अटक गई।

बताते चलें कि रामपुर के चर्चित क्वालिटी बार पर कब्जा करने के मामले में आजम खां की जमानत अर्जी गुरुवार को मंजूर कर ली गई थी। यह मुकदमा 2021 में राजस्व निरीक्षक की तरफ से दर्ज कराया गया था। इसके बाद रामपुर में

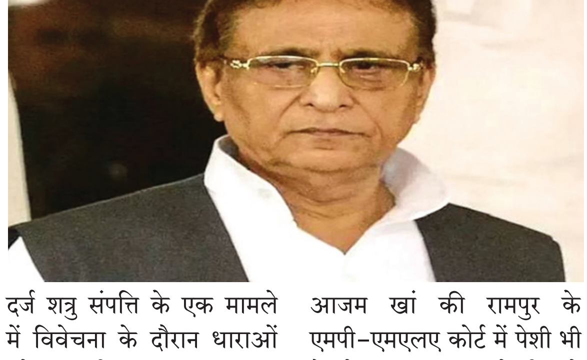

दर्ज शत्रु संपत्ति के एक मामले में विवेचना के दौरान धाराओं को बढ़ा दिया गया। अब इस मामले में आजम खा को अपनी जमानत करानी पड़ेगी। ऐसे में उनकी रिहाई फिर से अटक गई है।

मामले में 20 सितंबर को आजम खां की रामपुर के एमपी-एमएलए कोर्ट में पेशी भी है। जेल अधीक्षक एसके सिंह ने बताया कि कोर्ट से रिहाई से संबंधित कोई कागजात नहीं आए हैं। मुझे आजम खां की बढ़ी हुई धाराओं के बारे में भी कोई जानकारी नहीं है।

केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा

कांग्रेस ने संविधान के साथ खिलवाड़ किया

प्रयागराज, 19 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि संविधान बचाने की बात करने वाली कांग्रेस ने अपने शासनकाल के दौरान संविधान को तोड़ने मरोड़ने और नष्ट करने का कार्य किया है। राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं को बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं। इस तरह का कृत्य वह 2019 में कर चुके हैं।

जिसका जवाब जनता ने उन्हें दिया था। फिर जनता उनको जवाब देगी। मेघवाल शुक्रवार को आर्य कन्या डिग्री कॉलेज के स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि हिस्सा लेने के

लिए पहुंचे थे। कार्यक्रम के बाद वह पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत कर रहे थे।

केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए संविधान में संशोधन किया। उन्होंने संविधान का दुरुपयोग किया। पीएम मोदी ने अपने अब तक के कार्यकाल में अगर संविधान में कोई संशोधन किया है तो वह जनता के हित के लिए किया है अपने स्वार्थ के लिए नहीं किया है। कहा कि भारत का संसद भवन आत्मनिर्भर भारत और महिला सशक्तिकरण का प्रतीक है।

मौर्य ने कहा, महिलाओं को संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का कार्य मोदी सरकार ने किया है। नए संसद भवन में नारी शक्ति वंदन अधिनियम लोकसभा में पारित कराकर नारी सशक्तिकरण का संदेश दिया गया है।

इसके पूर्व कॉलेज की छात्राओं को संबोधित करते हुए मेघवाल ने गीत के माध्यम से हार और जीत को परिभाषित किया। कहा कि जीतने के लिए हारना भी महत्वपूर्ण है। अपनी हार से भी सीखने की जरूरत है। तभी जीत मिलती है।

संपादकीय

कुपोषण है, तो स्वस्थ कौन?

शुभकामनाओं और बधाइयों का सैलाब उमड़ आया था। देश के प्रधानमंत्री मोदी का जन्मदिन था। यह भी खुशगवार लगा कि उन्होंने जिंदगी के 75 बसंत जी लिए हैं। बेशक वह अपने कालखंड के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने भारतीय राजनीति की दिशा और दशा बदल दी है। प्रधानमंत्री मोदी एक वैश्विक किरदार में भी हैं। जिन्होंने इस खास मौके पर प्रधानमंत्री का महिमामंडन किया, गरीब बचपन से लेकर देश के सर्वोच्च नेता तक के सफर की कहानियां सुनाईं, यह उनकी मजबूरी और प्रतिबद्धता हो सकती है! बेशक प्रधानमंत्री मोदी ने सरकार के परंपरागत खांचे को तोड़ कर कई अभूतपूर्व फैसले किए। नए प्रतिमान गढ़े। प्रत्येक प्रधानमंत्री के हिस्से ऐसे फैसले और काम आते रहे हैं, लिहाजा उन्हें कुछ मायनों में 'दूरदर्शी' भी माना जाता रहा है। यह दीगर है कि कोई उनकी व्याख्या किस तरह करता है। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने अपने जन्मदिन का यह नारा तय किया था-'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार।' इस आशय के सरकारी विज्ञापन भी मीडिया में छपवाए गए। प्रधानमंत्री ने आह्वान किया कि माताओं, बहनों, बेटियों के स्वास्थ्य की सम्यक जांच कराई जाए। ऐसे लाखों मेगा स्वास्थ्य शिविर देश भर में 2 अक्तूबर तक चलाए जा रहे हैं। जांच, दवाएं और इलाज सब कुछ निशुल्क होंगे। प्रधानमंत्री ने महिलाओं को सरकारी तिजोरी से बढ़ कर माना है। बेशक पहल और मंशा अच्छी और सामुदायिक है, लेकिन राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के कुछ निष्कर्ष हमें चिंतित करते हैं, प्रधानमंत्री मोदी को भी चुभेंगे, यदि उनके सामने ये आंकड़े पेश किए जाएंगे। कुपोषण आज भी सामाजिक, आर्थिक, वर्गीय और भयावह समस्या है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के मुताबिक, देश में 15-49 आयु-वर्ग की 57 फीसदी महिलाओं में एनीमिया (खून या हीमोग्लोबिन की कमी) पाया जाता है। 5 साल से कम उम्र के करीब 36 फीसदी बच्चे बौने हैं, 32 फीसदी से ज्यादा बच्चे कम वजन के और 19.3 फीसदी बच्चे शारीरिक-मानसिक रूप से कमजोर हैं। करीब 74 फीसदी आबादी में स्वस्थ, पोषक आहार प्राप्त करने का सामर्थ्य ही नहीं है। उच्च गरीबी दर वाले इलाकों में कुपोषण की दर अधिक पाई गई है। भारत सरकार ने लक्ष्य तय किया था कि 2022 तक देश को कुपोषण-मुक्त बना दिया जाएगा। ऐसा नहीं हो पाया। यदि नारी और बच्चे ही कुपोषित हैं, तो उनके परिवार, समाज, देश स्वस्थ कैसे हो सकते हैं? देश का विकास सर्वांगीण कैसे हो सकता है? हमारा मानना है कि प्रधानमंत्री मोदी को इन स्थितियों की जानकारी होगी! प्रधानमंत्री ने अपने जन्मदिन पर ही राष्ट्रीय पोषण मिशन के अगले चरण का शुभारंभ किया है। इसके अलावा, एकीकृत बाल विकास योजना सरीखे कई कार्यक्रम भारत सरकार चला रही है। सवाल है कि कुपोषण रूपी कैंसर कम क्यों नहीं हो पा रहा है? इसके अलावा दिल्ली, हरियाणा, बिहार के लिंगानुपात के आंकड़े खतरे की घंटी बजा रहे हैं। दिल्ली देश की राजधानी है, वहां पिछले साल की जन्म और मृत्यु की सालाना रपट स्पष्ट कर रही है कि जन्म के समय लिंग अनुपात घट रहा है। यह रुझान लगातार चार सालों से सामने आ रहा है। दिल्ली में 2024 में 1000 पुरुषों के पीछे 920 महिलाएं थीं, जबकि यह आंकड़ा 2021 में 932, 2022 में 929 और 2023 में 922 था। बीते साल पड़ोसी राज्य हरियाणा में भी जन्म के समय महिलाओं की संख्या 910 तक लुढ़क गई। यह आठ सालों में सबसे कम लिंग अनुपात है। बिहार में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। लिंग अनुपात एक संवेदनशील चुनावी मुद्दा होना चाहिए था, लेकिन अभी तक किसी भी राजनीतिक दल के प्रचार में इसकी गूंज तक नहीं है। जून में जो डाटा जारी किया गया, वह घोर चिंतित करने वाला है। बिहार में जन्म के समय कन्याओं की संख्या 891 तक गिर गई है, जबकि पहले 964 और 908 के आंकड़े दर्ज किए जा चुके हैं। गौरतलब यह है कि 2011 की जनगणना के दौरान लिंग अनुपात बढ़ता हुआ सामने आया था। तालियां बजाई गईं कि सरकार के प्रयास सफल हो रहे हैं। प्रधानमंत्री बनने के बाद नरेंद्र मोदी ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का उद्घोष दिया था। मकसद था कि कन्या भ्रूण हत्या पर प्रतिबंध लगे। अब लोग औसतन एक ही बच्चा पैदा कर रहे हैं। जाहिर है कि लैंगिक अनुपात में असंतुलन होगा। प्रधानमंत्री नए सिरे से इस समस्या पर ध्यान दें, तो उनका स्वास्थ्य लक्ष्य ज्यादा सार्थक रहेगा।

> प्रधानमंत्री मोदी ने सरकार के परंपरागत खांचे को तोड़ कर कई अभूतपूर्व फैसले किए। नए प्रतिमान गढ़े। प्रत्येक प्रधानमंत्री के हिस्से ऐसे फैसले और काम आते रहे हैं, लिहाजा उन्हें कुछ मायनों में 'दूरदर्शी' भी माना जाता रहा है। यह दीगर है कि कोई उनकी व्याख्या किस तरह करता है। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने अपने जन्मदिन का यह नारा तय किया था-'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार।' इस आशय के सरकारी विज्ञापन भी मीडिया में छपवाए गए। प्रधानमंत्री ने आह्वान किया कि माताओं, बहनों, बेटियों के स्वास्थ्य की सम्यक जांच कराई जाए। ऐसे लाखों मेगा स्वास्थ्य शिविर देश भर में 2 अक्तूबर तक चलाए जा रहे हैं। जांच, दवाएं और इलाज सब कुछ निशुल्क होंगे। प्रधानमंत्री ने महिलाओं को सरकारी तिजोरी से बढ़ कर माना है। बेशक पहल और मंशा अच्छी और सामुदायिक है, लेकिन राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के कुछ निष्कर्ष हमें चिंतित करते हैं, प्रधानमंत्री मोदी को भी चुभेंगे, यदि उनके सामने ये आंकड़े पेश किए जाएंगे। कुपोषण आज भी सामाजिक, आर्थिक, वर्गीय और भयावह समस्या है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के मुताबिक, देश में 15-49 आयु-वर्ग की 57 फीसदी महिलाओं में एनीमिया (खून या हीमोग्लोबिन की कमी) पाया जाता है।

घाटी में रहने वाले लोग मैदानी क्षेत्र के निवासी कहलाते हैं और पर्वतीय श्रृंखलाओं पर रहने वाले लोग पहाड़ी कहलाते हैं

मणिपुर की उलझन व पीएम का आगमन

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> मणिपुर की घाटी में रहने वाले मैतेयी समुदाय और मणिपुर की दक्षिणी पहाडिय़ों में रहने वाले लगभग तीस-चालीस पहाड़ी समुदायों के लोगों में विवाद चल रहा है। पहाड़ी समुदायों के लोगों ने मैदानी मैतेयी समाज के लोगों का पहाड़ में प्रवेश बंद कर रखा है और मैदान का मैतेयी समाज पहाड़ी समुदायों को घाटी में घुसने नहीं दे रहा। इसको लेकर बहुत खून-खराबा भी हुआ। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर गए थे। उन्होंने वहां दो जनसभाओं को संबोधित किया था। मैदानी इलाके की सभा इंफाल में हुई और पहाड़ी इलाके की सभा चुराचांदपुर जिला हैडक्वार्टर में हुई।

मणिपुर पिछले कुछ समय से अशांत है। मणिपुर की घाटी में रहने वाले मैतेयी समुदाय और मणिपुर की दक्षिणी पहाडिय़ों में रहने वाले लगभग तीस-चालीस पहाड़ी समुदायों के लोगों में विवाद चल रहा है। पहाड़ी समुदायों के लोगों ने मैदानी मैतेयी समाज के लोगों का पहाड़ में प्रवेश बंद कर रखा है और मैदान का मैतेयी समाज पहाड़ी समुदायों को घाटी में घुसने नहीं दे रहा। इसको लेकर बहुत खून-खराबा भी हुआ। पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मणिपुर गए थे। उन्होंने वहां दो जनसभाओं को संबोधित किया था। मैदानी इलाके की सभा इंफाल में हुई और पहाड़ी इलाके की सभा चुराचांदपुर जिला हैडक्वार्टर में हुई। प्रधानमंत्री ने विकास के अनेक प्रकल्प शुरू करने की घोषणा भी की। स्थानीय जनता में इसके लिए उत्साह भी देखा गया। लेकिन मोदी के इस दौरे को समझने के लिए इस विवाद को समझना जरूरी है। भारत का उत्तरी क्षेत्र हिमालयी क्षेत्र कहलाता है। इस क्षेत्र का भूगोल दो प्रकार का है। घाटियां भी हैं और पर्वतीय श्रृंखलाएं भी हैं। घाटी में रहने वाले लोग मैदानी क्षेत्र के निवासी कहलाते हैं और पर्वतीय श्रृंखलाओं पर रहने वाले लोग पहाड़ी कहलाते हैं। यह विभाजन केवल भारत में ही नहीं है, दुनिया भर में है। लेकिन इस विभाजन का आधार भूगोल है। मैदान और पहाड़ का मनोविज्ञान भी कुछ सीमा तक अलग होता है। इस लिए दूसरा विभाजन मनोवैज्ञानिक होता है। भूगोल का विभाजन दिखाई देता है, लेकिन मनोवैज्ञानिक विभाजन दिखाई तो नहीं देता, पर व्यवहार में अनुभव किया जा सकता है। इसका अर्थ यह नहीं कि दोनों का मनोविज्ञान एक-दूसरे का विरोधी होता है। अलग होना और विरोधी होना दो अलग-अलग अवधारणाएं हैं। हिमालय के इस पूरे उत्तरी क्षेत्र को भूगोल के लिहाज से ही पूर्वोत्तर और पश्चिमोत्तर में बांटा जाता है। पूर्वोत्तर और पश्चिमोत्तर दोनों में ही घाटियां और पहाड़ हैं। इसलिए दोनों क्षेत्रों में मोटे तौर पर मैदानी लोग और पहाड़ी लोग रहते हैं। इस लिहाज से जनसंख्या का विभाजन भी मैदानी और पहाड़ी के आधार पर ही होता है। प्राचीन ग्रंथों में पूर्वोत्तर भारत को किरात प्रदेश के नाम से भी जाना जाता है। मंगोल चेहरे मोहरे के कारण पहाड़ के लोगों को किरात भी कहा जाता था। किरात में उत्तर-पूर्व के सभी पहाड़ी लोग आ जाते हैं, इसी प्रकार पश्चिमोत्तर भारत को सप्त सिन्धु भी कहा जाता है। लेकिन उत्तर-पूर्व भारत में रहने वाले सभी पहाड़ी लोग एक ही बिरादरी के नहीं हैं, जैसे हिमाचल प्रदेश में रहने वाले सभी पहाड़ी एक ही बिरादरी के नहीं हैं। वे किन्नर, भोट, लाहुले, गद्दी, गुज्जर इत्यादि अनेक समुदायों से ताल्लुक रखते हैं। इसी प्रकार पूर्वोत्तर में पहाड़ी लोग सैकड़ों समुदायों में बंटे हुए हैं। उदाहरण के लिए आदी, निशी, नोक्ते, शेरदुकपेन, गारो, खासी, जयन्तिया, त्रिपुरी, जमातिया, देववर्मन, चांग, खादौ, तांखुल, पाएते व गंगते इत्यादि। वैसे यह सूची सैकड़ों तक फैली हुई है। लेकिन एक बात ध्यान में रखनी चाहिए जब मैदान का कोई व्यक्ति पहाड़ में रहने वाले किसी व्यक्ति को पहाडिय़ा कह कर पुकारता है तो वह केवल भूगोल के भाव से नहीं पुकारता, बल्कि उसके मन में पहाड़ के रहने वाले पहाडिय़ों के लिए या तो दया का भाव है या फिर हिकारत का भाव है। यही स्थिति असम के मैदानी इलाके में रहने वाले लोगों के मन में वहां के पहाड़ी लोगों के लिए प्रायः रहती है। मैदानी क्षेत्र और पहाड़ी क्षेत्र में रहने वाले लोगों के बीच की अनेक समस्याओं का कारण भूगोल के अलावा यह भाव ही है। भूगोल के कारण उत्पन्न होने वाली सब से बड़ी समस्या तो व्यावहारिक होती है। इस पृष्ठभूमि के बाद हम अपनी चर्चा केवल मणिपुर तक सीमित रखेंगे। इसलिए मणिपुर के भूगोल को ध्यान में रखते हुए इसे देखना होगा। मान लो यदि मणिपुर के पहाड़ों में रहने वाले दो समुदायों खादौ और खामलेंग में झगड़ा हो गया तो यकीनन खामलेंग, खादौ के पहाड़ में आने और बाहर जाने के रास्ते रोक सकते हैं। यदि मैतेयी और खादौ में झगड़ा हो जाता है तो दोनों एक दूसरे के तमाम रास्ते बंद कर सकते हैं। स्थिति पिंजरे में पड़े कबूतर जैसी हो सकती है। मणिपुर के मैदानी इलाके में रहने वाले लोगों को मैतेयी कहा जाता है। इसके अतिरिक्त कुछ मुसलमान भी मैदानी इलाके में रहते हैं जो कभी बंगाल से आए थे। उन्हें पांगल कहा जाता है। इसके अतिरिक्त मणिपुर के पहाड़ों में रहने वाली लगभग पचपन समुदाय हैं। ये पचपन समुदाय भी भूगोल के हिसाब से दो हिस्सों में बंटे हुए हैं। दक्षिणी पहाडिय़ों में रहने वाले लगभग चालीस समुदाय हैं जिन्हें ब्रिटिश शासकों ने सामूहिक रूप से कुकी कहना शुरू किया, और उत्तरी पहाडिय़ों में रहने वाले लगभग चौदह समुदायों को नागा कहना शुरू कर दिया। पिछले कुछ दशकों से दक्षिणी पहाडिय़ों के समुदायों के लिए सामूहिक आधार पर कुकी नाम प्रचलन में है। जब यह शब्द प्रचलन में आ गया है तो एंथ्रोपोलोजिस्ट इसके लिए उपयुक्त तर्कों की तलाश में लगे रहते हैं। यह शब्द भ्रममूलक है और असम में अंग्रेजों के आने के बाद ही प्रचलन में आया। मणिपुर की दक्षिणी पहाडिय़ों में खादौ समुदाय के लोग रहते हैं। यह समुदाय पहाड़ के लिहाज से बड़ा ही कहा जाएगा। शुरू में इस समुदाय को कुकी कहा जाने लगा। बाद में कुछ और छोटे समुदायों को खादौ के साथ नत्थी कर कुकी शब्द को विस्तार दिया गया। एंथ्रोपोलोजी में माथापच्ची करने वाले कोशिश करते रहते हैं किसी तरह म्यांमार के चिन प्रदेश में रहने वाले समुदायों, मिजोरम के मिजो जिन्हें 'जो' भी कहा जाता है, और मणिपुर के उन समुदायों को जिनकी अपनी पहचान अब धीरे-धीरे उभर रही है, को सम्मिलित रूप में किसी तरह एक ही मूल के स्थापित किया जा सके। इस प्रकार का बहुत सा साहित्य भी यूरोपीय भाषाओं में प्रकाशित होता रहता है। दक्षिणी पहाडिय़ों में जो सबसे बड़ा पहाड़ी समाज रहता है उसे खादौ कहा जाता है। इसी प्रकार उत्तरी पहाडिय़ों में जो सबसे बड़ा पहाड़ी समाज है उसे तांखुल कहा जाता है। ब्रिटिश साम्राज्यवादियों ने मैतेयी, खादौ और तांखुल में विवाद पैदा किए। मणिपुर का वर्तमान विवाद भी इसी अविश्वास में से पैदा हुआ है। सरकार विकास को गति दे सकती है लेकिन अविश्वास की इस भावना को तो प्रदेश के समाजशास्त्रियों को स्वयं दूर करना होगा। इस दिशा में पहल भी हुई है। सबसे बड़े पहाड़ी समुदाय खादौ ने कहा है कि उसे कुकी कहना बंद किया जाए। यह अपमानजनक ही नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति को नष्ट करने का षड्यंत्र है। इस प्रदेश में दोनों समुदायों के विकास से समस्याओं का हल खोजा जा सकता है। एक-दूसरे समुदाय का अस्तित्व स्वीकार करना भी जरूरी है।

देश दुनिया से

न्यायिक ढांचे में विस्तारक विकेन्द्रीयकरण जरूरी

गुजरे 12 सितम्बर को राजस्थान की वकील बिरादरी में तूफानी हलचल थी। राजस्थान हाईकोर्ट की जोधपुर और जयपुर दोनों पीठ, राजधानी जयपुर, और कोचिंग कैपिटल कोटा, झीलों की नगरी उदयपुर के अलावा कई स्थानों पर बार एसोसिएशनों (अधिवक्ताओं के संगठन) ने तल्ख प्रदर्शनों के साथ हड़ताल (न्यायिक कार्य बहिष्कार) रखी। वजह बना केन्द्रीय कानून राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुनराम मेघवाल का सोशल मीडिया पर प्रचारित एक बयान जिसमें वे भारत के मुख्य न्यायाधीश के आगामी दिनों में प्रस्तावित बीकानेर दौरे के दरम्यान बीकानेर में हाईकोर्ट वर्चुअल बैंच स्थापना को लेकर कुछ बड़ा होने के संकेत दे रहे हैं। वकील समुदाय इस मसले पर नाराज है और इसने उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। राजस्थान में हाईकोर्ट की नई बैंचों की स्थापना की मांग दशकों पुरानी है। कोटा, उदयपुर और बीकानेर में इस मसले पर महीनों तक लगातार न्यायिक कार्य बहिष्कार जैसे आंदोलन हो चुके। अब भी वकील समुदाय इस मांग को लगातार माह में एक निश्चित दिन न्यायिक कार्य बहिष्कार करके इस ज्योति पुंज को प्रज्वलित किए हुए हैं। तीनों शहरों में हो रहे उग्र आंदोलन को देखते हुए दो साल पहले अगस्त 2023 में केन्द्रीय मंत्री मेघवाल ने वर्चुअल बैंच की स्थापना की घोषणा की थी लेकिन अब सिर्फ बीकानेर को लेकर दिए बयान से भेदभाव की आशंका के मद्देनजर कोटा-उदयपुर के अधिवक्ता समुदाय में उबाल आ गया। जयपुर-जोधपुर हाईकोर्ट एसोसिएशन्स अपने वकीलों का व्यवसाय प्रभावित होने के चलते ऐसी बैंचों की स्थापना का विरोध कर रहे हैं। आइये, इनसे इतर कुछ गंभीर तथ्यों पर भी नजर डालते हैं। देश में ज्यूडिशियल पैंडेंसी ज्वलंत मुद्दा है। सत्तारूढ़ शीर्ष नेतृत्व समेत तमाम पक्ष-विपक्षी दल इस पर चिंता जताते रहते हैं। नेशनल ज्यूडिशयल डाटा ग्रिड (एनजेडीजी) पर उपलब्ध अद्यतन आंकड़ों के मुताबिक सर्वोच्च न्यायलय में 88 हजार, उच्च न्यायालयों में 62 लाख और निचली अदालतों में 5 करोड़ से अधिक मामले लम्बित हैं। इनमें तकरीबन 50 लाख मामले 10 वर्ष से अधिक वाले हैं। यही नहीं, 31.22 लाख प्रकरण वरिष्ठ नागरिकों की ओर दायर हैं जो लम्बित हैं। सर्वोच्च अदालत में पिछले माह यानी अगस्त में 7 हजार 80 नए मामले आए वहीं 5 हजार 667 का निपटान हुआ।

राजस्थान में 24.64 लाख मुकदमें लम्बित हैं। इनमें से दोनों पीठों को मिलाकर हाईकोर्ट में 6.69 लाख मामले लम्बित हैं। पिछले माह यानी अगस्त में हाईकोर्ट में 19 हजार 456 नए मामले जुड़े और 12 हजार 665 मामले निर्णीत हुए, यानी, यहां भी नए मामले जुडऩे के मुकाबले न्याय निर्णयन दो तिहाई का ही हो पाया है। नए मामलों की तुलना में लगभग 65 प्रतिशत मामले ही औसतन प्रतिमाह निपट रहे हैं, यानी लम्बित न्यायिक प्रकरणों का बोझ प्रतिमाह बड़े प्रतिशत में और बढ़ रहा है। जाहिर तौर पर ये हालात बेहद चिंताजनक हैं और अदालतों एवं बैंचों की संख्या बढ़ाने के विकल्प की उपेक्षा करना न्यायिक ढांचे के प्रति गिरती आस्था की गति तीव्र ही करेगा। अब रही बात कोटा, उदयपुर और बीकानेर में हाईकोर्ट बैंच स्थापना की तो इन शहरों की मांग को खारिज करना बेईमानी और ऐतिहासिक तथ्यों को नजरअंदाज करना ही है। देश आजाद होने से पहले स्टेट काल में जयपुर, जोधपुर, कोटा, उदयपुर, बीकानेर में उच्च न्यायालय थे जिन्हें राजस्थान उच्च न्यायालय अध्यादेश 1949 के जरिये समाप्त किया गया और 29 अगस्त 1949 को जोधपुर में उच्च न्यायालय की स्थापना की गई। प्रारंभ में व्यवहारतः कोटा, उदयपुर, बीकानेर, जयपुर के उच्च न्यायालय कार्य करते रहे लेकिन संविधान लागू होने के बाद 22 मई 1950 को कोटा, बीकानेर और उदयपुर की पीठों को समाप्त कर दिया गया हालांकि जयपुर पीठ ने कार्य जारी रखा। फिर 1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम की धारा 49 के अन्तर्गत जोधपुर में मुख्य पीठ के साथ राजस्थान उच्च न्यायालय के रूप में नया उच्च न्यायालय अस्तित्व में आया। फिर सत्यनारायण राव, वी. विश्वनाथन और वीके गुप्ता समिति की रिपोर्ट पर 1958 में व्यवहारतः कार्यरत जयपुर पीठ को भी समाप्त कर दिया गया। कालान्तर में 1976 में जयपुर में पुनः वर्तमान पीठ की स्थापना हुई। इस तरह, कोटा, उदयपुर और बीकानेर स्टेट काल से उच्च न्यायालय वाले मुख्यालय थे। राजस्थान एकीकरण में तत्कालीन राजनीतिक चुनौती से निपटने में, जोधपुर जैसे बड़े राज्य की संतुष्टि के लिए इनका बलिदान लिया गया। ऐसा बलिदान तब राष्ट्र-राजनीति के लिए बेशक अपरिहार्य और वांछनीय रहा होगा लेकिन अब गंगा में काफी पानी बह चुका। हालात 360 डिग्री बदल चुके हैं। कोटा का मजबूत राजनीतिक स्वर आज राष्ट्र की सर्वोच्च पंचायत की अध्यक्षता कर रहा है तो बीकानेर सांसद देश के कानून मंत्री है। उदयपुर का बड़ा राजनीतिक चेहरा राज्यपाल (पंजाब) जैसे संवैधानिक पद पर आसीन है। जहां तक न्यायिक ढांचे के पुनर्गठन या नए हाईकोर्ट अथवा बैंच स्थापना के कानूनी पहलुओं की बात है तो राज्य सरकार, राज्यपाल और मुख्य न्यायाधीश की सहमति से केन्द्र को प्रस्ताव भेजती है। केन्द्र सरकार के उस पर विचार करने और सकारात्मक निर्णय की दशा में राष्ट्रपति की अधिसूचना से ये अस्तित्व में आते हैं। पिछले ही माह देश के तीसरे बड़े राज्य महाराष्ट्र के कोल्हापुर में बाम्बे हाईकोर्ट की नई बैंच शुरू हुई जबकि वहां मुम्बई, पणजी, औरंगाबाद, और नागपुर में पहले से ही हाईकोर्ट की पीठें संचालित हैं। दूसरे बड़े राज्य मध्यप्रदेश में जबलपुर हाईकोर्ट की इंदौर और ग्वालियार में पीठें कार्यरत हैं। छठे बड़े राज्य कर्नाटक में बैंगलूर के अलावा धारवाड़ और गुलबर्ग में हाईकोर्ट बैंच चल रही हैं। जाहिर है, देश के सबसे बड़े राज्य राजस्थान में नई बैंचों की स्थापना में न संख्या की बाधा है और ना कानूनी प्रावधानों की और ना ही राजनीतिक हालात की। सबसे महत्वपूर्ण कारक भौगोलिक हालात और जनसांख्यिकीय दृष्टिकोण भी राजस्थान में इन नई बैंचों की स्थापना के लिए सुविधा का संतुलन पैदा करता है। कहना न होगा, कोटा, उदयपुर और बीकानेर तीनों स्थानों पर नई हाईकोर्ट बैंच (वचुअल नहीं भौतिक) की जल्द से जल्द स्थापना ही समय की मांग है। यह प्रदेश के न्यायिक ढांचे में बेहतर संतुलनकारी और आमजन के सर्वोच्च हित में है। सनद रहे, न्याय व्यवस्था में डिगती आस्था सुदृढ़ से सुदृढ़ राज्य के लिए भी पतन की नींव रख देती है और, त्वरित न्याय ही असल लोककल्याण का प्रखर-प्रशस्त मार्ग है।

कुछ अलग

चूक की सीख

बात सन् 1948 की है। अहमदाबाद की महात्मा गांधी विज्ञान अन्वेषणशाला में कुछ विद्यार्थी भौतिकी का एक महत्वपूर्ण प्रयोग कर रहे थे। यह प्रयोगशाला हाल ही में देश के प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई द्वारा स्थापित की गई थी। प्रयोग करते समय विद्यार्थियों से एक छोटी-सी चूक हो गई। अधिक मात्रा में विद्युत धारा प्रवाहित हो जाने के कारण एक बहुमूल्य यंत्र जल गया। वह यंत्र भारत में उपलब्ध नहीं था और विदेश से मंगवाया गया था। यह सोचकर विद्यार्थी बेहद घबरा गए और परेशान हो उठे। वे समझ नहीं पा रहे थे कि इस बारे में डॉ. साराभाई को कैसे बताएं। विद्यार्थी आपस में विचार-विमर्श कर ही रहे थे कि तभी उन्हें डॉ. साराभाई के कदमों की आहट सुनाई दी। एक विद्यार्थी ने कहा, 'वे आ रहे हैं, अब उन्हें बता ही देना चाहिए।' लेकिन दूसरा छात्र घबराकर बोला, 'नहीं, तुम ही बताओ, मुझसे नहीं होगा!' डॉ. साराभाई ने विद्यार्थियों को आपस में धीमे-धीमे बातें करते हुए देख लिया। उन्होंने मुस्कराकर पूछा, 'क्या बात है? कोई समस्या है क्या?' तब एक छात्र ने डरते-डरते सारी घटना बता दी। विद्यार्थियों को डर था कि उन्हें डांट पड़ेगी या उन्हें प्रयोग से हटा दिया जाएगा। लेकिन डॉ. साराभाई ने शांत और स्नेहपूर्ण मुस्कान के साथ कहा, 'अरे, बस इतनी-सी बात? परेशान मत हो। वैज्ञानिक अध्ययन और प्रयोगों में ऐसी गलतियां होती रहती हैं। विद्यार्थी तो इन्हीं गलतियों से सीखते हैं। अगली बार प्रयोग से पहले सभी उपकरणों की अच्छी तरह से जांच कर लेना।' डॉ. साराभाई का यह उत्तर सुनकर सभी विद्यार्थी गहरे सम्मान और श्रद्धा से भर उठे।

आप का नजरिया

दफ्तरों से बाहर शिविरों में

आपदा की समीक्षा यूं तो खुद के भीतर दर्द को शांत करना है, फिर भी यह अशांत माहौल की पहरेदारी में हर मौके पर हाजिर होने की गवाही है। पिछले तीन महीनों ने कई दफ्तरों को शिविरों में काम करते देखा, कई अधिकारी जेसीबी के सहारे पानी में उतर गए, तो कई पैदल रास्तों पर दुख के मजमून खोजते रहे। चर्चाओं में मंडी के जिलाधीश अपने कर्म को नापते रहे, तो जनता के निष्पक्ष विवेचन की तालियां उन्हें मिलीं। आपदाग्रस्त प्रदेश ने कई बिखराव, कई समझौते और आंसू पौंछते कई हाथ देखे, तो प्रदेश का आत्मविश्वास जख्मों पर मरहम पट्टी करने लगता है। शिमला की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री निर्देश दे रहे हैं, तो रणनीतिक तौर पर यह प्रदेश खुद को खुद ही दुरुस्त करता है। भरमौर में मणिमहेश की यात्रा में आपदा का आगमन, इस बार हमारी नसों को टटोल गया, लेकिन यह दौर भी निकल गया। एक मुश्किल भौगोलिक परिस्थितियों का सामना करती हिमाचल की वेदना ने सिखाया कि तिनके बटोर कर फिर जिंदगी की छत बनती है और जिस तीव्रता से भरमौर से निकली सडक़ ने राहत का अस्तित्व बना लिया, यह काबिले तारीफ है। कहते हैं ढहते को संवारना आ जाए, तो बार-बार गिरकर बुलंद हो सकते हैं। इस आपदा काल का अनुशीलन अगर पर्वतीय जिद्द का एहसास करे, तो हम एक नए हिमाचल का श्रीगणेश कर सकते हैं। हम बचाव ढूंढने निकले हैं, कसूर ढूंढने नहीं। हम आपदा के जख्मों में पर्यावरण की नमक हलाली छिडक़ेंगे तो तकलीफ का मंजर नहीं सुधरेगा। अगर ऐसा होता तो अब तक पर्यावरण मंत्रालय अपनी गुल्लक खाली कर चुका होता। पहाड़ को ही पर्यावरण संरक्षण करना है, तो इसके घावों का पहला निरीक्षण केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को करना चाहिए था। आश्चर्य यह कि हमारे घावों की अदालत तो सर्वोच्च अदालत से सुनती है, लेकिन हमारे जख्मों की कौन सुनेगा। जख्म ये हैं कि कुछ सालों में पर्यावरण की लाज बचाते हमारे जीने का इंतखाब बीस हजार करोड़ तबाह कर चुका है। इसकी भरपाई के लिए पर्यावरणीय भरपाई कब होगी। बहरहाल अपने जख्मों को देखने की व्यवस्था में प्रदेश की सक्रियता बढ़ रही है, तो प्रशासन को दफ्तरों से बाहर राहत शिविरों में हाजिरी लगानी है। ऐसे में दफ्तर कम, फील्ड ज्यादा फैलानी होगी। कम से कम विभागीय कसौटियों को शिमला के सचिवालय से बाहर भरमौर से सिरमौर और चन्नौर से किन्नौर तक के परिदृश्य को समझना होगा। यह न केवल प्रशासनिक तौर पर जरूरी है कि शिमला का खुमार हटा कर प्रदेश का बुखार समझा जाए। आपदा को समझने के लिए हर गांव-हर शहर, हर खेत-हर बागीचे, हर विभाग-हर निगम, हर नाले-हर खड्ड और नदी के व्यवहार को समझना होगा। अब नई प्रक्रियाओं की प्रणाली शुरू करनी होगी, लेकिन प्रशासन के स्वतंत्र मिजाज के लिए सियासत को भी नया सफर ढूंढना होगा। समग्रता में हिमाचल को न देखने की सजा भी कहीं नत्थी है। कहां ईंट-कहां पत्थर, कहां इमारत-कहां दफ्तर चाहिए, इसकी जिरह राजनीति ही रहेगी, तो हम बस्तियां बनाएंगे-बस्तियां उजाडऩे के लिए। एक बार सरकारी मशीनरी को मशीन की तरह पवित्र ऑयल कीजिए, फिर देखिए परिणाम होता है क्या। आपदा और राहत के बीच राजनीति को अलहदा करके देखेंगे, तो विकास का खोट समझ आएगा और भविष्य का रास्ता भी नजर आएगा। बेचारा अधिकारी तो किसी धूम केतु की तरह आदेशों से गुजर जाएगा, लेकिन शुरुआत के लिए उसके आत्मबल, निष्पक्ष व्यवहार, निर्णायक भूमिका और निरंतरता को जिंदा रखने का समर्थन भी देना होगा।

> आपदाग्रस्त प्रदेश ने कई बिखराव, कई समझौते और आंसू पौंछते कई हाथ देखे, तो प्रदेश का आत्मविश्वास जख्मों पर मरहम पट्टी करने लगता है। शिमला की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री निर्देश दे रहे हैं, तो रणनीतिक तौर पर यह प्रदेश खुद को खुद ही दुरुस्त करता है। भरमौर में मणिमहेश की यात्रा में आपदा का आगमन, इस बार हमारी नसों को टटोल गया, लेकिन यह दौर भी निकल गया। एक मुश्किल भौगोलिक परिस्थितियों का सामना करती हिमाचल की वेदना ने सिखाया कि तिनके बटोर कर फिर जिंदगी की छत बनती है और जिस तीव्रता से भरमौर से निकली सडक़ ने राहत का अस्तित्व बना लिया, यह काबिले तारीफ है। कहते हैं ढहते को संवारना आ जाए, तो बार-बार गिरकर बुलंद हो सकते हैं। इस आपदा काल का अनुशीलन अगर पर्वतीय जिद्द का एहसास करे, तो हम एक नए हिमाचल का श्रीगणेश कर सकते हैं। हम बचाव ढूंढने निकले हैं, कसूर ढूंढने नहीं। हम आपदा के जख्मों में पर्यावरण की नमक हलाली छिडक़ेंगे तो तकलीफ का मंजर नहीं सुधरेगा। अगर ऐसा होता तो अब तक पर्यावरण मंत्रालय अपनी गुल्लक खाली कर चुका होता। पहाड़ को ही पर्यावरण संरक्षण करना है, तो इसके घावों का पहला निरीक्षण केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को करना चाहिए था। आश्चर्य यह कि हमारे घावों की अदालत तो सर्वोच्च अदालत से सुनती है, लेकिन हमारे जख्मों की कौन सुनेगा।

दृष्टि कोण

नेपाल-क्रांति, पहली महिला पीएम के समक्ष बड़ी चुनौतियाँ

नेपाल की ओली सरकार द्वारा अपने देश में सोशल मीडिया पर लगाए प्रतिबंध के फलस्वरूप, 8 सितंबर 2025 को नेपाल के युवाओं मे उपजी क्रोधाग्नि से नेपाल की संसद, सुप्रीम कोर्ट और अन्य अनेक सरकारी कार्यालयों और सरकार के प्रधान मंत्री सहित अन्य मंत्रियों के निजी निवास, व्यापारिक प्रतिष्ठान और अन्य अनेक संस्थान जल उठे। उनकी राह में आने वाली हर वो चीज आग की लपटों मे घिर गयी, फिर वो चाहें संसद मे रक्खे पेपर, दस्तावेज़ हों या फिर फर्नीचर, वाहन या दिखावटी सामान। आंदोलनकारी संसद से टेबल और कुर्सी तक लूट कर ले गये। आंदोलित युवाओं ने इसे जेन-ज़ी (ऐसी नेतृत्वकारी जेनरेशन, जिसका जन्म 1995 और 2010 के बीच हुआ हो) की क्रांति बतलाया। नेपाल की राजधानी काठमांडू सहित नेपाल के अनेक शहरों जैसे पोखरा, विराटनगर, धरान, दमक के आक्रोशित नौजवानों के इस स्वस्फूर्त आंदोलन ने पूरे नेपाल मे अराजकता, अव्यवस्था और अस्तव्यतस्ता की स्थिति उत्पन्न कर दी। ये ऐसे आंदोलनकारी युवा थे जो इंटरनेट के युग मे पले बढ़े थे और जिन्होने सोशल मीडिया से ही अपनी शिक्षा, पहचान, कारोबार और सामाजिक रिश्ते बनाये। आंदोलन के दौरान, हिंसा और आगजनी के शुरुआती दौर मे पुलिस बलों के लाठी और अश्रु गैस के बलप्रयोग से आंदोलन विस्तृत और व्यापक हो उठा। सेना की तैनाती के साथ कर्फ़्यू लगाना पड़ा। प्रदर्शनकारियों के हिंसक विरोध और अनियंत्रित भीड़ के चलते, देखते ही देखते गोली मारने के आदेश दिये गये। इस अप्रिय स्थिति मे 19 लोगों की मौत और तीन सौ से ज्यादा लोगों के घायल होने ने, आग मे घी का काम किया। सूचना मंत्रालय में पंजीकरण न करवाने की बजह से 3 सितम्बर को नेपाल सरकार द्वारा सोशल मीडिया के मंच फ़ेसबुक, इंस्टाग्राम, युट्यूब, एक्स, और व्हाट्सप्प जैसे 26 सोशल मीडिया ऐप्प्स पर प्रतिबंध के चलते युवाओं की पढ़ाई-लिखाई और अन्य सूचना संचार के अभाव मे संवाद हीनता की स्थिति पैदा हो गयी, जिसने

युवाओं को क्रोध, रोष और गुस्से से भर दिया। हॉस्पिटल मे पहुंचे हताहतों को देखकर डॉक्टर्स और अन्य नर्सिंग स्टाफ भी सकते मे आ गये जब उन्होने देखा कि मृत आंदोलनकारी युवाओं के सीने और सिर मे गोलियां लगी हैं। प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली की हठधर्मिता ने, नेपाल के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और अन्य गणमान्य, प्रभावशाली लोगों का सरकार को संयम बरतने के आग्रह को भी अनसुना कर दिया गया। सरकार और नौकरशाही मे व्याप्त भ्रष्टाचार का आलम ये था कि सरकार के मंत्रियों और उनके परिवार जनों तथा रिशतेदारों द्वारा विलासता पूर्ण जीवन शैली की घटनाओं ने, बेरोजगारी, मेहंगाई और कदम कदम पर भ्रष्टाचार से जूझ रहे नेपाल के युवाओं और आम नागरिकों को उद्वेलित और उत्तेजित कर दिया। नेपाल लंबे वक्त से राजनैतिक अस्थिरता, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, भाई-भतीजा वाद जैसे नाजुक हालातों से गुजर रहा है। दुर्भाग्य देखिये कि 2008 मे इन्ही मुद्दों पर नेपाल की राजशाही को हटा कर लोकतान्त्रिक व्यवस्था को स्थापित किया था लेकिन सत्रह साल के लंबे काल खंड के बावजूद स्थितियाँ और परिस्थितियाँ जस के तस रहीं। नेपाल के भोले भाले लोगों की विडंबना पर दृष्टिपात करें तो उनकी आकांक्षा और अभिलाषाए आज भी मृग मरीचिका के समान उन से कोसों दूर प्रतीत होती हैं। वे आज तक राजशाही और लोकशाही के भ्रष्टाचार रूपी दो पाटों के बीच पिस रहे हैं अन्यथा क्या कारण थे कि 17 वर्षों के लोकतान्त्रिक व्यवस्था मे 14 सरकारें नेपाल की जन भावनाओं पर खरी नहीं उतरी।

गाजा में इजरायल ने किया ड्रोन हमला जान बचाने के लिए मच गई भगदड़

गाजा,19 सितंबर (एजेंसियां)।

गाजा सिटी में इजरायल लगातार ड्रोन और मिसाइल हमले कर रहा है। वहीं चारों ओर से इजरायली सेना ने घेर रखा है। गुरुवार को ही इजरायली हमले में कम से कम 40 लोग मारे गए थे। अफरा-तफरी की इस स्थिति में लोगों का जीवन तबाह हो गया है। बहुत सारे लोग अब भी अपने घर छोड़ने को तैयार नहीं हैं। वहीं गाजा की लगभग 35 फीसदी आबादी अब भी उत्तर में रुकी हुई है।

गाजा सिटी में इजरायली हमले की वजह से भगदड़ जैसी स्थिति बन गई है। इजरायल ने गाजा सिटी पर दो तरफ से हमले शुरू किए हैं। इजरायली सेना के मुताबिक टैंक, गोला-बारूद और अन्य हथियार गाजा सिटी की ओर पहुंचाए जा रहे हैं। इसके अलावा एयरफोर्स पहले से ही गाजा सिटी में इमारतों को निशाना बना रही है। इजरायल का कहना है कि गाजा सिटी में हमास का बड़ा अड्डा है और इसे तबाह करके ही छोड़ा जाएगा।

जानकारी के मुताबिक इजरायली सेना गाजा सिटी पर उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व से हमले कर रही है। ऐसे में लोग बीच में फंस गए हैं। उन्हें शहर के पश्चिम में जाने के लिए मजबूर किया जा रहा है। यहीं से अल-राशिद कोस्टल रोड की शुरुआत होती है जो कि दक्षिण तक जाती है। गाजा सिटी एक भीड़-भाड़ वाला शहर है। इजरायली हमलों ने यहां भगदड़ की स्थिति पैदा कर दी है। लोग जान-बचाने के लिए इधर-उधर भाग रहे हैं।वहीं अमेरिका ने गुरुवार को एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव पर वीटो लगा दिया जिसमें गाजा में तत्काल स्थायी संघर्षविराम और बंधकों की रिहाई की बात की गई थी। संयुक्त राष्ट्र के सबसे शक्तिशाली निकाय के सभी 14 अन्य सदस्यों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया।

न्यूज ब्रीफ

विज्ञान और जेनेटिक्स का रोचक परिणाम है आंखों का रंग

लंदन। आंखों का रंग केवल आकर्षण का विषय नहीं है, बल्कि यह विज्ञान और जेनेटिक्स का एक रोचक परिणाम भी है।

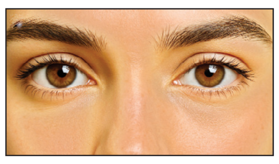

गहरी भूरी, हल्की नीली या फिर दुर्लभ हरी आंखें हर रंग अपनी एक अलग कहानी बयां करती है। जब किसी से पहली बार मुलाकात होती है, तो अक्सर उनकी आंखें सबसे पहले ध्यान आकर्षित करती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, आंखों का रंग मुख्य रूप से आइरिस में मौजूद मेलेनिन नामक पिगमेंट पर निर्भर करता है। भूरी आंखों में मेलेनिन की मात्रा अधिक होती है, जिससे यह गहरी दिखाई देती हैं। वहीं नीली आंखों में मेलेनिन बहुत कम होता है और इनका रंग टिंडल प्रभाव के कारण बनता है, जैसे आसमान नीला दिखाई देता है। हरी आंखें मेलेनिन और प्रकाश बिखराव के संतुलन का परिणाम होती हैं, जबकि हेजल आंखों में मेलेनिन का असमान वितरण रोशनी के साथ उनका रंग बदलता हुआ दिखाता है। पहले यह माना जाता था कि आंखों का रंग केवल एक जीन तय करता है, जिसमें भूरा रंग नीले पर हावी होता है। लेकिन अब वैज्ञानिकों ने खुलासा किया है कि कई जीन मिलकर आंखों का रंग निर्धारित करते हैं। यही वजह है कि एक ही परिवार में बच्चों की आंखों का रंग अलग-अलग हो सकता है। दिलचस्प बात यह भी है कि यूरोपीय मूल के कई नवजात शिशुओं की आंखें नीली या सलेटी होती हैं, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ मेलेनिन की मात्रा बढ़ने पर उनका रंग बदल सकता है।

चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग से बात करेंगे अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप, टिकटॉक को लेकर डील संभव

लंदन। ब्रिटेन दौरे पर पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक को लेकर बातचीत करेंगे। दोनों के बीच यह टेलीफोन वार्ता (वॉशिंगटन के समयानुसार सुबह 9 बजे) होगी। टैरिफ को लेकर खींचतान के बीच दोनों नेताओं के बीच इस साल जून के बाद यह पहली टेलीफोन वार्ता होगी। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के साथ साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रंप ने कहा क दोनों पक्ष सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक को लेकर समझौते के काफी करीब हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें भी टिकटॉक पसंद है। उन्होंने अपने पिछले चुनाव अभियान में टिकटॉक की भूमिका को स्वीकारते हुए कहा कि इसने मुझे राष्ट्रपति चुनाव जीतने मे मदद की। इस एप ने युवा वोटरों के बीच उन्हें भारी सफलता दिलाई। उन्होंने कहा कि वे राष्ट्रपति शी से बात करेंगे ताकि टिकटॉक पर कुछ फाइनल हो सके। इससे पहले अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप और शी जिनपिंग इस सौदे को पूरा करने के लिए बात करेंगे।उन्होंने कहा कि इस सौदे के लिए अमेरिका के पास एक कार्ययोजना है।

नाटो अलर्टः सुवाल्की गैप पर रूस की नजर, कुछ ही दूरी है पर तीसरा विश्वयुद्ध

मॉस्को। रूस और बेलारूस ने सितंबर 2025 में बड़े स्तर का सैन्य अभ्यास जापद-2025 शुरू कर दिया है

और यह सिर्फ़ सामान्य युद्धाभ्यास नहीं दिखता। जो जगह सबसे ज़्यादा सेंसेटिव है, वह है बाल्टिक देशों को जोड़ने वाला छोटा-सा सुवाल्की गैप। अगर इस 65-100 किलोमीटर की जमीन पर किसी तरह कब्ज़ा हो गया, तो लिथुआनिया, लातविया और एस्टोनिया तीनों बाल्टिक देशों को रूस नाटो के मुख्य भाग से अलग कर सकता है। यही वजह है कि हर कोई अब इसी पट्टी की तरफ टकटकी लगाए हुए है। माना जा रहा है कि ये तीसरे विश्वयुद्ध की आहट हो सकती है। रूस का पश्चिमी एनक्लेव कलिनिनग्राद बाल्टिक सागर पर है और मुख्य रूस से जमीन से अलग है। कलिनिनग्राद में पहले से ही भारी हवाई-रक्षा और आर्मेड सिस्टम- जैसे एस-400 और इस्कंदर मिसाइल यूनिट्स तैनात हैं, जो पूरी बाल्टिक पट्टी और कई यूरोपीय लक्ष्यों को निशाना बना सकती हैं। इसलिए सुवाल्की गैप का तत्काल कब्जा कलिनिनग्राद को जमीन से जोड़ने जैसी ही रणनीतिक जीत होती।1991 में सोवियत संघ टूटने के बाद कई देश रूस से अलग हुए। बेलारूस और यूक्रेन उनमें से थे। बेलारूस जियो-पॉलिटिक तौर पर रूस के साथ काफी नजदीक है। इसके पश्चिम में पोलैंड (जो नाटो सदस्य है), दक्षिण में यूक्रेन और उत्तर-पश्चिम में बाल्टिक देश आते हैं। बेलारूस और रूस की दोस्ती में सैन्य सहयोग ने इस इलाके को संवेदनशील बना दिया है। सियासी धरातल यही है जिसकी वजह से जापद-2025 को गंभीरता से लिया जा रहा है। रूस और बेलारूस ने जापद-2025 में क्रूज मिसाइल लॉन्च, ड्रोन ऑपरेशन, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और हाइपरसोनिक प्रौद्योगिकी की परिक्षण जैसी गतिविधियाँ दिखाई हैं। कुछ रिपोर्टों में अभ्यास के दौरान न्यूक्लियर-क्षमता वाले हथियारों की 'रिहर्सल' का भी जिक्र आया है जो निर्भयता और नाटक दोनों का संकेत है। रूस की आधिकारिक गिनती और विश्लेषकों की गिनती में फर्क है।

भारत को एक और अमेरिकी झटका : चाबहार बंदरगाह के लिए अमेरिका ने रद्द कर दी छूट

वाशिंगटन,19 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत को अपना दोस्त बताने वाला अमेरिका आए दिन कुछ न कुछ संकट खड़ा करने का प्रयास कर रहा है। ऐसे ही प्रयासों के चलते चाबहार बंदरगाह के लिए अमेरिका द्वारा 2018 में दी गई छूट को रद्द करने की खबरें आ रहीं हैं। वर्ष 2003 में भारत ने चाबहार बंदरगाह के विकास का प्रस्ताव दिया था ताकि भारतीय वस्तुओं को इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर परियोजना से पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक माल पहुंचाया जा सके। बंदरगाह का संचालन इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड करता है जबकि इसका स्वामित्व ईरान के पोर्ट्स एंड मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के पास है।

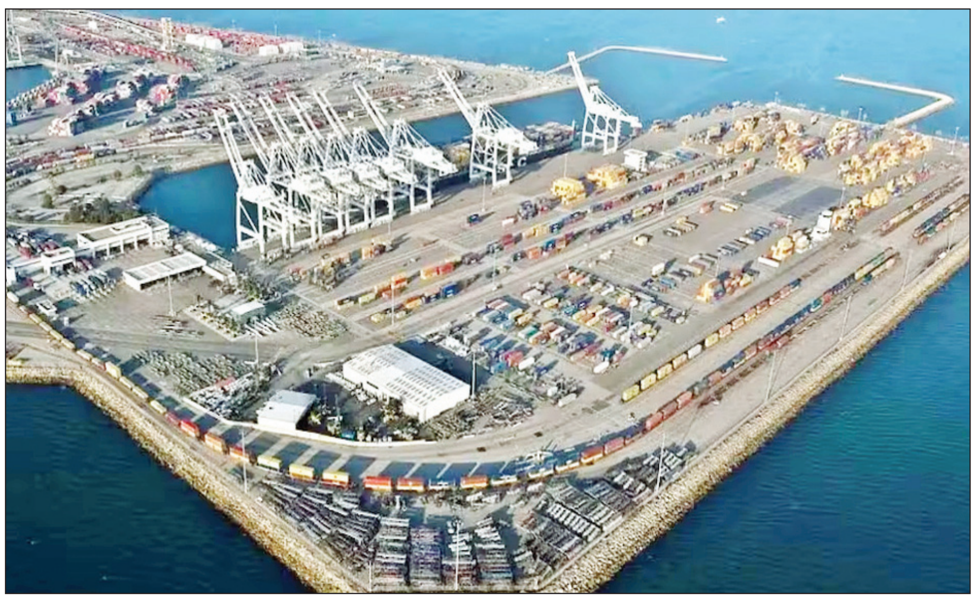

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रमुख उप प्रवक्ता थॉमस पिगॉट ने सप्ताह की शुरुआत में जारी एक बयान में कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों में छूट देने वाले 2018 के आदेश को रद्द किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह कदम ईरानी शासन को अलग-थलग करने के लिए अधिकतम दबाव डालने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीति के अनुरूप है। पिगॉट ने कहा, अमेरिकी विदेश मंत्री ने अफगानिस्तान पुनर्निर्माण मदद एवं आर्थिक विकास के लिए ईरान स्वतंत्रता एवं परमाणु प्रसार-रोधी अधिनियम (आईएफसीए) के तहत 2018 में जारी प्रतिबंध छूट को रद्द कर दिया है। यह आदेश 29 सितंबर, 2025 से प्रभावी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रतिबंध के प्रभावी हो जाने के बाद चाबहार बंदरगाह का संचालन करने वाले या संबंधित गतिविधियों में शामिल लोग प्रतिबंधों के दायरे में आ सकते हैं। अमेरिकी प्रशासन के इस निर्णय से भारत भी प्रभावित होगा क्योंकि वह ओमान की खाड़ी में स्थित चाबहार बंदरगाह पर एक टर्मिनल के विकास से जुड़ा हुआ है।

भारत ने चाबहार बंदरगाह का इस्तेमाल 2023 में अफगानिस्तान को 20 हजार टन गेहूं भेजने के लिए किया था। वर्ष 2021 में ईरान को पर्यावरण अनुकूल कीटनाशक भेजने में किया गया। 10 साल की अवधि वाला यह द्विपक्षीय समझौता इंडियन पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड (आईपीजीएल) और पीएमओ ईरान के बीच शाहिद-बहेश्ती टर्मिनल के संचालन के लिए हुआ, जो चाबहार पोर्ट विकास परियोजना का हिस्सा है। विदेश मंत्रालय ने 2024-25 के लिए चाबहार बंदरगाह हेतु 100 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं, जो ईरान के साथ संपर्क परियोजनाओं दर्शाता है। चाबहार न केवल भारत के सबसे नजदीकी ईरानी बंदरगाह है बल्कि समुद्री दृष्टिकोण से भी एक उत्कृष्ट बंदरगाह है। मई 2015 में बंदरगाह के विकास के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ और 23 मई 2016 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईरान यात्रा के दौरान इस पर हस्ताक्षर हुआ।

भारत रणनीतिक रूप से अहम चाबहार बंदरगाह पर एक टर्मिनल के विकास में जुटा है। अमेरिकी सरकार के फैसले से भारत प्रभावित होगा, क्योंकि वह ओमान की खाड़ी पर स्थित चाबहार बंदरगाह के एक टर्मिनल के विकास में शामिल है। भारत ने 13 मई 2024 को बंदरगाह के संचालन के लिए 10 साल का अनुबंध किया था, जिससे उसे मध्य एशिया के साथ व्यापार बढ़ाने में मदद मिलेगी।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका अवैध वित्तपोषण धाराओं को बाधित करने के लिए प्रतिबद्ध है। जब तक ईरान अपनी अवैध आय का उपयोग अमेरिका और उसके सहयोगियों पर हमलों और दुनिया भर में आतंकवाद फैलाले का काम करेगा तो अमेरिका अपनी शक्तियों का पूरा इस्तेमाल करेगा। ईरान के संदिग्ध परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिकी प्रतिबंधों से बंदरगाह के विकास की गति धीमी हो गई थी।

फर्स्ट लेडी मेलानिया की ड्रेस को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा.... कुछ पसंद, कुछ को नहीं आई पंसद

वाशिंगटन,19 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ब्रिटेन की राजकीय यात्रा पर हैं, जहां उनका और फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप का विंडसर कैसल में शाही स्वागत हुआ है। राष्ट्रपति ट्रंप और फर्स्ट लेडी मेलानिया ब्रिटेन के राजा चार्ल्स तृतीय और महारानी कैमिला द्वारा आयोजित भव्य रात्रिभोज में शामिल हुए। इस दौरान मेलानिया ट्रंप ने गुलाबी बेल्ट के साथ एक बोल्ड ऑफ शोल्डर कैरोलिना हरेरा येलो गाउन पहना था। लेकिन 55 वर्षीय फर्स्ट लेडी की ड्रेस ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। लोग खुलकर इसके चटख रंग को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं।

एक यूजर ने कहा, मुझे माफ कीजिए, लेकिन मुझे मेलानिया की पीली ड्रेस बिल्कुल पसंद नहीं है। एक अन्य ने कहा, यह बहुत अजीब है। मैं बस कह रहा हूं। एक दूसरे यूजर ने पोस्ट में कहा, मुझे यह ड्रेस बिल्कुल पसंद नहीं है। मुझे नहीं लगता कि यह अच्छी लग रही हैं। हरा रंग ज्यादा अच्छा होता। मेलानिया की ड्रेस को एक यूजर ने घटिया ही बता दिया। यूजर ने लिखा, यह ड्रेस बहुत घटिया है। माफ कीजिए, मैंने मेलानिया को इससे पहले कभी कोई घटिया फैशन नहीं करते देखा, लेकिन यह वही है। वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, क्या मेलानिया कलर ब्लाइंड हो गई हैं। पीली ड्रेस, गुलाबी बेज बेल्ट, पन्ने जैसे झुमके जहां ज्यादातर लोग मेलानिया की ड्रेस से खुश नहीं थे, वहीं कुछ लोगों ने बताया कि उन्हें स्टेट डिनर के दौरान पहनी गई मेलानिया की ड्रेस बहुत पसंद आई।

एक व्यक्ति ने कहा, पहले मुझे यकीन नहीं था, लेकिन जब मैंने इसे पूरी तरह से देखा, मुझे यह बहुत पसंद आई। यह लुक मॉडर्न और फ्रेश है। मैं चटख पीले रंग का कभी फैन नहीं रहा, लेकिन मेलानिया कुछ भी पहन सकती हैं। सेलिब्रिटी स्टाइलिस्ट और वोग मैगजीन की सहयोगी मैरियन क्रेई ने बीबीसी को बताया कि चेहरे को छिपाने वाली चौड़े किनारे वाली टोपी इस बात की ओर इशारा करती है कि वह चाहती हैं कि यहां रहते हुए सबकी नजरें उनके पति और उनके एजेंडे पर रहें।

म्यूजियम से गायब हुआ 3000 साल पुराना फिरौन किंग अमेनेमोपी का कंगन

काहिरा। काहिरा के मशहूर मिस्र संग्रहालय से 3,000 साल पुराना एक अनमोल सोने का कंगन रहस्यमय तरीके से गायब हो गया है। यह कंगन कभी मिस्र के फिरौन किंग अमेनेमोपी का हुआ करता था। नीले रंग के लैपिस लाजुली पत्थर से जड़ा यह कंगन आखिरी बार संग्रहालय के रेस्टोरेशन लैब में देखा गया था। इसके बाद वह अचानक लापता हो गया। मिस्र के पर्यटन और पुरावशेष मंत्रालय ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा है कि मामला अब सुरक्षा एजेंसियों और पब्लिक प्रॉसीक्यूशन ऑफिस को सौंप दिया गया है। प्राचीन खजाना होने के कारण इसकी कीमत करोड़ों में मानी जाती है। मंत्रालय ने सभी अन्य पुरावशेषों की गिनती और जांच के आदेश दिए हैं। मिस्र में प्राचीन धरोहरों की तस्करी पहले भी बड़ी चुनौती रही है। पिछले साल भी अधिकारियों ने सैकड़ों प्राचीन वस्तुएं समुद्र से चोरी करने की कोशिश कर रहे दो लोगों को गिरफ्तार किया था। यानी, हजारों साल पुरानी यह सुनहरी कड़ी अब एक रहस्य बन गई है। देशभर के एयरपोर्ट्स, सीपोर्ट्स और बॉर्डर पोस्ट पर कंगन की तस्वीरें भेज दी गई हैं ताकि इसे बाहर तस्करी से जाने से रोका जा सके। संग्रहालय के डायरेक्टर ने यह भी स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर जिस कंगन की तस्वीरें वायरल हो रही हैं, वह वही कंगन नहीं है।

रूस ने ट्रंप को दी चेतावनी कहा-भारत और चीन को धमकाया तो अमेरिका की खैर नहीं

वाशिंगटन,19 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका लगातार भारत और चीन के लिए चुनौतियां खड़ी कर रहा है। इस पर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका की शुल्क और दबाव की राजनीति की कड़ी आलोचना की है। साथ ही उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा है कि भारत और चीन जैसी प्राचीन सभ्यताओं को धमकियों और अल्टीमेटम से डराया नहीं जा सकता है। लावरोव रूस के एक टीवी कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा भारत और चीन जैसे देशों से रूसी ऊर्जा खरीद बंद करने की मांग उल्टा असर डाल रही है।

लावरोव ने कहा कि रूस नए प्रतिबंधों से चिंतित नहीं है। उन्होंने कहा, सच कहूं तो मुझे इन नए प्रतिबंधों में कोई समस्या नहीं दिखती। ट्रंप के पहले कार्यकाल में ही हमारे खिलाफ अभूतपूर्व स्तर के प्रतिबंध लगाए गए थे। हमने तब से सबक सीखा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जो बाइडेन के कार्यकाल में प्रतिबंधों को कूटनीति का विकल्प बना दिया गया और समझौते की कोई कोशिश नहीं हुई। भारत ने अमेरिका की कार्रवाई को अनुचित, अन्यायपूर्ण और अव्यावहारिक करार दिया है। भारत का कहना है कि उसकी ऊर्जा नीति पूरी तरह राष्ट्रीय हित और बाजार की परिस्थितियों पर आधारित है, न कि किसी बाहरी दबाव पर।

लावरोव ने अमेरिकी की टैरिफ नीतियों की आलोचना करते हुए कहा, इससे देश नए ऊर्जा बाजार और संसाधन तलाशने पर मजबूर हो रहे हैं और उन्हें ज्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है। पिछले कुछ हफ्तों से डोनाल्ड ट्रंप और उनके शीर्ष अधिकारियों ने भारत को रूस से तेल खरीदने पर निशाना साधा है और आरोप लगाया है कि भारत यूक्रेन युद्ध को फंड कर रहा है। भारत ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा है कि उसका ऊर्जा आयात राष्ट्रीय हित और बाजार की जरूरतों पर आधारित है। रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका का रुख नैतिक और राजनीतिक तौर पर गलत है। लावरोव ने जोर देकर कहा, भारत और चीन प्राचीन सभ्यताएं हैं। उनसे इस भाषा में बात करना कि या तो वह करो जो मुझे पसंद है वरना मैं शुल्क लगा दूंगा यह काम नहीं करेगा।

ब्रिटेन-फ्रांस के बीच हुई रिटर्न्स ट्रीटी का पहला शिकार हुआ भारतीय नागरिक

लंदन,19 सितंबर (एजेंसियां)।

ब्रिटेन ने फ्रांस के साथ हाल ही में हुई रिटर्न्स ट्रीटी के तहत पहला निर्वासन पूरा कर लिया है। गृह मंत्री शबाना महमूद ने इसे सीमा सुरक्षा की दिशा में एक अहम और पहला कदम बताया और कहा कि यह उन लोगों के लिए स्पष्ट संदेश है जो छोटी नौकाओं से इंग्लिश चैनल पार करके ब्रिटेन में अवैध रूप से प्रवेश करने की कोशिश करते हैं।

ब्रिटेन के गृह कार्यालय के सूत्रों के अनुसार निर्वासित व्यक्ति एक भारतीय नागरिक है, जिसने इस साल अगस्त में अवैध रूप से छोटी नाव के जरिए ब्रिटेन में प्रवेश किया था। उसे

एक कॉमर्शियल विमान से पेरिस भेजा गया। यह कदम ब्रिटेन और फ्रांस के बीच हुए वन-इन, वन-आउट समझौते के तहत उठाया गया है। वापसी के बाद उस व्यक्ति को भारत लौटने के लिए स्वैच्छिक पुनर्वास योजना का विकल्प दिया जाएगा। अगर वह इनकार करता है, तो उसके लिए भविष्य में शरण आवेदन पर रोक लग जाएगी और उसे जबरन वापस भेजा जा सकता है।

गृह मंत्री महमूद ने कहा, यह हमारे बॉर्डर सुरक्षित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरुआत है। जो लोग छोटी नावों से अवैध तरीके से ब्रिटेन पहुंचते हैं, उनके लिए यह संदेश है कि अगर आप अवैध रूप से प्रवेश करेंगे तो हम आपको हटाने की कोशिश करेंगे।गृह मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार अदालतों में होने वाले आखिरी समय के बेबुनियाद और बाधा डालने वाले प्रयासों को चुनौती देती रहेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि ब्रिटेन शरणार्थियों को शरण देना जारी रखेगा लेकिन केवल सुरक्षित, वैध और व्यवस्थित रास्तों से- न कि खतरनाक समुद्री यात्राओं से। यह पायलट समझौता अगस्त 2025 से शुरू हुआ है और जून 2026 तक लागू रहेगा।

इसके तहत ब्रिटेन उन प्रवासियों को फ्रांस वापस भेज सकता है जो अवैध रूप से पहुंचे हैं। बदले में ब्रिटेन फ्रांस से उतनी ही संख्या में लोगों को सुरक्षित और वैध शरण मार्ग के जरिए स्वीकार करेगा। इन सभी पर सख्त पात्रता और सुरक्षा जांच की जाएगी। गृह मंत्रालय का कहना है कि इस पारस्परिक मार्ग के तहत फ्रांस से ब्रिटेन आने वाले पहले समूह के शरणार्थी अगले कुछ दिनों में पहुंच सकते हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक अगस्त तक ब्रिटेन के इमिग्रेशन डिटेंशन सेंटरों में 2,715 भारतीय नागरिक मौजूद थे। यह आंकड़ा पिछले साल की तुलना में 108 फीसदी अधिक है। निर्वासित भारतीय व्यक्ति उन शुरुआती प्रवासियों में शामिल है जिन्हें संधि लागू होने के बाद ब्रिटेन बॉर्डर फोर्स ने पकड़ा था।

न्यूजीलैंड टी20 दौरे से बाहर हुए इंग्लिस, कैरी टीम में शामिल

मेलबर्न,19 सितंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर-बल्लेबाज जॉश इंग्लिस पिंडली की चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह एलेक्स कैरी को टीम में शामिल किया गया है। जानकारी के अनुसार, इंग्लिस को मंगलवार को पर्थ में दौड़ने के सत्र के दौरान दाहिनी पिंडली में खिंचाव महसूस हुआ।

स्कैन के बाद उन्हें श्रृंखला से बाहर कर दिया गया। यह मुकाबले 1, 3 और 4 अक्टूबर को माउंट माउंगानुई में खेले जाएंगे। इंग्लिस इस श्रृंखला से बाहर होने वाले चौथे प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हैं। इससे पहले पैट कमिंस (कमर की चोट), कैमरन ग्रीन (शेफील्ड शील्ड की तैयारी) और नाथन एलिस (पहले बच्चे के जन्म के कारण) भी उपलब्ध नहीं हो पाए।

इंग्लिस को पिछले नौ महीनों में दूसरी बार पिंडली की चोट लगी है। दिसंबर 2024 में भारत के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान भी उन्हें चोट लगी थी, जिसके चलते वे बिग बैश लीग का बाकी सीजन मिस कर गए थे। हालांकि, उम्मीद है कि वे 19 अक्टूबर से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला तक फिट हो जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई चयनकर्ताओं के लिए यह चोट परेशानी लेकर आई है क्योंकि शुरुआती 14 सदस्यीय दल में कोई अतिरिक्त विकेटकीपर शामिल नहीं था। कैरी अब अपने शील्ड सीजन का हिस्सा सीमित तौर पर ही बन पाएंगे, क्योंकि उन्हें वनडे और टेस्ट सीरीज से पहले टीम के साथ रहना होगा।

टी20 प्रारूप में कैरी का रिकॉर्ड बहुत प्रभावशाली नहीं रहा है, लेकिन उन्होंने हाल ही में कर्न्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इंग्लिस की अनुपस्थिति में विकेटकीपर की भूमिका निभाई थी।

ऑस्ट्रेलिया की चयन समस्याएं आने वाले टी20 विश्व कप 2026 के लिए भी चिंता का विषय बन सकती हैं, क्योंकि आईसीसी नियमों के तहत सिर्फ 15 खिलाड़ी ही चुने जा सकते हैं और चोटिल खिलाड़ी की जगह केवल पूरी तरह बाहर होने पर ही बदला जा सकता है।

ऑस्ट्रेलिया की टी20 टीम (न्यूजीलैंड दौरा)

मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबट, जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, टिम डेविड, बेन ड्वार्शुइस, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, मैट कूनेमन, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट, मार्कस स्टॉइनिस, एडम जाम्पा।

न्यूज ब्रीफ

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम पर धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया जुर्माना

नई दिल्ली। नई चंडीगढ़ में मंगलवार को खेले गए भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरे महिला वनडे में ऑस्ट्रेलियाई टीम को धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए जुर्माना भरना पड़ा। टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की सदस्य जी. एस. लक्ष्मी ने यह सजा सुनाई। समय छूट को ध्यान में रखने के बाद भी ऑस्ट्रेलियाई टीम निर्धारित लक्ष्य से दो ओवर पीछे पाई गई। आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार न्यूनतम ओवर गति के उल्लंघन पर प्रत्येक ओवर के लिए खिलाड़ियों की मैच फीस का 5 प्रतिशत काटा जाता है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने इस गलती को स्वीकार करते हुए जुर्माने को मान लिया, जिसके बाद औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं पड़ी। इस मामले में ऑन-फील्ड अंपायर वृंदा राठी और जननी नारायणन, तीसरे अंपायर लॉरेन एजनबैग और चौथे अंपायर गायत्री वेणुगोपालन ने आरोप लगाए थे। भारतीय महिला टीम ने यह मैच 102 रनों से जीतकर तीन मैचों की वनडे श्रृंखला में 1-1 की बराबरी कर ली है। पहला मैच ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट से जीता था।

एशिया कप के सुपर फोर की तस्वीर साफ जानिए छह मुकाबलों का पूरा शेड्यूल

नई दिल्ली। एशिया कप 2025 के सुपर फोर की तस्वीर श्रीलंका के अफगानिस्तान को हराने के साथ ही अब साफ हो चुकी है। गुरुवार को खेले गए मुकाबले में श्रीलंका ने अफगानिस्तान को 6 विकेट से हराया, जिससे बांग्लादेश की भी सुपर फोर में एंट्री पक्की हो गई और साथ ही अफगानिस्तान की टीम बाहर हो गई। भारत और पाकिस्तान पहले ही ग्रुप-ए से क्वालीफाई कर चुके थे। इस तरह से अब चार टीमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश खिताब की दौड़ में बनी हुई हैं। सुपर फोर राउंड में हर टीम एक-दूसरे से एक-एक बार भिड़ेगी। इन छह मुकाबलों के बाद अंक तालिका की शीर्ष दो टीमें 28 सितंबर को दुबई में फाइनल खेलेंगी। भारत फिलहाल नेट रन रेट के आधार पर अपने ग्रुप में शीर्ष पर है, और माना जा रहा है कि सुपर फोर चरण में भी वह मजबूत दावेदार रहेगा। भारतीय टीम अपना आखिरी लीग मैच ओमान के खिलाफ खेलेगी।
एशिया कप 2025 के सुपर फोर का शेड्यूल
20 सितंबर: श्रीलंका बनाम बांग्लादेश - दुबई - रात 8:00 बजे , 21 सितंबर: भारत बनाम पाकिस्तान - दुबई - रात 8:00 बजे , 23 सितंबर: पाकिस्तान बनाम श्रीलंका - अबू धाबी - रात 8:00 बजे , 24 सितंबर: भारत बनाम बांग्लादेश - दुबई - रात 8:00 बजे , 25 सितंबर: पाकिस्तान बनाम बांग्लादेश - दुबई - रात 8:00 बजे , 26 सितंबर: भारत बनाम श्रीलंका - दुबई - रात 8:00 बजे ।

चाइना मास्टर्स 2025: पीवी सिंधु को क्वार्टर फाइनल में कोरियाई खिलाड़ी से मिली एक और हार

शेनझेन। चाइना मास्टर्स सुपर 750 टूर्नामेंट के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में सिंधु को सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। शुक्रवार को खेले गए मैच में भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु का कोरियाई खिलाड़ी विश्व नंबर-1 अन से यंग के खिलाफ खराब प्रदर्शन रहा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु को 21-14, 21-13 से मात मिली। यह मुकाबला महज 38 मिनट तक चला। खास बात यह रही कि सिंधु अब तक अन से यंग के खिलाफ आठों मैच हार चुकी हैं और उनके खिलाफ एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाई हैं। पहले गेम में सिंधु की शुरुआत खराब रही और वह 1-6 से पिछड़ गईं। हालांकि, उन्होंने स्कोर 5-9 तक पहुंचाकर वापसी की कोशिश की, लेकिन अन से यंग ने तेज स्मैश लगाकर बढ़त 11-5 कर ली। सिंधु ने 11-14 तक अंतर कम किया, मगर बार-बार गलतियां करने से पहला गेम गंवा बैठीं। दूसरे गेम में सिंधु ने 3-2 से बढ़त बनाई थी, लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने तुरंत नियंत्रण हासिल कर लिया। सिंधु ने आक्रामक खेल दिखाकर स्कोर 7-8 तक पहुंचाया, लेकिन अन की धारदार स्मैश और भ्रामक शॉट्स ने उन्हें फिर पीछे धकेल दिया।

वर्ल्ड नंबर-20 ओमान से 40 ओवर में जीता भारत

अबू धाबी, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने एशिया कप 2025 में अपना विजय अभियान जारी रखा है। शुक्रवार को अबू धाबी में भारतीय टीम ने ओमान को 21 रन से हराया। भले ही यह मैच भारतीय टीम ने जीता हो, लेकिन ओमान ने फैंस का दिल जीत लिया। ओमान की टीम ने वर्ल्ड चैंपियन के खिलाफ पूरे 40 ओवर में संघर्ष किया। इस मुकाबले में भारतीय टीम को 10 बल्लेबाज उतारने पड़े, जबकि 8 खिलाड़ियों को गेंदबाजी में लगाना पड़ा। फिर भी इंडियन टीम ओमान के 4 विकेट ही गिरा सकी। जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 188 रन बनाए। जवाब में ओमान 167 रन ही बना सकी। टीम से आमिर कलीम (64 रन) और हमाद मिर्जा (51 रन) ने अर्धशतक लगाए। कुलदीप यादव और हर्षित राणा को एक-एक विकेट मिला। भारत से संजू सैमसन (56 रन) ने अर्धशतक बनाया। ओमान की ओर से फैसल शाह, जितेन रामनंदी और आमिर कलीम को 2-2 विकेट मिले।यह मैच एशिया कप 2025 के ग्रुप ए का आखिरी लीग मुकाबला था, जहां कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। अभिषेक शर्मा की तेज शुरुआत के बाद संजू सैमसन की शांत फिफ्टी ने भारत को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। ओमान ने शुरुआती झटकों के बावजूद आमिर कलीम और हमाद मिर्जा की साझेदारी से मैच को रोचक बनाया, लेकिन अंतिम ओवरों में आर्शदीप सिंह की गेंदबाजी ने भारत को जीत दिलाई।ओमान, जो आईसीसी टी20 रैंकिंग में वर्ल्ड नंबर-20 है, ने इस मैच में अपनी क्षमता का पूर्ण प्रदर्शन किया। आमिर कलीम की 64 रनों की पारी और हमाद मिर्जा की 51 रनों की नाबाद पारी ने ओमान को लक्ष्य के करीब पहुंचा दिया। ओमान की गेंदबाजी में फैसल शाह (2 विकेट) और जितेन रामनंदी (2 विकेट) ने भारत के टॉप ऑर्डर को ध्वस्त किया, जबकि आमिर कलीम ने भी 2 विकेट लेकर ऑलराउंड प्रदर्शन किया। भारतीय गेंदबाजों में कुलदीप यादव, हर्षित राणा, आर्शदीप सिंह और एक अन्य गेंदबाज ने एक-एक विकेट लिया, लेकिन ओमान के बल्लेबाजों ने पूरे 40 ओवर खेलकर फैंस को प्रभावित किया।यह जीत भारत के लिए ग्रुप स्टेज में अपराजित रहने का संकेत देती है, लेकिन ओमान का संघर्ष एशियाई क्रिकेट की उभरती ताकत को दर्शाता है। मैच के दौरान अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में भारतीय समर्थकों के अलावा ओमानी फैंस की भी भारी भीड़ थी, जो मैच को यादगार बनाया।

सिर्फ 21 रनों से हराया, संजू सैमसन ने फिफ्टी लगाई 4 गेंदबाजों को एक-एक विकेट

भारतीय बल्लेबाजी में संजू सैमसन की 56 रनों की शांत लेकिन महत्वपूर्ण पारी ने टीम को 188 तक पहुंचाया। अभिषेक शर्मा ने शुरुआती तेज रन बनाए, लेकिन मध्यक्रम में सैमसन ने स्थिरता प्रदान की। गेंदबाजी में आर्शदीप सिंह ने न केवल विकेट लिए बल्कि टी20आई में 100 विकेट पूरे कर इतिहास रच दिया। कुलदीप यादव और हर्षित राणा के अलावा अन्य गेंदबाजों ने भी दबाव बनाए रखा।ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह ने टॉस हारने के बावजूद अपनी टीम के प्रदर्शन पर संतुष्टि जताई। यह मैच एशिया कप 2025 के सेमीफाइनल की दौड़ को रोचक बनाता है, जहां भारत अब अगले दौर के लिए मजबूत दावेदार है।एशिया कप 2025 का ग्रुप ए में भारत ने सभी मैच जीते हैं, जिसमें पाकिस्तान और अन्य टीमों के खिलाफ भी मजबूत प्रदर्शन किया। अगला मुकाबला सेमीफाइनल में हो सकता है, जहां ग्रुप बी की टीमों से भिड़ंत संभव है। ओमान जैसे छोटे देशों का अच्छा प्रदर्शन एशियाई क्रिकेट को मजबूत कर रहा है। मैच का लाइव प्रसारण यूट्यूब और अन्य प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध रहा। भारतीय टीम अब रेस्ट लेकर अगले चरण की तैयारी करेगी।

मोहम्मद शमसुद्दीन को फीफा विश्व कप फोटोग्राफी के लिए प्रतिष्ठित एआरपीएस पुरस्कार मिला

लंदन, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

साइमन हिल, जो रॉयल फ़ोटोग्राफ़िक सोसाइटी (आरपीएस) के अध्यक्ष और ट्रस्टी हैं, ने प्रसिद्ध भारतीय फ़ोटोग्राफ़र मोहम्मद शमसुद्दीन को सोसाइटी की एसोसिएटशिप (एआरपीएस) का प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया। यह सम्मान उन्हें फीफा विश्व कप 2022 की उनकी तस्वीरों के लिए दिया गया है, जो उनकी कलात्मकता और कौशल का उत्कृष्ट उदाहरण हैं।यह पुरस्कार समारोह लंदन के विक्टोरिया एंड अल्बर्ट म्यूजियम में स्थित फोटोग्राफी सेंटर में आयोजित हुआ। इस सेंटर को अक्टूबर 2018 में वेल्स की राजकुमारी (जो आरपीएस और वी एंड ए म्यूजियम दोनों की संरक्षक हैं) ने खोला था।मोहम्मद शमसुद्दीन को यह एसोसिएटशिप फीफा विश्व कप 2022 की उनकी तस्वीरों के पोर्टफोलियो के लिए दिया गया, जिसमें उन्होंने उच्चतम स्तर के शिल्प कौशल और कलात्मकता का प्रदर्शन किया। यह उनके लिए एक गर्व का क्षण था, और अब वे खुद को रॉयल फ़ोटोग्राफ़िक सोसाइटी के एसोसिएट कह सकते हैं और अपने नाम के बाद '-ठझड' की उपाधि का उपयोग कर सकते हैं। यह सम्मान दुनिया भर में केवल कुछ सौ फोटोग्राफरों को ही मिला है।पुरस्कार प्रदान करते समय, आरपीएस के अध्यक्ष साइमन हिल ने शमसुद्दीन के काम की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी तस्वीरें तीव्रता, मानवता और निर्णायक क्षणों को कैद करती हैं, और यह हमें याद दिलाती हैं कि फोटोग्राफी में जोड़ने, सूचित करने और प्रेरित करने की सच्ची शक्ति है।विक्टोरिया एंड अल्बर्ट म्यूजियम में यह पुरस्कार देना इसलिए भी खास था, क्योंकि इस म्यूजियम का आरपीएस के साथ एक ऐतिहासिक संबंध है। आरपीएस का ऐतिहासिक संग्रह देश द्वारा अधिग्रहित किया गया था और वीएंडए को सौंपा गया था, जहां यह भावी पीढ़ियों को प्रेरित करता रहता है। इसलिए, यह फोटोग्राफिक उत्कृष्टता का जश्न मनाने के लिए सबसे उपयुक्त मंच है।

नबी ने दुनिथ वेल्लालागे के पिता के निधन पर संवेदना जतायी

दुबई। अफगानिस्तान के बल्लेबाज मोहम्मद नबी ने श्रीलंकाई गेंदबाज दुनिथ वेल्लालागे के पिता के निधन पर दुख जताया है। नबी ने ही श्रीलंका के साथ मैच में वेल्लालागे के ओवर में पांच छक्के लगाये थे। वेल्लालागे को पिता का निधन की बात मैच मैच के बाद बतायी गयी। इसके बाद वह तत्काल ही स्वदेश रवाना हो गये। इस खबर से नबी भी सन्न रह गये। नबी ने इसके बाद सोशल मीडिया के जरिए अपना दुख व्यक्त किया। नबी ने सोशल मीडिया में लिखा, दुनिथ वेल्लालागे और उनके परिवार के प्रति वह संवेदना प्रकट करते हैं।भाई, हिम्मत रखो नबी की 22 गेंदों पर 60 रनों की धमाकेदार पारी से इस मैच में अफगानिस्तान की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 169 रन रन बनाये। इसके बाद श्रीलंकाई टीम ने केवल चार विकेट के नुकसान पर ये लक्ष्य हासिल कर लिया।

उत्तराखंड प्रीमियर लीग में ऋषिकेश फाल्कन्स 27 सितंबर को टिहरी टाइटन्स से भिड़ेगी

ऋषिकेश,19 सितंबर (एजेंसियां)।

ऋषिकेश फाल्कन्स की टीम 27 सितंबर से उत्तराखंड प्रीमियर लीग के सीज़न 2 में अपने अभियान की शुरुआत करने जा रही है। इस दिन वह दूसरे मुकाबले में टिहरी टाइटन्स से भिड़ेगी। सभी मुकाबले देहरादून के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे।

हाल ही में प्लेयर ड्राफ्ट के जरिए टीम में जगदीश सुचित को आइकन खिलाड़ी के रूप में चुनने वाली ऋषिकेश फाल्कन्स फिलहाल काफी सशक्त नजर आ रही है। उत्तराखंड प्रीमियर लीग में महिला मुकाबलों की शुरुआत 23 सितंबर से की जाएगी, जबकि पुरुष मुकाबले 27 सितंबर से शुरू होंगे। अपने शुरुआती मैच के बाद ऋषिकेश फाल्कन्स 28 सितंबर को नैनीताल टाइगर्स से भिड़ेंगे और फिर 29 सितंबर को प्राइम-टाइम मुकाबले में हरिद्वार एल्मास का सामना करेंगे। इसके बाद टीम 30 सितंबर को दूधिया रोशनी के बीच मौजूदा चैंपियन यूएसएन इंडियंस से भिड़ेगी। टीम अपने अंतिम दो लीग मैच 3 और 4 अक्टूबर को क्रमशः देहरादून वॉरियर्स और पिथौरागढ़ हरिकेन्स के खिलाफ खेलेगी।

ऋषिकेश फाल्कन्स के बारे में टीम के मालिक देव केसरीवानी ने कहा कि, हमें पूरा विश्वास है कि ऋषिकेश फाल्कन्स शानदार क्रिकेट खेलेंगे और ऋषिकेश सहित सभी प्रशंसकों को गर्व महसूस कराएंगे। टीम पूरी से तैयार है और हम अपने पहले ही मैच से अच्छा क्रिकेट दिखाने के लिए उत्सुक हैं।

ऋषिकेश फाल्कन्स की टीम

जगदीशा सुचित (आइकन) (ऑलराउंडर), सनी कश्यप (ऑलराउंडर), अखिल सिंह रावत (विकेटकीपर), जगमोहन नागरकोटी (गेंदबाज), निखिल पुंडीर (ऑलराउंडर), एलेन चेतन (बल्लेबाज), लक्ष्य रायचंदानी (बल्लेबाज), रियंश रावत (गेंदबाज), अभिषेक भरतवाल (बल्लेबाज), पूर्वांश ध्रुव (बल्लेबाज), जसकरण सिंह (ऑलराउंडर), हार्दिक चौधरी (गेंदबाज), आश्मन गुलाटी (बल्लेबाज), आर्यन गर्ग (गेंदबाज), क्षितिज नेगी (बल्लेबाज), राहुल (ऑलराउंडर), यश वैष्णव (बल्लेबाज), गोपाल सिंह (बल्लेबाज), शिखर बल्यान (बल्लेबाज), मनु कुमार (बल्लेबाज), युवराज चौहान (ऑलराउंडर)।

विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2025: अंतिम पंघाल ने कांस्य पदक जीतकर दिलाया भारत को पहला मेडल

नई दिल्ली,19 सितंबर (एजेंसियां)।

ज़ाग्रेब (क्रोएशिया) में चल रही विश्व कुश्ती चैंपियनशिप 2025 में भारत को पहली सफलता अंतिम पंघाल ने दिलाई। 21 वर्षीय अंतिम ने गुरुवार को महिलाओं के 53 किग्रा वर्ग में स्वीडन की ओलंपियन एमा योना माल्मग्रेन को 9-1 से हराकर कांस्य पदक अपने नाम किया। यह उनके करियर का दूसरा विश्व चैंपियनशिप पदक है।

अंतिम ने मुकाबले की शुरुआत में ही 3-0 की बढ़त बना ली थी और दूसरे हाफ में दमदार बचाव के साथ एक शानदार दो अंक तथा अंतिम क्षणों में ग़जब का थ्रो मारकर जीत पक्की की। इस जीत के साथ अंतिम ने भारत को इस संस्करण का पहला मेडल दिलाया।

हालांकि, महिला वर्ग में प्रियंका मलिक (76 किग्रा) अपना कांस्य पदक मुकाबला हार गईं। उन्हें ओलंपिक पदक विजेता मिलाइमिस मारिन ने 0-10 से हराया। वहीं मनिषा भानवाला रिपेचेज़ राउंड में बुल्गारिया की बिलियाना डुडोवा से 0-9 से हारकर बाहर हो गईं।

दूसरी ओर, भारत के ग्रीको-रोमन पहलवानों का निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा। चारों पहलवान बिना कोई जीत दर्ज किए बाहर हो गए। अनिल मोर (55 किग्रा) का प्रदर्शन सबसे खराब रहा, जब वे अज़रबैजान के विश्व नंबर-1 एल्दानिज़ अज़िज़ली से महज़ 13 सेकंड में हार गए।

आईसीसी ने आचारसंहिता उल्लंघन के लिए पीसीबी को फटकार लगायी

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने एशिया कप 2025 में नियमों का पालन नहीं करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को फटकार लगायी है। पीसीबी ने भारतीय खिलाड़ियों के 14 सितम्बर को हुए मैच में पाक खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाने को लेकर मैच रेफरी एंडी पाइक्रॉफ्ट को हटाने की मांग करते हुए बहिष्कार की धमकी दी थी जिससे आईसीसी ने नियमों का उल्लंघन माना है। पाक टीम यूएई के खिलाफ मैच में रैफरी को नहीं हटाने के कारण देर से पहुंची थी जिससे मैच एक घंटा देर से शुरु हुआ। इससे भी आईसीसी नाराज है। ये भी कहा गया है कि पीसीबी ने यूएई के खिलाफ मैच से पहले पाक खिलाड़ियों को स्टेडियम न जाने को कहा था। वहीं पीसीबी ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि मैच रैफरी पाइक्रॉफ्ट ने पाक टीम से माफी मांगी और इसका एक वीडियो भी जारी किया जो सही नहीं था। इसमें मैच रेफरी पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा, टीम मैनेजर नावेद अकरम चीमा और मुख्य कोच माइक हेसन से बातचीत करते हुए दिखाई दे रहे थे। वहीं इसपर आईसीसी ने कड़ी नाराजगी जतायी है। आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने पीसीबी को पत्र लिखकर कहा है कि पीसीबी मैच के दिन आचारसंहिता का बार-बार उल्लंघन का दोषी पाया गया है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

मारुति सुजुकी की नई विक्टोरिस को मिली एनकैप से 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग

नई दिल्ली,19 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी की नई विक्टोरिस एसयूवी ने एंट्री कर ली है। एसयूवी को भारत और ग्लोबल एनकैप से 5-स्टार सेफ्टी रेटिंग मिली है। इसमें लेवल-2 अडास टेक्नोलॉजी का पैकेज भी दिया गया है, लेकिन यह फीचर सभी वैरिएंट में उपलब्ध नहीं है।

कंपनी ने इसकी शुरुआती कीमत 10.50 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रखी है। विक्टोरिस में अडास का लाभ केवल उन ग्राहकों को मिलेगा, जो 1.5-लीटर स्मार्ट हाइब्रिड पेट्रोल इंजन वाले टॉप ऑटोमैटिक वैरिएंट झेडएक्सआई प्लस और झेडएक्सआई प्लस (ओ) खरीदेंगे। मैनुअल, सीएनजी और स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वैरिएंट में यह फीचर नहीं मिलेगा। स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड वैरिएंट में अडास का न होना कई ग्राहकों को चौंका रहा है। अडास से लैस सबसे सस्ता वैरिएंट झेडएक्सआई प्लस एटी 2डब्ल्यूडी है, जिसकी कीमत 17.19 लाख रुपये है। इसके बाद झेडएक्सआई प्लस(ओ) एटी 2डब्ल्यूडी की कीमत 17.77 लाख रुपये औरझेडएक्सआई प्लस (ओ) एटी 4डब्ल्यूडी ऑलग्रिप की कीमत 19.22 लाख रुपये है। इसके मुकाबले हुंडई क्रेटा, किआ सेल्टोस और होंडा एलिवेट में भी अडास विकल्प मिलता है। साथ ही हाई बीम असिस्ट और व्हीकल स्वे वार्निंग भी मिलते हैं।

अन्य सेफ्टी फीचर्स में 6 एयरबैग, ईएसपी, ट्रैक्शन कंट्रोल, हिल होल्ड असिस्ट, हिल डिसेंट कंट्रोल, इलेक्ट्रॉनिक पार्किंग ब्रेक, 360 डिग्री एचडी कैमरा, फ्रंट-रियर पार्किंग सेंसर और टीपीएमएस शामिल हैं। अडास पैकेज में लेन कीप असिस्ट, फॉरवर्ड कोलिजन वार्निंग, ऑटोमैटिक इमरजेंसी ब्रेकिंग, अडेप्टिव क्रूज कंट्रोल, ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटर, लेन डिपार्चर प्रिवेंशन और रियर क्रॉस ट्रैफिक अलर्ट जैसे फीचर्स शामिल हैं।

न्यूज ब्रीफ

सुजुकी ने मोटरसाइकिल के दाम 18 हजार रुपये तक घटाए, नई दरें 22 सितंबर से होंगी प्रभावी

नई दिल्ली। सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने जीएसटी 2.0 सुधारों का पूरा लाभ ग्राहकों को देने का ऐलान किया है। कंपनी ने अपने सभी मॉडलों की कीमतों में 18,024 रुपये तक की कटौती की है। ये नई कीमतें 22 सितंबर से लागू होंगी। सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएमआईपीएल) ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि वह जीएसटी 4दर में कटौती का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए अपने स्कूटर्स और बाइक्स की कीमतों में 18,024 रुपये तक की कटौती करेगी। कंपनी ने कहा कि 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी संशोधित कीमतों के साथ ग्राहक इस बचत का आनंद ले सकते हैं। कंपनी ने बताया कि दोपहिया वाहनों के साथ ही कलपुर्जों और अन्य सहायक उपकरणों की लागत में भी कमी आएगी। ये कटौती सरकार द्वारा 350 सीसी से कम क्षमता वाले दोपहिया वाहनों पर जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा के बाद की गई है। कंपनी के बिक्री एवं विपणन उपाध्यक्ष दीपक मुटरेजा ने कहा कि हम भारत सरकार के जीएसटी 2.0 सुधारों का स्वागत करते हैं, जो आम जनता के लिए परिवहन को और अधिक किफायती बनाने की दिशा में एक प्रगतिशील कदम है। उन्होंने कहा कि त्योहारी सत्र से ठीक पहले दोपहिया वाहनों की मांग बढ़ेगी।

तेल उत्खनन कंपनियों को मुआवजा देने की तैयारी

नई दिल्ली । सरकार तेल और गैस क्षेत्र की अन्वेषण और उत्पादन कंपनियों की बढ़ी लागत की भरपाई के लिए एक विशेष योजना पर विचार कर रही है। हाल ही में जीएसटी परिषद ने इस क्षेत्र से जुड़ी सेवाओं और वस्तुओं पर जीएसटी दर 12 फीसदी से बढ़ाकर 18 फीसदी कर दी, जिससे कंपनियों की लागत बढ़ गई है और मार्जिन पर असर पड़ा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने जानकारी दी कि प्रस्तावित योजना कंपनियों को मुआवजा देने और फंसे हुए कर की समस्या को सुलझाने के लिए तैयार की जा रही है। इस योजना को वित्त मंत्रालय के समक्ष जल्द ही मंजूरी के लिए पेश किया जाएगा। सरकार ला सकती है विशेष राहत योजना तेल और प्राकृतिक गैस जैसे उत्पाद अभी भी जीएसटी के दायरे से बाहर हैं, लेकिन इनके अन्वेषण और उत्पादन में उपयोग होने वाली सेवाओं व उपकरणों पर जीएसटी लगाया जाता है। ऐसे में कंपनियाँ इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ नहीं उठा पातीं, जिससे फंसे हुए कर की स्थिति उत्पन्न होती है। अधिकारी के अनुसार, इस योजना को एक वैकल्पिक राहत या प्रोत्साहन योजना के रूप में लागू किया जा सकता है।

सुजुकी ने मोटरसाइकिल के दाम 18 हजार रुपये तक घटाए, नई दरें 22 सितंबर से होंगी प्रभावी

नई दिल्ली। सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया ने जीएसटी 2.0 सुधारों का पूरा लाभ ग्राहकों को देने का ऐलान किया है। कंपनी ने अपने सभी मॉडलों की कीमतों में 18,024 रुपये तक की कटौती की है। ये नई कीमतें 22 सितंबर से लागू होंगी। सुजुकी मोटरसाइकिल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएमआईपीएल) ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि वह जीएसटी 4दर में कटौती का फायदा ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए अपने स्कूटर्स और बाइक्स की कीमतों में 18,024 रुपये तक की कटौती करेगी। कंपनी ने कहा कि 22 सितंबर, 2025 से प्रभावी संशोधित कीमतों के साथ ग्राहक इस बचत का आनंद ले सकते हैं। कंपनी ने बताया कि दोपहिया वाहनों के साथ ही कलपुर्जों और अन्य सहायक उपकरणों की लागत में भी कमी आएगी। ये कटौती सरकार द्वारा 350 सीसी से कम क्षमता वाले दोपहिया वाहनों पर जीएसटी दरों में कटौती की घोषणा के बाद की गई है। कंपनी के बिक्री एवं विपणन उपाध्यक्ष दीपक मुटरेजा ने कहा कि हम भारत सरकार के जीएसटी 2.0 सुधारों का स्वागत करते हैं, जो आम जनता के लिए परिवहन को और अधिक किफायती बनाने की दिशा में एक प्रगतिशील कदम है। उन्होंने कहा कि त्योहारी सत्र से ठीक पहले दोपहिया वाहनों की मांग बढ़ेगी।

एटीएम से पैसा नहीं निकले और अकाउंट से कट जाए तो घबराएं नहीं

24 घंटे बाद भी पैसा नहीं आए तो बैंक कस्टमर केयर से करें संपर्क

नई दिल्ली,19 सितंबर (एजेंसियां)।

एटीएम से पैसे निकालने गए और मशीन से कैश नहीं निकला, लेकिन आपके बैंक खाते से पैसे कट गए अगर ऐसा आपके साथ हो जाए तो घबराने की जरूरत नहीं। कुछ आसान तरीके अपनाकर पैसा वापस पा सकते हैं। आजकल लोग भले ही यूपीआई से पेमेंट करते हों, लेकिन एटीएम से कैश निकालना अभी भी जारी है। कई बार तकनीकी खराबी की वजह से एटीएम से पैसे नहीं निकलते हैं लेकिन अकाउंट से राशि कट जाती है।

बता दें सबसे पहले पैसे निकालने के लिए जल्दबाजी न करें। अगर एटीएम से कैश नहीं निकला या अटक गया है तो थोड़ा इंतजार करें। कभी-कभी मशीन को पैसे निकालने में समय लगता है। जबरदस्ती नोट खींचने की कोशिश न करें, इससे नोट फट सकता है या मशीन खराब हो सकती है। अगर इंतजार के बाद भी पैसा नहीं निकले, तो ट्रांजेक्शन रिसिप्ट को संभालकर रखें। आपके फोन पर आए मैसेज को भी सुरक्षित रखें, जिसमें ट्रांजेक्शन की जानकारी होती है। इसके अलावा एटीएम का नंबर नोट करें, जो मशीन पर लिखा होता है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के नियमों के मुताबिक अगर एटीएम से पैसा नहीं निकला, लेकिन अकाउंट से राशि कट गई, तो बैंक को पांच दिन के अंदर पैसा वापस करना होता है। अगर बैंक ऐसा नहीं करता, तो उसे आपको 100 रुपए हर दिन का मुआवजा देना होगा, जो 5 दिन बाद से शुरू होकर पैसे वापस आने तक मिलेगा, लेकिन इसके लिए आपको बैंक को सूचित करना जरूरी है। 24 घंटे तक इंतजार करें, क्योंकि कई बार बैंक खुद ही पैसा वापस कर देता है। अगर 24 घंटे बाद भी पैसा नहीं आता है, तो तुरंत बैंक के कस्टमर केयर से संपर्क करें। शिकायत करते समय एटीएम की लोकेशन, ट्रांजेक्शन की तारीख, समय, ट्रांजेक्शन आईडी और रसीद की जानकारी दें। अगर कस्टमर केयर से बात नहीं बनती, तो अपनी बैंक ब्रांच में जाएं या बैंक की वेबसाइट पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें। अगर बैंक आपकी शिकायत को नहीं मानता, तो आप बैंक के इंटरनल ऑम्बुड्समैन से संपर्क कर सकते हैं। हर बैंक में एक ऑम्बुड्समैन ऑफिसर होता है, जिसकी जानकारी बैंक की वेबसाइट पर मिलती है। अगर वहां भी समाधान नहीं होता, तो आप आरबीआई के ऑम्बुड्समैन से शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए आरबीआई की वेबसाइट पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज की जा सकती है या नजदीकी आरबीआई ऑम्बुड्समैन ऑफिस में संपर्क किया जा सकता है। अगर फिर भी बात नहीं बनती, तो आप नेशनल कंज्यूमर डिस्प्यूट्स रिड्रेसल कमीशन में शिकायत कर सकते हैं। इसके लिए आपको ट्रांजेक्शन रसीद, बैंक स्टेटमेंट, बैंक से बातचीत के सबूत और अगर संभव हो तो एटीएम की सीसीटीवी फुटेज की मांग करनी चाहिए। इन स्टेप्स को फॉलो करने से आपका पैसा वापस मिलने की पूरी संभावना है। बस धैर्य रखें और जरूरी जानकारी संभालकर रखें, ताकि शिकायत करते समय कोई दिक्कत न हो।

अगस्त में हुंडई ने बेचीं 44,001 कारें

नई दिल्ली। हुंडई मोटर इंडिया कंपनी ने बीते महीने अगस्त में 44,001 यूनिट्स की बिक्री दर्ज कर महिंद्रा को पछाड़कर एक बार फिर देश की दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी बनने का खिताब हासिल कर लिया। भारत के ऑटो सेक्टर में अगस्त 2025 का महीना हुंडई मोटर इंडिया के लिए अहम साबित हुआ। हालांकि, बिक्री का यह आंकड़ा अगस्त 2024 की तुलना में करीब 11 प्रतिशत कम रहा, जब कंपनी ने 49,525 यूनिट्स बेची थीं। वहीं, जुलाई 2025 के 43,973 यूनिट्स की तुलना में बिक्री लगभग समान रही। बिक्री में सबसे ज्यादा योगदान क्रेटा का रहा, जिसकी 15,924 यूनिट्स बिकीं। लगातार 15 हजार से अधिक बिक्री के साथ क्रेटा हुंडई की रीढ़ साबित हो रही है। इसके अलावा वेन्यू की 8,109 यूनिट्स बिकीं। हालांकि यह पिछले साल से कम है, लेकिन न्यू-जेन मॉडल और जीएसटी प्राइस कट के बाद इसमें सुधार की उम्मीद है। ऑरा की बिक्री 5,336 यूनिट रही, जिसमें 24 प्रतिशत की वार्षिक ग्रोथ दर्ज हुई। माइक्रो एसयूवी एक्स्टर ने भी 5,000 से ज्यादा ग्राहकों को आकर्षित किया। वहीं, ग्रैंड आई 10 और आई20 की बिक्री क्रमश: 3,500 और 4,000 यूनिट रही। अल्काजार की बिक्री 1,187 यूनिट्स रही, जबकि वरना सिर्फ 771 ग्राहकों तक पहुंच सकी। टुक्सन की 57 और इलेक्ट्रिक मॉडल आयोनिक 5 की महज 14 यूनिट्स बिकीं। कंपनी आने वाले महीनों में कई नए मॉडल्स लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। इनमें 24 अक्टूबर को न्यू-जेन वेन्यू की लॉन्चिंग सबसे अहम होगी।

आईफोन 17 सीरीज की बिक्री शुरू, ऐप्पल स्टोर पर उमड़ी ग्राहकों की भारी भीड़

नई दिल्ली,19 सितंबर (एजेंसियां)।

भारत में ऐप्पल के आईफोन के दीवानों की कमी नहीं है। देशभर में आईफोन-17 सीरीज की बिक्री शुक्रवार से शुरू हो गई है। ऐप्पल के लेटेस्ट स्मार्टफोन आईफोन-17, आईफोन-17 प्रो, आईफोन-17 प्रो मैक्स और नए आईफोन एयर की लोगों में गजब डिमांड है।

आईफोन-17 खरीदने के लिए लोग बहुत बेताब दिख रहे हैं। आधी रात से ही नई दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और पुणे के ऐप्पल स्टोर्स के बाहर लंबी कतारें दिख रही है। ऐप्पल बीकेसी (मुंबई) और ऐप्पल साकेत (दिल्ली) में प्रवेश करने के लिए लोगों की लंबी कतार लगी हुई है। बेंगलुरु के मॉल ऑफ एशिया में खुले ऐप्पल हेब्बल स्टोर में अच्छी-खासी भीड़ नवीनतम ऐप्पल डिवाइस खरीदने के लिए आई है। ग्राहक ऐप्पल-17 के साथ ही ऐप्पल वॉच और एयरपॉड्स भी खरीद रहे हैं।

ऐप्पल आईफोन-17 सीरीज की चाहत रखने वाले पैसे लेकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। आईफोन-17 की कीमत 82,900 रुपये से शुरू है, जबकि आईफोन एयर 1,19,900 रुपये में उपलब्ध है। प्रो मॉडल 1,34,900 रुपये और प्रो मैक्स 1,49,900 रुपये की कीमत पर बिक रहा है। इन सभी मॉडल्स में 256जीबी स्टोरेज बेस है। 48मेगा पिकसल कैमरा, ए19 चिप और डिस्प्ले मुख्य फीचर्स हैं। प्री-ऑर्डर 12 सितंबर से शुरू हुए थे, लेकिन 8 बजे से ऐप्पल स्टोर्स खुलते ही भीड़ उमड़ पड़ी। ऐप्पल स्टोर्स के अलावा अमेजन, फ्लिपकार्ट, रिलायंस डिजिटल और क्रोमा पर भी बिक्री शुरू है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मोदी और यूनान के...

किए और संपर्क में बने रहने पर सहमति जताई।

गौरतलब है कि अगस्त 2023 में प्रधानमंत्री मोदी की ग्रीस यात्रा के दौरान दोनों देशों के संबंधों को 'रणनीतिक साझेदारी' के स्तर पर ले जाया गया था। फरवरी 2024 में मित्सोताकिस ने भारत का राजकीय दौरा किया था, जो 15 साल बाद ग्रीस से भारत में किसी राष्ट्राध्यक्ष/सरकार प्रमुख का पहला दौरा था। इस दौरान दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत और गहरा किया था।

दोनों नेताओं ने तब साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, स्वतंत्रता, अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा, नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय कानून (यूएनसीएलओएस सहित) के प्रति सम्मान, मानवाधिकारों, ऐतिहासिक संबंधों और लंबे समय से चले आ रहे रिश्तों को भारत-ग्रीस रणनीतिक संबंधों की नींव बताया था।

प्रधानमंत्री मोदी और मित्सोताकिस ने भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर (आईएमईईसी) पर भी चर्चा की थी, जिसका उद्देश्य भारत और यूरोप के बीच कनेक्टिविटी को बढ़ाना है। इसके तहत व्यापार, वाणिज्य, निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स, बंदरगाह और अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर बल दिया गया।

भारत-पाकिस्तान...

और प्रशासन के इर्द-गिर्द ऐसे लोगों का एक समूह है, जो दुनिया के भरोसे हैं और पाकिस्तान के साथ काफी व्यापार कर रहे हैं। और इसी वजह से वे यहां आए हैं। मुझे नहीं लगता कि यह कोई खास रणनीतिक बदलाव है। मुझे लगता है कि यह अवसरवाद है और कुछ पैसों का मामला है। काश ऐसा न होता। अमेरिका को इस तरह नहीं चलना चाहिए। लेकिन जो कोई भी इस बारे में रिपोर्टिंग देख रहा है, वह इस सच्चाई को नजरअंदाज नहीं कर सकता।

जहरीली जुबान...

सरकार की नीतियां, जैसे मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया, युवाओं को रोजगार और नवाचार के अवसर प्रदान करेंगी। शाह ने जोर देकर कहा कि भारत की एकता और अखंडता को कोई चुनौती नहीं दे सकता, और सरकार हर खतरे का जवाब देने के लिए तैयार है।

सऊदी अरब आपसी ...

पाकिस्तान सऊदी अरब का एक प्रमुख सहयोगी रहा है और दोनों पक्षों के बीच रक्षा क्षेत्र में संबंध हैं। अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए टैरिफ के बीच विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बड़ा अपडेट दिया है. उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौते को लेकर बातचीत आगे बढ़ रही है. विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इसके अलावा सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुए समझौते पर भी भारत की ओर से प्रतिक्रिया दी।जायसवाल ने बताया कि 16 सितंबर 2025 को सहायक अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ब्रेंडन लिंच के नेतृत्व में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल ने वाणिज्य मंत्रालय में बैठकें कीं. बातचीत सकारात्मक और दूरदर्शी रही और व्यापार समझौते के कई पहलुओं पर चर्चा हुई. उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष जल्द से जल्द एक पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते पर पहुंचने के लिए प्रयास तेज करेंगे।

चुनाव आयोग ...

इन दलों को हटाने से पहले, निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए, संबंधित राज्यों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। इन नोटिसों के जवाब में दलों को सुनवाई का अवसर दिया जाएगा, और अंतिम निर्णय मुख्य कार्यकारी अधिकारियों की रिपोर्ट के आधार पर लिया जाएगा।

ईसीआई का यह कदम न केवल चुनाव प्रणाली को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करता है कि केवल सक्रिय और नियमों का पालन करने वाले दल ही पंजीकृत रहें। यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा ताकि चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता और पारदर्शिता बनी रहे।दूसरे चरण में हटाए गए आरयूपीपी की सर्वाधिक संख्या 121 उत्तर प्रदेश से है। वहीं, तीसरे चरण के अंतर्गत की जा रही कार्रवाई में भी सर्वाधिक 127 संख्या उत्तर प्रदेश से ही है।

सिंगर जुबीन ...

जुबीन गर्ग को उनके संगीत और फिल्मों के लिए कई पुरस्कार मिले। 2009 में उन्हें 55वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ संगीत निर्देशन के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा, उन्होंने कई क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार भी प्राप्त किए, जिनमें स्क्रीन अवार्ड्स, फिल्मफेयर पुरस्कार, आईफा पुरस्कार और कई अन्य सम्मान शामिल हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में ...

एस -400 की रेंज उनके हथियारों की रेंज से कहीं अधिक थी, इसलिए उनके एयरक्रॉफ्ट हथियार छोड़ने की सीमा तक भी नहीं आ सके और जो आते भी थे, उन्हें नुकसान का सामना करना पड़ता था। इसलिए यह एक गेम चेंजर था।राजधानी दिल्ली में एक कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि पहलगाम में हुए कायराना आतंकवादी हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिए भारत ने अपने दुश्मन को दिखा दिया कि देश की जवाबी कार्रवाई कितनी मजबूत हो सकती है। राजनाथ सिंह ने यह भी कहा कि जिस समन्वय और साहस के साथ भारत के सशस्त्र बलों ने इस ऑपरेशन को अंजाम दिया, उससे यह साबित हो गया है कि विजय अब हमारे लिए अपवाद नहीं है। राजनाथ सिंह ने कहा,, हमारे प्रधानमंत्री ने यह संकल्प लिया है कि इस बार आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाया जाएगा जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की होगी।

नेक्सा एवरग्रीन...

इसी पैटर्न पर राजस्थान के सीकर और मध्य प्रदेश के ग्वालियर में भी मामले दर्ज हुए हैं।जांच में पता चला है कि पीड़ितों से वसूले गए पैसे नेक्सा एवरग्रीन डेवलपर्स धोलेरा और 9 ओक डेवलपर्स धोलेरा के बैंक खातों में जमा किए गए थे। जुगल किशोर इन फर्मों का अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता था और दिल्ली के शाहदरा से अपना ऑफिस चला रहा था।

पुलिस ने बताया कि अधिकांश पीड़ित सरकारी कर्मचारी हैं। कंपनी ने धोलेरा क्षेत्र में करीब 1,200 बीघा जमीन खरीदने का दावा किया था, हालांकि जांच में 168 एकड़ जमीन की ही पुष्टि हुई है। जुगल किशोर ने गिरफ्तारी से बचने के लिए अपना घर बेच दिया था और छिप रहा था।

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने लोगों को आगाह किया है कि ऊंचे रिटर्न का वादा करने वाली किसी भी योजना में निवेश करने से पहले अच्छी तरह से जांच-पड़ताल करें। किसी भी कंपनी की वैधता की पुष्टि आरओसी, सेबी या आरबीआई से अवश्य करें।

सैनिकों और सेनाओं...

बल्कि हौसले और दृढ प्रतिज्ञा से जीता जाता है।

असल उत्तर की लड़ाई और उसमें अपनी बहादुरी से दुश्मन के अनेकों टैंकों को भस्म करने वाले परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हमीद का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस लड़ाई और इस रणबांकुरें के रणकौशल ने यह सिखाया कि हथियारों से वीरता का पता नहीं चलता बल्कि सैनिकों के दिल से पता चलता है । उन्होंने कहा , वह पल हर भारतीय के सीने को गर्व से चौड़ा कर देता है। उनकी वीरता हमें सिखाती है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी साहस, संयम और देशभक्ति का संगम, असंभव को संभव बना सकता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शस्त्री की इच्छाशक्ति को जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, कोई भी युद्ध केवल रणक्षेत्र में नहीं लड़ा जाता, बल्कि युद्ध में जो विजय मिलती है, वह पूरे राष्ट्र के सामूहिक संकल्प का फल होता है। वर्ष 1965 के उस कठिन समय में, जब चारों ओर अनिश्चितता और चुनौतियाँ थीं, तब श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की दृढ़ इच्छाशक्ति वाले नेतृत्व में देश ने उन चुनौतियों का सामना किया। शास्त्री जी ने उस दौर में न केवल निर्णायक राजनीतिक नेतृत्व दिया, बल्कि पूरे देश के मनोबल को ऊँचाई तक पहुँचाया। उन्होंने एक ऐसा नारा दिया जो आज भी हमारे हृदय में गूंजता है, 'जय जवान, जय किसान।' इस एक नारे में हमारे वीर सैनिकों के सम्मान के साथ-साथ हमारे अन्नदाताओं का गौरव भी शामिल था। रक्षा मंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से ही राष्ट्र के रूप में भारत अपने पड़ोसियों के मामले में उतना भाग्यशाली नहीं रहा है। हमेशा देश के समक्ष किसी न किसी तरह से चुनौतियां आई हैं। लेकिन भारतवासियों की यही विशेषता है, कि वे चुनौतियों को प्रारब्ध मानकर नहीं बैठ गए। हमने मेहनत की और अपने प्रारब्ध का निर्माण, अपनी नियति का निर्माण खुद कियाऑपरेशन सिंदूर के दौरान स्वदेशी हथियारों की कामयाबी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा , किसी भी राष्ट्र का वास्तविक भाग्य, उसके खेतों में, कारखानों में, प्रयोगशालाओं में और रणभूमि में बहाए गए पसीने से बनता है। हमारे नागरिकों ने अब तक यह सिद्ध किया है, कि भारत अपना भाग्य किसी और के भरोसे नहीं छोड़ता, भारत अपना भाग्य खुद गढ़ता है। इसका एक उदाहरण हमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी देखने को मिला। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया है कि जीत अब भारत के लिए कोई अपवाद नहीं बल्कि जीत हमारी आदत बन चुकी है। और यह आदत हमें हमेशा बरकरार रखनी होगी।

सर्वपितृ अमावस्या कल

सर्व पितृ अमावस्या पर श्रद्धा और विश्वास के साथ दें पितरों को विदाई

श्राद्ध पक्ष चल रहे हैं और अब सभी को सर्वपितृ अमावस्या का इंतजार है। उस दिन ज्ञात-अज्ञात पिरतों का श्राद्ध किया जाता है। इस बार सर्वपितृ अमावस्या 21 सितंबर को है। इसे आश्विन अमावस्या, बड़मावस और दर्श अमावस्या भी कहा जाता है। आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को सर्वपितृ अमावस्या कहा जाता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि इस समय पितरों का दिन पितृपक्ष चल रहा है। पितृपक्ष 21 सितंबर तक रहेगा। सर्व पितृ अमावस्या श्राद्ध पक्ष का अंतिम दिन होता है। यह पितरों की विदाई का दिन होता है। इसे पितृ विसर्जन अमावस्या के नाम से भी जाना जाता है। 21 सितंबर के दिन सर्व पितृ अमावस्या है। हिन्दू पंचांग के अनुसार आश्विन मास की अमावस्या पितृ अमावस्या कहलाती है। यह अमावस्या पितरों के लिए मोक्षदायनी अमावस्या मानी जाती है। पितृ पक्ष में सर्व पितृ अमावस्या को सबसे अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन श्राद्ध पक्ष का समापन होता है और पितृ लोक से आए हुए पितृजन अपने लोक लौट जाते हैं। पितृ विसर्जन अमावस्या के दिन ब्राह्मण भोजन तथा दान आदि से पितृजन तृप्त होते हैं और जाते समय अपने पुत्र, पौत्रों और परिवार को आशीर्वाद देकर जाते हैं। सर्वपितृ अमावस्या पर दुर्लभ शुभ और शुक्ल योग समेत कई मंगलकारी योग बन रहे हैं। इन योग में पितरों की पूजा करने से व्यक्ति विशेष पर पूर्वजों की विशेष कृपा बरसेगी।

सनातन धर्म में सर्व पितृ अमावस्या का खास महत्व होता है। यही वो दिन होता है जब पूरे पितृपक्ष में जिन पूर्वजों का श्राद्ध किसी कारणवश नहीं हो पाया हो, उनका तर्पण, पिंडदान और श्राद्ध करके उन्हें श्रद्धांजलि दी जाती है। मान्यता है कि इस दिन पितृलोक से आए हुए सभी पितर अपने-अपने श्राद्ध की प्रतीक्षा करते हैं और इस दिन विधिपूर्वक किए गए कर्मों से तृप्त होकर वापस अपने लोक लौट जाते हैं।

हिंदू पंचांग के अनुसार, आश्विन माह की अमावस्या तिथि इस बार 20 सितंबर की रात 12:16 बजे से शुरू होकर 21 सितंबर की रात 1:23 बजे तक रहेगी। यह समय पितरों की याद में किए जाने वाले श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान के लिए बेहद शुभ माना जाता है। इस दिन उन पितरों का श्राद्ध किया जाता है जिनकी मुत्यु की तिथि याद ना हो। एक तरह से सभी भूले बिसरों को इस याद कर उनका तर्पण किया जाता है। ब्रह्म पुराण के अनुसार जो वस्तु उचित काल या स्थान पर पितरों के नाम पर उचित विधि से दिया जाता है, वह श्राद्ध कहलाता है। सर्व पितृ अमावस्या के दिन भी भोजन बनाकर इसे कौवे, गाय और कुत्ते के लिए निकाला जाता है। ऐसा कहा जाता है कि पितर देव ब्राह्मण और पशु पक्षियों के रूप में अपने परिवार वालों दिया गया तर्पण स्वीकार कर उन्हें खूब आशीर्वाद देते हैं। इस दिन अपने पूर्वजों के निमित्त के योग्य विद्वान ब्राह्मण को आमंत्रित कर भोजन कराना चाहिए। इसके अलावा आप गरीबों को भी अन्न का दान कर सकते हैं। पितरों के निमित्त श्राद्ध 11:36 बजे से 12:24 बजे में ही करना चाहिए।

माना जाता है कि जो व्यक्ति श्रद्धा और विश्वास से नमन कर अपने पितरों को विदा करता है उसके पितृ देव उसके घर-परिवार में खुशियां भर देते हैं। जिस घर के पितृ प्रसन्न होते हैं पुत्र प्राप्ति और मांगलिक कार्यक्रम उन्हीं घरों में होते हैं। पितृ अमावस्या के दिन सुबह जल्दी उठकर बिना साबुन लगाए स्नान करें और फिर साफ-सुथरे कपड़े पहनें। पितरों के तर्पण के निमित्त सात्विक पकवान बनाएं और उनका श्राद्ध करें। शाम के समय सरसों के तेल के चार दीपक जलाएं। इन्हें घर की चौखट पर रख दें। एक दीपक लें। एक लोटे में जल लें। अब अपने पितरों को याद करें और उनसे यह प्रार्थना करें कि पितृपक्ष समाप्त हो गया है इसलिए वह परिवार के सभी सदस्यों को आशीर्वाद देकर अपने लोक में वापस चले जाएं। यह करने के पश्चात जल से भरा लोटा और दीपक को लेकर पीपल की पूजा करने जाएं। वहां भगवान विष्णु जी का स्मरण कर पेड़ के नीचे दीपक रखें जल चढ़ाते हुए पितरों के आशीर्वाद की कामना करें। पितृ विसर्जन विधि के दौरान किसी से भी बात ना करें।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

सर्व पितृ अमावस्या तिथि

हिंदू पंचांग के अनुसार, आश्विन माह की अमावस्या तिथि सर्व पितृ अमावस्या इस बार 20 सितंबर की रात 12:16 बजे से शुरू होकर 21 सितंबर की रात 1:23 बजे तक रहेगी। यह समय पितरों की याद में किए जाने वाले श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान के लिए बेहद शुभ माना जाता है। इस दिन को कई मायनों में महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन पितरों के लिए किया गया तर्पण उन्हें मोक्ष प्रदान करता है।

शुभ और शुक्ल योग

इस दिन संध्या तक सायं 7:52 बजे तक शुभ योग रहेगा, जो पितरों के श्राद्ध और तर्पण के लिए अत्यंत फलदायक होता है। इसके बाद शुक्ल योग का संयोग बनेगा। इस शुभ योग में किए गए तर्पण से पितरों की कृपा बनी रहती है।

सर्वार्थ सिद्धि योग

प्रात: 9:32 बजे से शुरू होने वाला यह योग पूरे दिन और रात भर बना रहेगा। इस योग में पितरों को तर्पण करने से व्यक्ति को हर प्रकार के शुभ कार्यों में सफलता मिलती है और पितृ कृपा बनी रहती है।

शिववास योग

यह योग भी इस दिन देर रात तक बना रहेगा। इस दौरान भगवान शिव, माता पार्वती के साथ कैलाश पर्वत पर विराजमान होते हैं। इस समय किए गए तर्पण से पितृ दोष का नाश होता है और जीवन में शांति आती है।

ऐसे करें पितरों का तर्पण

सर्व पितृ अमावस्या के दिन सुबह जल्दी स्नान करके स्वच्छ कपड़े पहनकर पितरों को श्राद्ध दें। अपने परिजनों का पिंडदान या तर्पण जैसा अनुष्ठान किया जाता तब इसमें परिवार के बड़े सदस्यों को करना चाहिए। पितरों को तर्पण के दौरान जौ के आटे, तिल और चावल से बने पिंड अर्पण करना चाहिए।

अर्पित करें भोजन

सर्व पितृ अमावस्या के दिन बने भोजन को सबसे पहले कौवे, गाय और कुत्तों को अर्पित करना चाहिए। मान्यता है पितरदेव ये रूप धारण कर भोज करने आते हैं। कौए को यम का दूत माना जाता है।

पीपल के पेड़ के नीचे जलाएं दीपक

पितृ मोक्ष अमावस्या के दिन सुबह जल्दी उठकर पितरों के निमित्त घर बना मिष्ठान व शुद्ध जल की मटकी पीपल के पेड़ के नीचे अपने पितरों के निमित्त रखकर वहां दीपक जलाना चाहिए।

ब्राह्मणों को दान-दक्षिणा

इस दिन ब्राह्मणों को भोजन और दान-दक्षिणा के साथ अग्नि और गुरुड़ पुराण का पाठ करवाना चाहिए और पितृपक्ष से संबंधित मंत्रों का जाप करना चाहिए।

जलाएं चौमुखा दीप

मोक्ष अमावस्या के दिन अपने पितरों के लिए चौमुखा दीपक रखें। यह दीपक सूर्यास्त के बाद घर की छत पर रखें और ध्यान रखें कि आपका मुख दक्षिण दिशा में हो।

देशी घी का दीपक

सर्व पितृ अमावस्या के दिन शाम के समय घर के ईशान कोण में पूजा वाले स्थान पर गाय के घी का दीपक जलाएं। ऐसा करने से आपको सभी सुखों की प्राप्ति होगी।

मछलियों को खिलाएं

सर्व पितृ अमावस्या के दिन आटे की गोलियां बनाकर किसी तालाब या नदी के किनारे जाकर ये आटे की गोलियां मछलियों को खिला दें। ऐसा करने से करने से आपकी सभी परेशानियों का अंत होगा।

चीटियों को खिलाएं

सर्व पितृ अमावस्या पर काली चीटियों को शक्कर मिला हुआ आटा खिलाएं। ऐसा करने से आपको सभी पापों से मुक्ति मिलेगी।

सर्व पितृ अमावस्या की पौराणिक कथा

सर्व पितृ अमावस्या की पौराणिक कथा के अनुसार श्रेष्ठ पितृ अग्निष्वात और बर्हिषपद की मानसी कन्या अक्षोदा घोर तपस्या कर रही थीं। वह तपस्या में इतनी लीन थीं कि देवताओं के एक हजार वर्ष बीत गए। उनकी तपस्या के तेज से पितृ लोक भी प्रकाशित होने लगा और सभी श्रेष्ठ पितृगण अक्षोदा को वरदान देने के लिए एकत्र हुए। उन्होंने अक्षोदा से कहा कि हे पुत्री हम सभी तुम्हारी तपस्या से बहुत प्रसन्न हैं इसलिए जो चाहों वर मांग लो। लेकिन अक्षोदा ने पितरों की तरफ ध्यान नहीं दिया। वहीं उनमें से अति तेजस्वीं पितृ अमावसु को बिना पलके झपकाए देखती रहीं। पितरों के बार- बार कहने पर उसने कहा कि हे भगवान क्या आप मुझे सच में वरदान देना चाहते हैं। इस पर तेजस्वीं पितृ अमावसु ने कहा हे अक्षोदा वरदान मांगो। अक्षोदा ने कहा कि अगर आप मुझे वरदान देना चाहते हैं तो मैं इसी समय आपके साथ आनंद चाहती हूं। अक्षोदा की यह बात सुनकर सभी पितृ क्रोधित हो उठे और उन्होने अक्षोदा को श्राप दे दिया कि वह पितृ लोक से पतित होकर पृथ्वीं लोक पर जाएगी। जिसके बाद अक्षोदा पितरों से क्षमा याचना करने लगी। इस पर पितरों को दया आ गई और उन्होंने कहा कि तुम पृथ्वीं लोक पर मत्सय कन्या के रूप में जन्म लोगी। वहां पराशर ऋषि तुम्हें अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार करेंगे और तुम्हारे गर्भ से व्यास जन्म लेंगे। जिसके बाद तुम पुन: पितृ लोक में वापस आ जाओगी। अक्षोदा के इस अधर्म के कार्य को अस्वीकार करने पर सभी पितरों ने अमावसु को आर्शीवाद दिया कि हे अमावसु आज यह तिथि आपके नाम से जानी जाएगी। जो भी व्यक्ति वर्ष भर में श्राद्ध या तर्पण नहीं कर पाता और अगर वह इस तिथि पर श्राद्ध और तर्पण करता है तो उसे सभी तिथियों का पूर्ण फल प्राप्त होगा।

कल सूर्य ग्रहण और 22 सितंबर से शुरू होगी शारदीय नवरात्रि

भारत में नहीं दिखेगा सर्व पितृ अमावस्या का सूर्य ग्रहण

21 सितंबर सर्व पितृ मोक्ष अमावस्या को सूर्य ग्रहण है। ये ग्रहण भारत में नहीं दिखेगा। इसलिए देश में इसका सूतक भी नहीं रहेगा। जिन जगहों पर ये ग्रहण दिखेगा, वहां ग्रहण शुरू होने से 12 घंटे पहले सूतक शुरू हो जाएगा और ग्रहण खत्म होने तक रहेगा। ये सूर्य ग्रहण भारतीय समयानुसार 21 सितंबर की रात 11 बजे से शुरू होगा और रात 3.24 बजे खत्म होगा। ये सूर्य ग्रहण होगा, न्यूजीलैंड, पश्चिमी अंटार्कटिका के आसपास के क्षेत्रों में दिखाई देगा। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि साल का आखिरी सूर्य ग्रहण भारतीय समय अनुसार रात में लगेगा। जिसके कारण यह भारत में नजर नहीं आएगा और भारत में इस सूर्य ग्रहण का सूतक काल मान्य नहीं होगा। सूर्य ग्रहण 21 सितंबर 2025 को लगेगा और यह भारत में नहीं दिखेगा। यह भी आंशिक सूर्य ग्रहण होगा और न्यूजीलैंड, पैसिफिक व अंटार्कटिका में दिखाई देगा। ज्योतिष शास्त्र में सूर्य एवं चंद्र ग्रहण का विशेष महत्व है। इस दौरान शुभ कार्य और पूजा-पाठ करने की मनाही होती है। लापरवाही करने या बरतने से शारीरिक और मानसिक सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

वैसे तो सूर्य ग्रहण एक खगोलीय घटना है, लेकिन शास्त्रों में ग्रहण की मान्यताएं राहु और केतु से जुड़ी हैं। माना जाता है कि राहु सूर्य-चंद्र को ग्रसता है, इस कारण ग्रहण होते हैं। दूसरी ओर वैज्ञानिक वजह ये है कि जब सूर्य और पृथ्वी की बीच में चंद्र आ जाता है, और ये तीनों ग्रह एक सीधी लाइन में होते हैं, तब चंद्र पृथ्वी तक सूर्य की रोशनी आने से रोक देता है। पृथ्वी पर चंद्र की छाया पड़ने लगती है, इसे ही सूर्य ग्रहण कहते हैं। पितृ पक्ष पूर्वजों को याद करने और उनके लिए धर्म-कर्म करने का उत्सव है। घर-परिवार के मृत सदस्यों को पितर देव माना जाता है। पितृ पक्ष में इन्हें याद करते हुए धूप-ध्यान करने की परंपरा है। इन दिनों में पितरों के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान जैसे कर्म भी किए जाते हैं।

21 सितंबर को सर्व पितृ अमावस्या

पितृ पक्ष के दौरान जिन लोगों की मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं होती, वे पितृ पक्ष की अमावस्या पर श्राद्ध कर सकते हैं। इस बार अमावस्या तिथि 21 सितंबर को पड़ रही है। इस दिन विशेष पिंडदान और तर्पण कर पितरों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की जाती है।

सर्व पितृ अमावस्या पर करें ये शुभ काम

चूंकि ये भारत में ये ग्रहण दिखाई नहीं देगा, इसलिए सूतक काल के नियम यहां लागू नहीं होंगे। सर्व पितृ मोक्ष अमावस्या से जुड़े धर्म-कर्म पूरे दिन किए जा सकेंगे। इस दिन पितृ पक्ष खत्म होता है। इस अमावस्या पर पितरों के लिए धूप-ध्यान जरूर करना चाहिए। इस दिन अनाज, वस्त्र या धन का दान करना शुभ माना जाता है। गौशाला में गायों के देखभाल के लिए धन का दान करें, गायों को हरी घास खिलाएं। बच्चों को पढ़ाई की चीजें दान करें। अमावस्या पर गंगा, यमुना, नर्मदा, शिप्रा जैसी पवित्र नदियों में स्नान करने की भी परंपरा है। अगर नदी में स्नान नहीं कर पा रहे हैं तो घर पर पानी में गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। स्नान के बाद दान-पुण्य जरूर करना चाहिए। भगवान विष्णु और महालक्ष्मी का अभिषेक करें। पीपल को जल चढ़ाएं और परिक्रमा करें। हनुमान जी के सामने दीपक जलाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें। शिवलिंग पर जल चढ़ाएं और ऊँ नम: शिवाय मंत्र का जप करें। श्रीकृष्ण का अभिषेक करें और माखन मिश्री का भोग लगाएं। कृं कृष्णाय नम: मंत्र का जप करें।

21 सितंबर को दूसरा सूर्य ग्रहण

दूसरा सूर्य ग्रहण 21 सितंबर की रात्रि में लगेगा, जो आश्विन मास की कृष्ण पक्ष अमावस्या के दिन रात 22:59 बजे से शुरू होकर 22 सितंबर की सुबह 03:23 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस पूर्ण ग्रहण को न्यूजीलैंड, फिजी, अंटार्कटिका और ऑस्ट्रेलिया के दक्षिणी भागों में देखा जा सकेगा। यह ग्रहण भी भारत में दिखाई नहीं देगा, इसलिए यहां इसका धार्मिक प्रभाव भी नहीं होगा और न ही इसका सूतक काल मान्य होगा। साल का दूसरा ग्रहण कन्या राशि और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में आकार लेगा। इस दौरान सूर्य, चंद्रमा और बुध के साथ कन्या राशि में स्थित होंगे और उन पर मीन राशि में बैठे शनि देव की पूर्ण दृष्टि रहेगी। इससे दूसरे भाव में तुला राशि में मंगल होंगे, छठे भाव में कुंभ राशि में राहु, दशम भाव में बृहस्पति और द्वादश भाव में शुक्र और केतु की युति होगी। कन्या राशि और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में जन्मे लोगों के लिए यह सूर्य ग्रहण विशेष रूप से प्रभावशाली हो सकता है।

कहां-कहां दिखेगा सूर्य ग्रहण

यह ग्रहण दक्षिण अमेरिका, उत्तरी-अमेरिका के दक्षिणी भागों, प्रशान्त महासागर, एटलांटिक महासागर और न्यूजीलैंड, फिजी आदि देशों में कुछ समय के लिए दिखाई देगा। दिखाई देने वाले मुख्य देश होंगे-चिली, अर्जेंटीना, ब्राज़ील, मैक्सिको, पेरू, न्यूजीलैंड और फिजी में हालांकि, यहां भी बहुत कम समय के लिए दिखाई देगा। इस ग्रहण की कंकण कृति केवल दक्षिणी चिली और दक्षिणी अर्जन्टीना में ही दिखाई देगी।

भारत में मान्य नहीं होगा सूतक काल

सूर्य ग्रहण लगने से 12 घंटे पहले इसका सूतक काल शुरू हो जाता है और ग्रहण लगने के बाद तक रहता है, लेकिन यह सूर्य ग्रहण भारत में नहीं देखा जा सकेगा, इसलिए यहां पर इसका सूतक काल भी मान्य नहीं होगा।

ग्रहण प्रारंभ रात में 10:59 मिनट पर (भारत के समयानुसार)

ग्रहण का मध्य 1:59 मिनट पर (भारत के समयानुसार)

ग्रहण समाप्त रात में रात में 3:23 मिनट पर।

22 सितंबर से शुरू होगी शारदीय नवरात्रि

मां दुर्गा की पूजा का महा उत्सव शारदीय नवरात्रि 22 सितंबर से शुरू हो रहा है। 1 अक्टूबर को दुर्गा नवमी के साथ नवरात्रि का समापन होगा। इस बार ये पर्व 9 नहीं, 10 दिनों का होगा। ये अद्भुत संयोग लगभग 9 साल बाद बन रहा है। इससे पहले 2016 में भी नवरात्रि 10 दिनों की थी। इस साल नवरात्रि की तृतीया तिथि दो दिन रहेगी, इस कारण देवी पूजा के लिए भक्तों को एक अतिरिक्त दिन मिलेगा और भक्त 10 दिनों तक नवरात्रि मना पाएंगे। पंचांग के अनुसार, 24 और 25 सितंबर को दोनों दिन तृतीया तिथि रहेगी। नवरात्रि की समाप्ति के बाद इस बार दशहरा 2 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

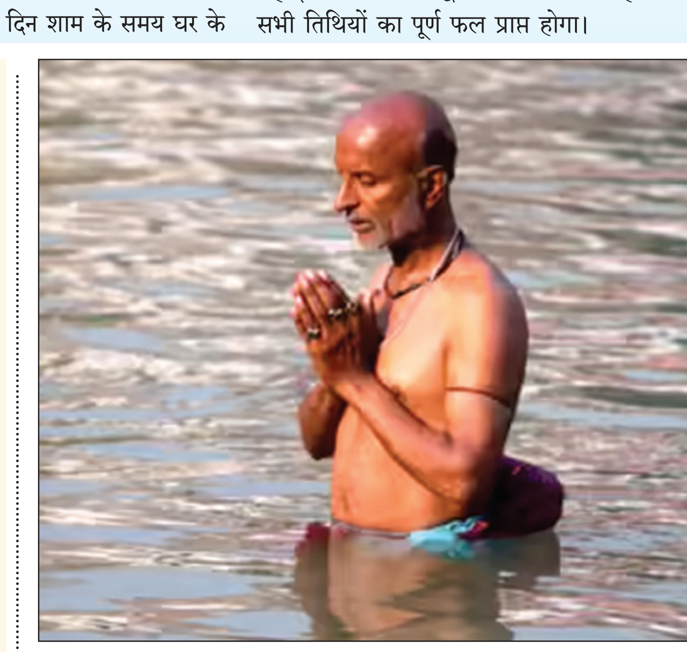

पितरों की मुक्ति के लिए त्रिवेणी संगम में लगाए डुबकी !

तीर्थों के राजा तीर्थराज प्रयागराज की महिमा अद्भुत है। आस्था की नगरी में प्रतिवर्ष असंख्य श्रद्धालु दूर-दराज से आकर भिन्न-भिन्न कामनाओं की पूर्ति हेतु त्रिवेणी संगम में पुण्य की डुबकी लगाकर दान-पुण्य कर्म करते हैं। जहां माघ मास में संगम स्नान का अक्षय पुण्य फल प्राप्त होता है, वहीं आश्विन मास पितृ पक्ष के दौरान श्राद्ध आदि कर्मों के निमित्त संगम क्षेत्र का महत्व सर्वाधिक है।

अक्षय क्षेत्र की मान्यताएं- गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती के मिलन का त्रिवेणी संगम क्षेत्र अक्षय कहलाता है, अक्षय का अभिप्राय यहां किये जाने वाले दान-पुण्य कर्म से है, जो जन्म जन्मान्तरों तक संचित होकर अक्षय पुण्य प्रदान करता है, इसलिए श्रद्धालु पितरों की मुक्ति के लिए पितरों के नाम की डुबकी भी त्रिवेणी संगम में लगाते हैं। प्रचलित मान्यताओं के अनुसार जहां अन्य तीर्थ, स्नान और दान कर्ता का कल्याण करते हैं, वहीं तीर्थों का राजा प्रयागराज न केवल स्नान, दान करने वाले व्यक्ति का कल्याण करता है, अपितु उनके पूर्वज पितृगण के निमित्त त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाने पर उन्हें भी मुक्ति प्रदान करता है।

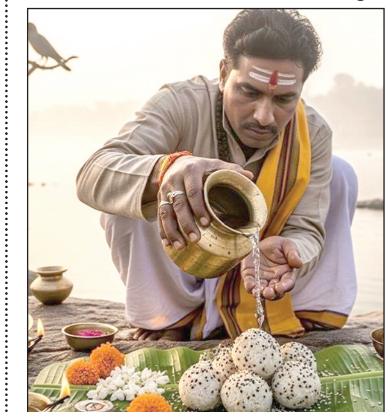

तीर्थराज प्रयागराज में श्राद्ध आदि कर्म करने पर कई पीढ़ियों का उद्धार होता है। भारतीय वांग्मय में तीर्थ का अभिप्राय उस क्षेत्र से है, जहां जाने पर पवित्रता का संचार हो, पुण्य का संचय हो, पापों का नाश हो और मोक्ष की प्राप्ति हो। यह सब प्रयागराज के संगम क्षेत्र पर गंगा, यमुना और अदृश्य सरस्वती की गोद में सर्वसुलभ है। तीर्थों के राजा प्रयागराज के त्रिवेणी संगम क्षेत्र में श्रद्धापूर्वक पितरों के निमित्त किया गया कोई भी कर्म अक्षय पुण्य अर्जित कर मोक्ष का हेतु बनता है। श्राद्ध पक्ष में संगम तट पर पितरों के निमित्त किया गया पिण्डदान, तर्पण, अथवा कोई भी पुण्य कार्य, दिवंगत व्यक्ति की संतान द्वारा अर्जित पुण्य के माध्यम से पितरों तक पहुंचता है। तीर्थराज का संगम क्षेत्र, पितृ मुक्ति के लिए स्वर्ग की सीढ़ी कहा गया है।

चार्ट बस्टर और कल्चरल आइकन

भारत के 5 सबसे प्रभावशाली संगीतकार

भारतीय सिनेमा के संगीत जगत में उन संगीतकारों ने एक नई दिशा दी है, जिन्होंने अब क्षेत्रीय सीमाओं को पार करते हुए ऐसी धुनें रची हैं जो कश्मीर से कन्याकुमारी और यहाँ तक कि पूरी दुनिया में गूंजती हैं। ये संगीत के उस्ताद सिर्फ़ गीत ही नहीं रचते। वे ऐसी कल्चरल फेनोमेना रचते हैं जो भाषाओं, पीढ़ियों और भौगोलिक सीमाओं के पार विविध दर्शकों को एक साथ लाती हैं। उनकी रचनाएँ हमारे जीवन का संगीत बन जाती हैं, सोशल मीडिया पर वायरल ट्रेंड हो जाती हैं, और ऐसी अमर धुनें जो भारतीय मनोरंजन के युगों को परिभाषित करती हैं। आइए जानें उन पाँच संगीतकारों के बारे में, जिन्होंने पैन-इंडिया अपील की कला में सचमुच महारत हासिल कर ली है।

रॉकस्टार डीएसपी: 'रॉकस्टार' केवल उपनाम नहीं है, बल्कि डीएसपी (देवी श्री प्रसाद) की उस क्षमता का प्रमाण है जो पूरे देश को नचाने का दम रखते है। उन्होंने लगाता ऐसी धुनें दी है जो न केवल भाषा की दीवारों को तोड़ती हैं, बल्कि हर पार्टी की जान बन जाती हैं। आर्या, गब्बर सिंह, रंगस्थलम और पुष्पा 1 और 2 जैसे एल्बमों ने तेज़-तर्रार डांस नंबर्स से लेकर दिल को छू लेने वाले रोमांटिक गीतों तक, दोनों की रचना करने की बहुमुखी प्रतिभा को दर्शाया है।

हालाँकि, पुष्पा 1 और 2 एल्बम, विशेष रूप से ऊ अंतावा ऊ ऊ अंतावा ने उन्हें एक वैश्विक सुपरस्टार बना दिया। यह गाना सिर्फ़ हिट नहीं हुआ, बल्कि एक संस्कृतिक तूफान बन गया। सोशल मीडिया पर लाखों रील्स, इंटरनेशनल डांस कवर्स और ग्लोबल सेलेब्रिटीज़ की प्रतिक्रियाओं ने इसे इतिहास में दर्ज कर दिया। सामंथा की परफॉर्मेंस और गाने की बीट ने पूरी दुनिया को बता दिया कि भारतीय संगीत में भी ग्लोबल चार्म है।

ए.आर. रहमान: 'मद्रास का मोज़ार्ट' कहे जाने वाले ए.आर. रहमान को परिचय की आवश्यकता नहीं। उन्होंने पारंपरिक भारतीय संगीत को वैश्विक शैलियों के साथ इस तरह मिलाया कि एक अद्वितीय संगीत शैली उभरी। रोज़ा में उनके अभूतपूर्व काम ने एक संगीत प्रतिभा के आगमन की घोषणा की, जबकि बॉम्बे और दिल से ने उनकी पैन इंडिया अपील को साबित किया। उनका शानदार रचना 'लगान' और विश्व स्तर पर प्रशंसित 'स्लमडॉग मिलियनेयर' साउंडट्रैक ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचाने जाने वाले संगीतकार के रूप में स्थापित किया। जय हो, वन्दे मातरम, और कुन फाया कुन जैसे गीत दुनिया भर में बसे भारतीयों के दिलों में बसे हैं। रहमान ने ये साबित किया है कि संगीत में गहराई और लोकप्रियता एक साथ निभाई जा सकती है।

एम.एम. कीरावनी: आरआरआर द्वारा दुनिया का ध्यान आकर्षित करने और 'नाटू नाटू' के लिए अकादमी पुरस्कार और गोल्डन ग्लोब जीतने से पहले ही, एम.एम. कीरावनी दक्षिण भारतीय सिनेमा में एक प्रतिष्ठित नाम थे। निर्देशक एस.एस. राजामौली के साथ उनके सहयोग ने भारतीय सिनेमा के इतिहास के कुछ सबसे यादगार साउंडट्रैक तैयार किए हैं। मगधीरा, ईगा और बाहुबली जैसे एल्बमों ने महाकाव्य, ऑर्केस्ट्रा रचनाएँ रचने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित किया। 'नाटू नाटू' की उर्जावान बीट्स और उल्लासमयी भावनाएं इसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर हिट बना गईं। साहोरे बाहुबली और हंसा नावा जैसे गीतों ने भारतीय सिनेमा में भव्यता और भावनात्मक गहराई का मानक स्थापित किया है।

शंकर-एहसान-लॉय: यह तिकड़ी भारतीय शास्त्रीय संगीत, रॉक और इलेक्ट्रॉनिक संगीत का अद्भुत संगम है। शंकर महादेवन का शास्त्रीय ज्ञान, एहसान नूरानी की रॉक झलक और लॉय मेंडोंसा की आधुनिकता मिलकर एक ऐसा संगीत रचते हैं जो हर दिल को छू जाए। दिल चाहता है ने युवा संगीत की परिभाषा बदली। जिंदगी ना मिलेगी दोबारा, रॉक ऑन!!, कल हो ना हो, कजरा रे और गल्लां गुड़ियां जैसे गीतों ने उनकी बहुमुखी प्रतिभा को प्रदर्शित किया। तारे ज़मीन पर और माई नेम इज़ ख़ान के लिए तिकड़ी की रचनाएँ उनकी भावनात्मक विविधता को दर्शाती हैं, यह साबित करती हैं कि वे समान कुशलता से उत्सव गीत और आत्मा को झकझोर देने वाली धुनें, दोनों रच सकते हैं।

कंदुकोंदैन कंदुकोंदैन और अलाईपायुथे जैसे एल्बमों के साथ दक्षिण सिनेमा में उनका काम, विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के बीच सहजता से ढलने की उनकी क्षमता को उजागर करता है। अजय-अतुल: मराठी संगीत की शान, अजय-अतुल ने अपनी जड़ों से जुड़े रहकर पैन-इंडिया पहचान बनाई। नटरंग और सैराट ने उन्हें एक दमदार नाम बनाया। सैराट का झिंगाट तो इतना हिट हुआ कि बॉलीवुड में धड़क में इसका रीमेक बना। अग्निपथ का अभी मुझ में कहीं और देवा श्री गणेशा जैसे गीतों ने बॉलीवुड में उनकी पकड़ को पुख्ता किया।

तान्हाजी जैसी फिल्मों और हाल की क्षेत्रीय फिल्मों में उनके गीतों ने यह सिद्ध किया कि वे शहरी और ग्रामीण दोनों दर्शकों की नब्ज़ पहचानते हैं। और ऐसा संगीत रचते हैं जो देश की विविध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाता है। ये पाँच संगीत महारथी भारतीय फ़िल्म संगीत के क्षेत्रीय से लेकर अखिल भारतीय और यहाँ तक कि वैश्विक आकर्षण तक के विकास का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने सिद्ध कर दिया है कि महान संगीत की कोई सीमा नहीं होती, चाहे वह भाषागत, सांस्कृतिक या भौगोलिक हो। उनकी रचनाएँ न केवल मनोरंजन करती हैं, बल्कि साझा सांस्कृतिक अनुभवों को जन्म देती हैं जो पूरे देश को एक सूत्र में बाँधते हैं। डिजिटल कनेक्टिविटी और सोशल मीडिया की दुनिया में ये संगीतकार वो सितारे हैं जिन्होंने संगीत को एक भावनात्मक, सार्वभौमिक भाषा बना दिया है। जैसे-जैसे भारतीय सिनेमा वैश्विक पहचान हासिल कर रहा है, ये संगीत जगत के दिग्गज हमारे मनोरंजन इंडस्ट्री की धड़कन बने हुए हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि हर कहानी को एक बेहतरीन साउंडट्रैक के साथ सुनाया जाए।

योग, ऑक्सीजन थेरेपी और ताजी हवा, ये हैं मलाइका अरोड़ा के फिटनेस के साथी

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा फिल्म इंडस्ट्री की फिट एक्ट्रेस में से एक मानी जाती हैं। उनकी फिटनेस और स्टाइल देख लोग हैरान हो जाते हैं। गुरुवार को उन्होंने अपनी फिटनेस रूटीन की एक झलक लोगों के साथ सोशल मीडिया पर साझा की। इसमें उन्होंने अपने फिटनेस मंत्र को लोगों के साथ कई तस्वीरों के रूप में साझा किया है।

मलाइका अरोड़ा ने जो पहली इंस्टा स्टोरी शेयर की उसमें वह झील के किनारे योग करते हुए दिखाई दीं। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, जल्दी सोना, जल्दी उठना। मेरी खुशी का ठिकाना।

इसके बाद उन्होंने अपने परफेक्ट नाश्ते की एक तस्वीर शेयर की, जिसमें एक ऑमलेट के साथ चकली और कुछ हेल्दी जूस शामिल था।मलाइका ने आगे बताया कि वह अपनी सेहत को बेहतर बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन थेरेपी का इस्तेमाल करती हैं।

इन सबके साथ मलाइका ने बताया कि वह पैदल चलने के अपने लक्ष्य को पूरा करना भी सुनिश्चित करती हैं। उनकी फिटनेस वाली चेकलिस्ट में धूप, पानी, सनस्क्रीन, और ताजी हवा भी शामिल है।

मलाइका अरोड़ा समय-समय पर सोशल मीडिया के जरिये लोगों से अपने फिटनेस रूटीन को साझा करती रहती हैं ताकि वह भी उनसे प्रेरित हो सकें।इससे पहले मलाइका अरोड़ा ने अपना आत्मविश्वास बनाए रखने का मंत्र आईएएनएस से एक इंटरव्यू में साझा किया था। इसमें उन्होंने बताया था कि जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव देखने के बाद भी कैसे उन्होंने मुश्किल समय में अपना आत्मविश्वास नहीं डिगने दिया। अभिनेत्री ने कहा था, मैं खुद को याद दिलाती हूं कि मुश्किल समय आना भी ठीक है। व्यायाम करना, कृतज्ञता का अभ्यास करना और अपनी खामियों को स्वीकार करना मुझे हमेशा अपने मूल में वापस लाता है। मलाइका अरोड़ा अपने फैंस के बीच अपनी कमाल की फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। वह अक्सर ट्रेंड सेट करने में आगे रहती हैं। उन्होंने यह भी बताया है कि वह कैसे आराम से ग्लैमर और कंफर्ट के बीच संतुलन बनाती हैं।

मलाइका बोलीं, मैं ग्लैमर को अपने आराम यानी कंफर्ट पर भारी नहीं पड़ने देती हूं। असली स्टाइल तब होता है जब आप किसी कमरे में शानदार दिखते हुए प्रवेश करें, लेकिन फिर भी अपनी अहमियत को बरकरार रखें। आराम को दरकिनार कर मैं कभी फैशन कैरी करना पसंद नहीं करती।

हिंदी से बंगाली सिनेमा तक, मेघना नायडू ने सभी भाषाओं में दी शानदार फिल्में

मेघना नायडू ने भारतीय सिनेमा की कई भाषाओं में काम करके खुद को एक अलग मुकाम दिया है। हिंदी फिल्मों के साथ-साथ तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम, मराठी और बंगाली फिल्मों में उनकी मौजूदगी ने यह साबित किया है कि मेघना सिर्फ बॉलीवुड तक सीमित नहीं हैं। इस वजह से उन्हें मल्टीटास्कर एक्ट्रेस कहा जा सकता है। मेघना नायडू का जन्म 19 सितंबर 1980 को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में हुआ था। उनके पिता एयर इंडिया में काम करते थे और एक टेनिस कोच भी थे, जबकि उनकी मां स्कूल टीचर थीं।

मेघना का बचपन मुंबई में बीता, जहां उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की। उन्होंने अंधेरी से बीकॉम की डिग्री हासिल की। बचपन से ही मेघना को डांस का शौक था और उन्होंने सात साल तक भरतनाट्यम का प्रशिक्षण भी लिया। इसके अलावा, वे चार साल तक अमेरिका में टेनिस की कोचिंग भी दे चुकी हैं। मेघना ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। 18 साल की उम्र में तेलुगु फिल्म 'प्रेमा साक्षी' से उन्होंने अभिनय की दुनिया में कदम रखा। इसके बाद उन्होंने तेलुगु के साथ-साथ कन्नड़ फिल्मों में भी काम किया। उन्हें बड़ा ब्रेक 2002 में म्यूजिक वीडियो 'कलियों का चमन' से मिला। यह गाना रिमिक्स वर्जन में था, जिसे लता मंगेशकर के गाने 'थोड़ा रेशम लगता है' पर बनाया गया था। इस म्यूजिक वीडियो ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया।

इसके बाद मेघना ने फिल्म 'हवस' के जरिए बॉलीवुड में कदम रखा, जिसमें उन्होंने बोल्ड भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने 'जैकपॉट', 'माशूका', 'क्वालिटी ऑफ लव' जैसी फिल्मों में भी काम किया। हालांकि, बॉलीवुड में उनका करियर ज्यादा लंबा नहीं चला, लेकिन उन्होंने साउथ फिल्मों में लगातार काम किया। तमिल, तेलुगु, मलयालम, बंगाली और कन्नड़ भाषाओं की फिल्मों में उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा दिखाई। मेघना नायडू की बहुभाषी फिल्मों में काम करने की वजह से उन्हें विभिन्न क्षेत्रों के दर्शकों ने भी पहचाना। वे सिर्फ हिंदी सिनेमा की ही नहीं बल्कि दक्षिण भारतीय सिनेमा की भी लोकप्रिय अभिनेत्री रहीं। इसके साथ ही, उन्होंने टीवी की दुनिया में भी कदम रखा और 'खतरों के खिलाड़ी' और 'डांसिंग क्वीन' जैसे रियलिटी शो में हिस्सा लिया।

रुपाली गांगुली का देसी लुक ने जीता दर्शकों का दिलदेते आईं नजर

टेलीविजन अभिनेत्री रुपाली गांगुली अक्सर अपने सोशल मीडिया पोस्ट या फिर अपने सीरियल को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। उन्होंने गुरुवार को कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें वह बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं।

पोस्ट की गई तस्वीरों में रुपाली एक नई-दुल्हन की तरह लग रही हैं, उन्होंने लाल रंग की साड़ी पहन रखी है, जिसमें गोल्डन वर्क है। वहीं, उन्होंने मैचिंग ब्लाउज पेयर किया, जिसमें सफेद मोती गले हैं। हाथों में गोल्डन कंगन के साथ उंगलियों में भी सोने की अंगूठी पहन रखी है। बालों को रुपाली ने खुला छोड़ रखा है। कानों में गोल्डन ईयररिंग्स ने उनके चेहरे को और निखार दिया है, जबकि माथे पर बिंदी और मांग में सिंदूर ने उन्हें परंपरागत लुक दिया है।

तस्वीरों की बात करें तो पहली तस्वीर में वह सोफे पर बैठकर, नजरें नीचे झुकाए, हाथ में मोर पंख थामे, शर्मीली मुस्कान बिखेरते हुए पोज दे रही हैं। वहीं, दूसरी फोटो में वह सौम्य अदाओं से मोर पंख को देखते हुए पोज दे रही हैं और तीसरी में वह मोर पंख को सिरहाने से छूते हुए एक रहस्यमयी मुद्रा में कैद हैं, मानो कोई पुरानी याद ताजा हो रही हो। बाकी तस्वीरों में वह कभी मोर पंख को हल्के से पकड़कर कोमल पोज दे रही हैं, तो कभी दरवाजे की चौखट पर सहारा लेकर खड़ी हैं। एक फोटो में कमरे पर बैठीं रुपाली की मुस्कान इतनी सरल है कि दर्शक खुद को उनकी दुनिया में खोने से रोक नहीं पाते।

तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर कैप्शन में उन्होंने लिखा, परंपरा में सजी हुई, कृतज्ञता में लिपटी हुई।रुपाली का ये अंदाज फैंस को पसंद आ रहा है और वे कमेंट सेक्शन में तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

किशोरावस्था की चुनौतियों पर अभिनेत्री कुशा कपिला ने की बात

सोहा अली खान के पॉडकास्ट 'ऑल अबाउट हर' में अभिनेत्री और कंटेंट क्रिएटर कुशा कपिला ने किशोरावस्था के दौरान लड़कियों को होने वाली भावनात्मक और शारीरिक चुनौतियों पर बात की।कुशा कपिला ने कहा, ''प्यूबर्टी यानी किशोरावस्था का समय एक लड़की के लिए बेहद नाजुक होता है। यह वह समय होता है, जब उनका चेहरा, शरीर और पूरी बनावट बदलने लगती है। कोई लड़की अपने दोस्तों से पहले ही विकसित हो जाती है, तो कोई बाद में। इस असमानता की वजह से कई बार लड़कियों को शर्मिंदगी, असहजता या आत्मसंदेह महसूस होता है।''

उन्होंने साझा किया कि जब वह केवल 10 या 11 साल की थीं, तब उनका शरीर बाकी सहेलियों की तुलना में ज्यादा परिपक्व दिखने लगा था। इस कारण वे खुद को लेकर बहुत सतर्क रहने लगी थीं।

उन्होंने कहा, किशोरावस्था में बच्चों को बहुत ध्यान देना पड़ता है कि वे किसके साथ समय बिता रहे हैं और किनसे बातें कर रहे हैं। यह उम्र बेहद संवेदनशील होती है और थोड़ा भी गलत प्रभाव उन्हें गहराई तक प्रभावित कर सकता है। समाज में अक्सर लड़कियों की बढ़ती उम्र के साथ उन पर नजर रखने वाली निगाहें बढ़ जाती हैं, जिससे वे ज्यादा सतर्क हो जाती हैं। कुशा ने बताया कि जब वे छुट्टियों में गोवा गई थीं, तो उन्होंने कुछ लड़कियों से अपनी उम्र छिपाकर खुद को दो साल बड़ा बताया, क्योंकि उनका शरीर पहले ही परिपक्व हो गया था।

कुशा ने आगे बताया, आज भी लड़कियों को अपने शरीर को लेकर बहुत सारी उलझनें होती हैं। मेरा एक पेज है, जहां स्कूल जाने वाली लड़कियां पूछती हैं कि यूनिफॉर्म के साथ क्या पहनना चाहिए। आज भी शिक्षा व्यवस्था और परिवारों में ऐसे विषयों पर खुलकर बात नहीं की जाती। लड़कियां इन जरूरी जानकारियों के लिए इंटरनेट या सोशल मीडिया का सहारा ले रही हैं, जो चिंता का विषय है। कुशा कपिला ने महिलाओं के हार्मोनल चक्र और उससे जुड़ी परेशानियों के बारे में भी बात की।

उन्होंने कहा, एक महिला की जिंदगी में महीनेभर में सिर्फ 4-5 दिन ऐसे होते हैं जब वह खुद को पूरी तरह सामान्य महसूस करती है। बाकी समय वह या तो पीरियड्स के दर्द, मूड स्विंग्स, या फिर पीसीओडी जैसी समस्याओं से जूझ रही होती है। ऐसे में यह जरूरी है कि पुरुष इन बातों को समझें और सहानुभूति रखें, न कि कोई असंवेदनशील टिप्पणी करें। विशेष रूप से कार्यस्थलों पर महिलाओं के मूड या व्यवहार को लेकर सवाल करना बिल्कुल गलत है।'

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। रिश्तेदारों के यहाँ जाना उससे काफ़ी बेहतर रहेगा, जितना आप सोच सकते हैं। आज धर्म व आध्यात्मिकता की ओर जा सकते है। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है। संभव है कि परिवार के साथ किसी नज़दीकी रिश्तेदार से मिलने जाना हो और इसके लिए दिन ठीक भी है। हालाँकि किसी पुरानी ख़राब घटना का ज़िक्र करने से बचें, नहीं तो वातावरण में तनाव पैदा हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप आज दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। निजी मसले नियन्त्रण में रहेंगे। इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। सेहत के नज़रिए से गले लगने के अपने फ़ायदे हैं और आप–को यह एहसास आज अपने जीवनसाथी से मिल सकता है। कर्ज लेने और देने आज बचना होगा क्योंकि बिना वजह परेशानी लेना समझदारी नही हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

ख़ुद को सुबह सुबह शारीरिक व्यायाम मे व्यस्त रखें । अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे। आपके बच्चे के पुरुस्कार वितरण समारोह का बुलावा आपके लिए ख़ुशनुमा एहसास रहेगा। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है । आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपको अपने दायरे से बाहर निकलकर ऐसे लोगों से मिलने–जुलने की ज़रूरत है, जो ऊँची जगहों पर हों। आज चाहे दुनिया इधर–की–उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी की बाहों से दूर नहीं हो सकेंगे। यदि आपसे कोई बात करना चाहे और आपका मूड बात करने का न हो तो आपको शांति से उसे यह बात समझानी चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आपके पास अपनी सेहत सुधारने के लिए पर्याप्त समय होगा। आकस्मिक मुनाफ़े या सट्टेबाज़ी के ज़रिए आर्थिक हालात सुदृढ़ होंगे। आज का दिन मज़े करने के लिहाज़ से बढ़िया है, इसलिए अपनी पसंदीदा चीज़ों और काम का लुत्फ़ उठाएँ। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। विवाह एक दैवीय आशीर्वाद है और आज आप इसका अनुभव कर सकते हैं। आज आपका मन धार्मिक कार्यों में रमेगा जिससे आपको मानसिक शांति का अनुभव होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

सेहत के नज़रिए से यह वक़्त थोड़ा ठीक नहीं है, इसलिए जो आप खाएँ उसके प्रति सावधान रहें। आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। काम–काज में ज़रूरत से ज़्यादा तनाव के चलते परिवार की ज़रूरतों और इच्छाओं को दरकिनार न करें। आपको महसूस होगा कि शादी के वक़्त किए गए सारे वादे सच्चे हैं। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है। कहीं से उधार वापस मिल सकता है जिससे आपकी कुछ आर्थिक समस्याएं दूर हो जाएंगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अपनी मांसपेशियों को आराम देने के लिए तैल से मालिश करें। ख़र्चों में इज़ाफ़ा होगा, लेकिन साथ ही आमदनी में हुई बढ़ोत्तरी इसको संतुलित कर देगी। दिन को रोमांचक बनाने के लिए क़रीबी दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएँ। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। आज आपको ऐसा अनुभव होगा कि आपके जीवनसाथी के द्वारा आपको नीचा दिखाया जा रहा है। जहां तक सम्भव हो इसे नजरअंदाज करें। आज आँखों में दर्द संभव है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। यह दिन बेहतरीन दिनों में से एक हो सकता है। आज दिन में आप कई अच्छे प्लान भविष्य के लिए बना सकते हैं लेकिन शाम के वक्त किसी दूर के रिश्तेदार के घर में आ जाने के कारण आपके सारे प्लान धरे के धरे रह सकते हैं। आपकी व्यस्त दिनचर्या के चलते आपका जीवनसाथी आपके ऊपर शक़ कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

दिन की शुरुआत आप योग ध्यान से कर सकते हैं। ऐसा करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा और सारे दिन आपमें ऊर्जा रहेगी। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। दूसरों को प्रभावित करने की आपकी क्षमता आपको कई सकारात्मक चीज़ें दिलाएगी। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। अगर आप अपने दिन को ज़रा बेहतर व्यवस्थित करें, तो अपने खाली समय का पूरा सदुपयोग कर काफ़ी काम कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपके भाई–बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं और उनकी मदद करके आप खुद आर्थिक दबाव में आ सकते हैं। हालांकि स्थिति जल्द ही सुधर जाएगी। संभव है कि कोई आपसे अपने प्यार का इज़हार करे। आज धार्मिक कामों में आप अपना खाली समय बिताने का विचार बना सकते हैं। इस दौरान बेवजह की बहसों में आपको नहीं पड़ना चाहिए। वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है। अपने जीवनसाथी को बताएँ कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

काम के बीच–बीच में थोड़ा आराम करें और देर रात तक काम न करें। आज सिर्फ़ बैठने की बजाय कुछ ऐसा कीजिए जो आपकी कमाई में इज़ाफ़ा कर सके। प्रभावशाली और महत्वपूर्ण लोगों से परिचय बढ़ाने के लिए सामाजिक गतिविधियाँ अच्छा मौक़ा साबित होंगी। आपके प्रिय के कड़वे शब्दों के कारण आपका मूड ख़राब हो सकता है। आस–पड़ोस की किसी सुनी–सुनाई बात को लेकर आपका जीवनसाथी तिल–का–ताड़ बना सकता है। आज पानी की जीवन में क्या कीमत है इसके बारे में आप घर के छोटों को लेक्चर दे सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

कोई दोस्त आपकी सहनशक्ति और समझ की परीक्षा ले सकता है। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है। आपके आकर्षण और व्यक्तित्व के ज़रिए आपको कुछ नए दोस्त मिलेंगे। कुछ लोगों के लिए जल्द ही शादी की शहनाई बज सकती है, जबकि दूसरे ज़िन्दगी में नए रोमांस का अनुभव करेंगे। जिन लोगों के घर वाले शिकायत करते हैं कि वो घरवालों को पर्याप्त समय नहीं देते वो आज घरवालों को समय देने के बारे में सोच सकते हैं लेकिन ऐन वक्त पर किसी काम के आने की वजह से ऐसा नहीं हो पाएगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 20 सितंबर 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आश्विन ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 12:18 तक
नक्षत्र : मघा प्रातः 08:06 तक
योग : साध्य रात्रि 08:06 तक
करण : विष्टि प्रातः 11:55 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:04, सूर्यास्त 06:13 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 , सूर्यास्त 06:17 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01, सूर्यास्त 06:09 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56,सूर्यास्त 06:05 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल प्रातः 08:06 तक , चतुर्दशी का श्राद्ध , शस्त्रादिहत श्राद्ध , भद्रा प्रातः 11:54 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

भजनलाल कैबिनेट की बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय

राजस्थान को मिलेगी महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी

जयपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में मंत्रिमण्डल की बैठक आयोजित हुई। उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने प्रेसवार्ता में बताया कि प्रदेश में विश्वस्तरीय खेल प्रतिभाएं तैयार करने के लिए महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी जयपुर विधेयक लाने, राजमेस मेडिकल कॉलेजों में एनआरआई कोटा की फीस कम करने, दिवंगत कार्मिक के माता–पिता और दिव्यांग संतान के लिए पारिवारिक पेंशन के प्रावधानों के सरलीकरण एवं विभिन्न विभागों में कार्यरत कार्मिकों को पदोन्नतियों का लाभ देने के लिए सेवा नियमों में संशोधन सहित कई महत्वपूर्ण फैसले बैठक में किए गए।

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने बताया कि कैबिनेट की बैठक में 'द महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी जयपुर बिल–2025' के प्रारूप का अनुमोदन किया गया। यह विधेयक विधानसभा के आगामी सत्र में प्रस्तुत किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2024–25 के बजट में प्रदेश में खेलों और शारीरिक शिक्षा को बढ़ावा देते हुए प्रतिभाशाली युवाओं को आधुनिक उपकरणों के साथ वैज्ञानिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने, विभिन्न खेलों के उच्चस्तरीय कोच एवं खेल विशेषज्ञ तैयार करने के लिए महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी स्थापित करने की घोषणा की गई थी।

डॉ. बैरवा ने बताया कि यह विश्वविद्यालय खेल विज्ञान, स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी और परफॉर्मेन्स एनालिटिक्स पर शोध को बढ़ावा देगा जिससे खेलों की गुणवत्ता और खिलाड़ियों के प्रदर्शन में सुधार आएगा। यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय शिक्षा नीति के लक्ष्यों और उद्देश्यों के अनुरूप खेलों के विकास के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में भी कार्य करेगा। नवीनतम स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर से लैस यह विश्वविद्यालय हाई परफॉर्मेन्स ट्रेनिंग सेन्टर के रूप में प्रदेश की खेल प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप निखारने का काम करेगा।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि राजमेस कॉलेजों में एनआरआई कोटा सीटों की फीस को तर्कसंगत बनाते हुए संशोधन का निर्णय मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया। कैबिनेट द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार राजमेस कॉलेजों में एनआरआई सीटों की फीस को मैनेजमेंट कोटा की फीस का ढाई गुना किया गया है। इस संशोधित व्यवस्था से वर्ष 2025–26 के प्रवेश सत्र में एनआरआई सीटों की फीस घटकर लगभग 23 लाख 93 हजार रुपए प्रतिवर्ष रह जाएगी जो निजी चिकित्सा महाविद्यालयों की औसत फीस के लगभग बराबर है। इससे प्रतिभाशाली एनआरआई विद्यार्थी राजमेस मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश लेने के लिए आकर्षित होंगे और राजमेस सोसायटी को प्रतिवर्ष लगभग 45 करोड़ रुपए तक अतिरिक्त आय प्राप्त होगी।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसाइटी (राजमेस) द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेजों में 50 प्रतिशत सीटें गवर्नमेंट फीस कोटा, 35 प्रतिशत सीटें मैनेजमेंट कोटा और 15 प्रतिशत सीटें एनआरआई कोटा की हैं। इन कॉलेजों में एनआरआई सीटों की वार्षिक फीस डॉलर में निर्धारित होने और इसमें 5 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि का प्रावधान होने के कारण यह अब तक 31 लाख रुपए तक पहुंच चुकी थी, जबकि निजी मेडिकल कॉलेजों की औसत फीस लगभग 24 लाख रुपए प्रतिवर्ष है। ऐसे में प्रतिभाशाली एनआरआई विद्यार्थी निजी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश ले लेते थे और अधिक फीस के कारण राजमेस कॉलेजों में एनआरआई कोटा की काफी सीटें खाली रह जाती थीं। बाद में इन खाली सीटों को करीब 9 लाख रुपए वार्षिक फीस वाली मैनेजमेंट कोटा की सीटों में परिवर्तित करना पड़ता था जिससे इन कॉलेजों को राजस्व की हानि होती थी।संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि 5,200 मेगावॉट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजनाओं हेतु सशर्त कीमतन भूमि आवंटित करने की स्वीकृति भी आज मंत्रिमंडल द्वारा प्रदान की गई है। इन इकाइयों की स्थापना से प्रदेश में अक्षय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों का सृजन भी होगा जोगाराम पटेल ने बताया कि वर्तमान में राजस्थान सिविल सेवा (पेंशन) नियम–1996 के नियम 62(खत) में दिवंगत कार्मिक के माता–पिता के मामले में कार्मिक की कुल परिलब्धियों की 30 प्रतिशत पारिवारिक पेंशन दिए जाने का प्रावधान है। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस नियम को विलोपित करने का निर्णय लिया गया। अब माता–पिता को भी नियम 62(खखख) के अनुसार ही बढ़ी हुई पेंशन (अधिकतम 50 प्रतिशत तक) का लाभ प्राप्त हो सकेगा, जो कार्मिक के जीवित होने पर बनती है।

ट्रांसपोर्टर्स के विरुद्ध वाणिज्यिक कर विभाग की बड़ी कार्यवाही

17 वाहन जब्त, जयपुर के 6 ट्रांसपोर्टर्स के गोदाम किए सील

जयपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रदेश में वाणिज्यिक कर विभाग द्वारा कर चोरी के विरुद्ध लगातार कार्यवाही से प्रदेश में कर चोरी करने वालो में हड़कंप मचा हुआ है । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की कर चोरों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के अनुरूप राज्य के मुख्य कर आयुक्त कुमार पाल गौतम के कुशल निर्देशन एवं रणनीति के तहत पिछले दिनों विभाग द्वारा जीएसटी चोरी के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया जा रहा है जिसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे है ।

मुख्य आयुक्त के निर्देश पर प्रवर्तन शाखा की 9 टीमों को गोपनीय रूप से राज्य के विभिन्न राजमार्गों पर तैनात किया गया। जहाँ से टेक्निकल सर्विलांस के द्वारा बिना ई वे बिल और बिना वैध दस्तावेजों के माल परिवहन करने वाले 17 वाहनो को जब्त किया गया है। एक ही बार में इतनी संख्या में जब्त किए गए वाहनो में परचून, मार्बल ग्रेनाइट, ड्राई फ्रूट्स, इलेक्ट्रॉनिक सामान आदि का परिवहन किया जा रहा था। इन वाहनों को विभागीय कार्यालय खड़ा किया गया है, जहाँ इन वाहनों में लदे माल का भौतिक सत्यापन कर जीएसटी वसूल किया जाएगा।

कुमार पाल गौतम निर्देश में विभाग की प्रवर्तन शाखा द्वारा गत सोमवार को जयपुर के 6 प्रमुख ट्रांसपोर्ट कंपनियो के गोदामों में एक साथ कार्यवाही कर बड़ी कर चोरी उजागर की है। गिल संधु ट्रांसपोर्ट, जड़िया ट्रांसपोर्ट, क्रियाशक्ति, सुनील ट्रांसपोर्ट और पीसीएम कार्गो के ये गोदाम जयपुर के वी.के.आई एरिया तथा ट्रांसपोर्ट नगर में स्थित है। दो दिन चली इस कार्यवाही में विभाग द्वारा इन गोदामो से भारी मात्र में रेडीमेड, ड्राई फ्रूट, इलेक्ट्रिक्ट आईटम आदि के 1 हजार 960 नग जब्त किए है। जिनका आरंभिक आकलन किए जाने पर इनका बाज़ार मूल्य करोड़ो रूपये पाया गया है। यह माल राज्य के बाहर से बिना कर चुकाए राज्य में लाया जा रहा था।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने की समीक्षा

जयपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने शुक्रवार को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समीक्षा की। उन्होंने शासन सचिवालय से वीसी के जरिए सभी संभागीय आयुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा एकीकृत ECINet ऐप / वेबसाइट लॉन्च की गयी है, इस में 'बुक ए कॉल विद इङ्ज' का भी फीचर उपलब्ध है, जिसके माध्यम से मतदाता इङ्ज से सीधा संपर्क करते हुए विभिन्न प्रकार की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि यह फीचर मतदाताओं के लिए कई तरह की सुविधाएं लेकर आया है। उन्होंने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी की वेबसाइट से भी संबंधित बीए–लओ, बीएलओ सुपरवाइजर, एईआरओ, ईआरओ, उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी के नाम एवं मोबाइल नंबर प्राप्त कर संपर्क किया जा सकता है।कैसे बुक करें बीएलओ से कॉल– बीए–लओ से कॉल बुक करने के लिए मतदाता पहले ईसीआई नेट एप या वेबसाइट पर जाकर वोटर सर्विस पर क्लिक करना है, इसके बाद बुक ए कॉल विद बीएलओ पर क्लिक करना है, इसके बाद 3 विकल्प होंगे, इपिक नंबर, संदर्भ संख्या और अन्य। इन तीनों में से किसी एक को भरने के बाद मोबाइल नंबर डालने के पश्चात ओटीपी प्राप्त होगा इसके बाद आपको ओटीपी भरकर रिक्वेस्ट कॉल बैक पर क्लिक करना होगा। इसके साथ ही बीएलओ से कॉल बुक होने का आपको और बीएलओ को संदेश प्राप्त होगा।

आमजन के लिए राहत का माध्यम बन रहे ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरः मुख्य सचिव

जयपुर, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

प्रदेश के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि राज्य सरकार की मंशानुरूप ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर आमजन के लिए राहत का माध्यम बन रहे हैं ऐसे में संबंधित सभी विभाग समन्वय से काम कर आमजन की अधिकाधिक समस्याओं के त्वरित निस्तारण को सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि शिविरों में आने वाले आ–वेदकों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जाए, जिससे आमजन का इन शिविरों के प्रति विश्वास मजबूत हो।

पंत शुक्रवार को शासन सचिवालय में आयोजित कमेटी ऑफ़ सेक्रेटरीज (सीओएस) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने 17 सितम्बर से प्रदेशभर में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत प्रतिदिन आयोजित किये जा रहे जनकल्याणकारी कार्यक्रमों तथा ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविरों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने गत दो दिवसों में प्रदेश में संपन्न हुए इन कार्यक्रमों और शिविरों की जिलेवार एवं विभागवार प्रगति की समीक्षा की।पंत ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन शिविरों में प्राप्त होने वाले आवेदन एवं उनमें से निस्तारित आवेदनों के साथ ही लंबित आवेदनों की भी मॉनिटरिंग की जाए।

हरियाणा की जनता की सेवा में समर्पित है नायब सरकार : बड़ौली

चंडीगढ़, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कार्यकर्ताओं के साथ सोनीपत में प्रधानमंत्री मोदी के जीवन पर आधारित फिल्म ''चलो जीते हैं''देखी। बड़ौली ने कहा कि इस फिल्म में मोदी जी के बाल काल से लेकर वर्तमान समय तक की कहानी को समेटने का एक अद्भुत प्रयोग किया गया है। मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि यह फिल्म देशभक्ति की भावना को और प्रबल करती है तथा युवा पीढ़ी को प्रेरित करती है कि कि युवा राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि पीएम मोदी ने अपने जीवन में अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा और भारत को एक सशक्त, आत्मनिर्भर एवं विश्वगुरु बनाने के लिए निरंतर प्रयास किया। उन्होंने कहा कि फिल्म में बताया गया है कि कैसे विपरीत परिस्थितियों के बावजूद पीएम मोदी ने बाधाओं को पार करते हुए दुनियां में देश को ऊंचा स्थान दिलाया है। बड़ौली ने कहा कि ''चलो जीते हैं'' फिल्म में पीएम मोदी के बचपन के संघर्ष को दर्शाया गया है। मोदी जी के जीवन से हम सभी को आगे बढ़ने के लिए मजबूती से काम करने की प्रेरणा मिलती है।

पीएम मोदी के विकसित भारत के संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने में अपना सर्वश्रेष्ठ दें प्रबुद्ध जन : धनखड़

चंडीगढ़, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय में शुक्रवार को प्रबुद्धजन सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्या वक्ता के रूप में भाजपा के राष्ट्रीय सचिव, हरियाणा सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष ओपी धनखड़ ने शिरकत की। फतेहाबाद जिला कार्यालय में पहुंचने पर युवा कार्यकर्ताओं ने मोटरसाईकिल यात्रा के साथ उनका स्वागत किया। कार्यालय में बीजेपी के जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा व अन्य जिला पदाधिकारियों ने उन्हें बुके भेंटकर उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में आयोजित मंच पर मुख्य वक्ता ओपी धनखड़ के साथ प्रदेश सचिव सरोज सिहाग, जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा, पूर्व विधायक दूड़ाराम, पूर्व जिलाध्यक्ष स. बलदेव सिंह ग्रोहा, चेयरमैन प्रो. रविन्द्र बलियाला, चेयरमैन भारत भूषण मिड्ढा व जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा व पूर्व विधायक दूड़ाराम ने मुख्य वक्ता ओपी धनखड़ को भाजपा फतेहाबाद की ओर से पगड़ी पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंटकर उनका अभिवादन किया। वहीं जिला प्रभारी सुरेन्द्र आर्य ने शॉल भेंटकर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर सभी ने ओपी धनखड़ को दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की शानदार जीत पर बधाई व शुभकामनाएं दीं। इस प्रबुद्धजन सम्मेलन में वकील, डॉक्टर, अध्यापक, पूर्व कर्मचारी एवं पत्रकार वर्ग के अनेक प्रबुद्धजनों ने शिरकत की।

एमएसपी, खाद और मुआवजे के लिए तरस रहे हैं किसान : भूपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि बीजेपी सरकार ने एक बार फिर किसानों के साथ योजनाबद्ध लूट शुरू कर दी है। मंडियों में धान, बाजारा और कपास की आवक शुरू हो गई है। लेकिन सरकारी खरीद नहीं होने के चलते किसानों को चड्ढा से 300–400 कम रेट पर धान, 800–1000 कम रेट पर बाजरा और करीब ₹2000 कम रेट पर अपनी कपास बेचनी पड़ रही है। बाढ़ की मार के बाद अब किसान सरकार की मार झेलने को मजबूर हैं।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि खरीद से लेकर मुआवजा और खाद देने तक, हर काम में बीजेपी जानबूझकर देरी करती है। किसान कई दिन से बाढ़ और जलभराव से पीड़ित है और सरकार से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। अब तक 5 लाख से ज्यादा किसानों ने 31 लाख एकड़ भूमि पर खराबे की शिकायत करी है। लेकिन सरकार द्वारा गिरदावरी और वेरिफिकेशन का काम कछुए की रफ्तार से किया जा रहा है। 31 लाख एकड़ में से अब तक सिर्फ 3 लाख एकड़ भूमि का ही वेरिफिकेशन हो पाया है।

यानी पिछले कई सीजन की तरह इस बार भी सरकार की मंशा किसानों को मुआवजे से वंचित करने की है। सरकार ने अब रबी की बिजाई पर भी संकट खड़ा कर दिया है। क्योंकि किसानों को डीएपी नहीं मिल रहा है। एकबार फिर कई–कई घंटे, कई–कई दिनों लंबी कतारों में परिवार समेत किसान खड़े हुए हैं। लेकिन उन्हें खाद नहीं मिल पा रही है।

हरियाणा सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को आधुनिक बनाने के लिए कर रही काम : सैनी

चंडीगढ़, 19 सितंबर (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं को आधुनिक बनाने, स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने और ब्लड बैंक सेव–ाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार यह भी सुनिश्चित कर रही है कि हरियाणा में ब्लड ट्रांसफ्यूजन सेवाओं का उच्चतम मानक बना रहे और प्रत्येक नागरिक को समय पर सुरक्षित रक्त उपलब्ध हो सके।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को गुरुग्राम में आयोजित इंडियन सोसाइटी ऑफ ब्लड ट्रांसफ्यूजन एंड इम्यूनो हेमेटोलॉजी (आईएसबीटीआई) के 50वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन, 'स्वर्ण जयंती ट्रांसकॉन 2025' के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में सहकारिता, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा, पटौदी की विधायक बिमला चौधरी, सोहना के विधायक तेजपाल तंवर तथा गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा भी मौजूद रहे।मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में हरियाणा

में कुल 149 ब्लड सेंटर कार्यरत हैं जिनके माध्यम से इस वर्ष 3 लाख 30 हजार यूनिट्स ब्लड एकत्रित करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि निर्धारित लक्ष्यों के तहत अब तक 2 लाख 22 हजार 433 यूनिट ब्लड एकत्रित किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा सैनिकों, किसानों और युवाओं की भूमि है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि प्रदेश ने आज वह मुकाम हासिल कर लिया है, जहाँ हरियाणा एक ओर औद्योगिक पहचान के रूप में देशभर में अग्रणी है तो दूसरी ओर स्वैच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में भी अब हरियाणा अपनी अलग पहचान बना रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर लगातार बेहतर हो रहा है। पिछले 11 वर्षों में प्रदेश ने स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़े सुधार दर्ज किए हैं। उन्होंने बताया कि जहाँ पहले 30 बेड के अस्पताल हुआ करते थे, वहाँ अब 100 बेड की सुविधा उपलब्ध है। इसी प्रकार 100 बेड वाले अस्पतालों को 200 बेड और 200 बेड वाले अस्पतालों को 400 बेड तक विस्तार दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार धरातल पर गंभीरता से कार्य कर रही है ताकि प्रदेश के हर नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ मिल सकें। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में जहाँ हरियाणा में प्रतिवर्ष केवल 700 डॉक्टर ही तैयार होते थे, वहीं आज यह संख्या बढ़कर 2600 प्रति वर्ष हो गई है। सरकार का लक्ष्य इस संख्या को बढ़ाकर वर्ष 2029 तक 3400 सीटें प्रतिवर्ष तक पहुँचाने का है। इसके लिए प्रदेश के प्रत्येक जिले में मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं, ताकि युवाओं को बेहतर अवसर मिलें और प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को नई ऊंचाइयां प्राप्त हों।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के फिट इंडिया–हिट इंडिया नारे का उल्लेख करते हुए कहा कि आज हरियाणा इसी संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यदि नागरिकों का स्वास्थ्य बेहतर होगा तो प्रदेश की विकास गति भी तीव्र होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि समय की मांग के अनुसार हमें नेक्स्ट जनरेशन ब्लड टेस्टिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित रक्त मिलान और आर्टिफिशियल ब्लड जैसे अनुसंधानों को प्रोत्साहित करना चाहिए।

बिहार अधिकार यात्रा में मधेपुरा पहुंचे तेजस्वी यादव, कहा–

अब बदलनी होगी 20 साल पुरानी सरकार

मधेपुरा (एजेंसियां)।
बिहार अधिकार यात्रा के तहत नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव गुरुवार देर रात करीब 10 बजे मधेपुरा पहुंचे। कॉलेज चौक पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने राज्य सरकार और केंद्र पर जमकर हमला बोला। तेजस्वी यादव ने कहा कि यह यात्रा भ्रष्टाचार और अपराधमुक्त बिहार बनाने के लिए है। यह पढ़ाई, दवाई, कमाई और सिंचाई सुनिश्चित करने की दिशा में एक अभियान है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार भ्रष्ट है और अपराधियों को संरक्षण देती है।

भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में एक भी फैक्ट्री नहीं लगाई गई। मोदी जी वोट बिहार से मांगते हैं और सबकुछ गुजरात को देते हैं। फैक्ट्री चाहिए गुजरात में और वोट बिहार में।

अब ऐसा नहीं चलेगा। तेजस्वी ने जनसमूह से अपील की कि सभी लोग एकजुट होकर इस बार 20 साल पुरानी खटारा सरकार को बदलें। उन्होंने कहा कि नई सरकार बनने पर बेरोजगारी, गरीबी और महंगाई से मुक्ति दिलाई जाएगी। जिसके पास भी डिग्री होगी, उसके हाथ में नौकरी और रोजगार दिया जाएगा।

उन्होंने आश्वासन दिया कि सामाजिक न्याय के साथ-साथ आर्थिक न्याय भी सुनिश्चित किया जाएगा और समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ा जाएगा। तेजस्वी ने हाथ उठवाकर जनता से सरकार बनाने की अपील की। इस अवसर पर सदर विधायक प्रो. चंद्रशेखर, जिलाध्यक्ष जयकांत यादव, सिंहेश्वर विधायक चंद्रहास चौपाल, पूर्व मंत्री रेणु कुशवाहा, प्रोफेसर कुमार चंद्रदीप, शांतनु बुंदेला और ई. नवीन निषाद भी मंच पर मौजूद रहे।

गंगा कटाव से कटिहार में दहशत, दर्जनों घर नदी में समाए, लोग पलायन को मजबूर

पूर्णिया (एजेंसियां)।
कटिहार जिले के अमदाबाद प्रखंड में गंगा कटाव ने भयावह रूप ले लिया है। बाढ़ और कटाव के लिहाज से रेड जोन में शामिल इस इलाके में हाल के दिनों में दर्जनों घर नदी की धारा में समा चुके हैं। कई और घरों पर संकट गहराता जा रहा है, जिससे ग्रामीण दहशत में हैं और पलायन को मजबूर हो रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार बड़े-बड़े पेड़ भी कटाव की भेंट चढ़कर नदी में बह गए हैं। लोग दिन-रात भयभीत रहते हैं कि कब उनका घर भी नदी की धार में विलीन हो जाए। स्थानीय प्रतिनिधियों और

ग्रामीणों का कहना है कि अगर जल्द ठोस कदम नहीं उठाए गए तो अमदाबाद प्रखंड के पार दियारा पंचायत के वार्ड नंबर 11, 12 और 20 जैसे गंगा के किनारे बसे इलाके अस्तित्वहीन हो जाएंगे।

करीमुल्लापुर पंचायत के मुखिया मोहम्मद तारीख अनवर ने बताया कि गंगा का कटाव हर साल तबाही मचाता है, लेकिन अब तक स्थाई समाधान नहीं निकला। प्रशासन सिर्फ सर्वे और निरीक्षण तक ही सीमित रहता है, जबकि लोगों के जीवन और भविष्य पर संकट लगातार मंडरा रहा है।

मुखिया प्रतिनिधि अब्दुल बारी ने कहा कि कटाव प्रभावित लोग सुरक्षित जगह पर जाने को मजबूर हो गए हैं। कई परिवार उजड़कर खुले आसमान के नीचे जीवन बिता रहे हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से तत्काल सुरक्षा उपाय करने की गुहार लगाई है। ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन से आग्रह किया है कि इस बार सिर्फ आश्वासन नहीं बल्कि ठोस कार्रवाई की जाए, ताकि अमदाबाद प्रखंड गंगा की धार में विलीन न हो सके।

मुजफ्फरपुर में साइबर ठगी, सॉफ्टवेयर इंजीनियर से 7.72 लाख रुपये हड़पे

ऑनलाइन नौकरी का झांसा

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।
मुजफ्फरपुर जिले के सदर थाना क्षेत्र के भगवानपुर स्थित सरस्वती नगर निवासी सॉफ्टवेयर इंजीनियर आदित्य कुमार साइबर ठगों का शिकार हो गए। ठगों ने उन्हें ऑनलाइन नौकरी का झांसा देकर करीब 7,72,980 की ठगी कर ली। पीड़ित ने इस मामले में साइबर क्राइम पोर्टल और साइबर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

जानकारी के अनुसार, 11 अप्रैल को आदित्य कुमार के मोबाइल पर व्हाट्सएप से एक

अनजान कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को एक बड़ी कंपनी का एचआर बताया और घर बैठे 15 से 20 हजार रुपये कमाने का ऑफर दिया। इसके बाद पीड़ित को टेलीग्राम ऐप पर होटल की रेटिंग बढ़ाने का काम दिया गया। ठगों ने हर काम के बदले 30 देने का वादा किया। धीरे-धीरे ठगों ने अलग-अलग बहानों से टैक्स और कमीशन के नाम पर आदित्य से 26 बार में कुल 7.72 लाख ट्रांसफर करा लिए। हालांकि इस बीच उन्हें सिर्फ सात बार में 15,420 रुपये लौटाए गए। लगातार दबाव और झांसे में आकर इंजीनियर लाखों रुपये ट्रांसफर करते रहे, जब तक कि उनका बैंक खाता बंद नहीं हो गया। इसके बाद उन्हें ठगी का एहसास हुआ और उन्होंने शिकायत दर्ज कराई। इस मामले में जिले के साइबर डीएसपी हिमांशु कुमार ने बताया कि शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई की गई है। बैंक से शेष राशि को होल्ड कराया गया है और एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मानव तस्कर गिरोह का पर्दाफाश, समस्तीपुर पुलिस ने तीन छात्राओं को बचाया, दो गिरफ्तार

दरभंगा (एजेंसियां)।
समस्तीपुर जिले के अंगारघाट थाना क्षेत्र से गायब हुई तीन छात्राओं को पुलिस ने मानव तस्कर गिरोह के चंगुल से सकुशल बरामद कर लिया। इस मामले में पुलिस ने गिरोह से जुड़े दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। डीएसपी विवेक कुमार शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि छात्राओं को बहला-फुसलाकर पूर्णिया ले जाया गया था, जहां उन्हें नेपाल और बंगाल में बेचने की योजना बनाई जा रही थी।

जानकारी के अनुसार, 10 सितंबर को अंगारघाट थाना क्षेत्र स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय बिरनामा की तीन छात्राएं दिल्ली में नौकरी की उम्मीद में घर से निकली थीं। समस्तीपुर रेलवे स्टेशन पर उनकी मुलाकात एक महिला और युवक मुकेश से हुई, जिन्होंने उन्हें नौकरी का झांसा देकर मुजफ्फरपुर और फिर पूर्णिया ले गए। पूर्णिया में उन्हें एक कमरे में बंद कर दिया गया।

करीब तीन दिन तक बंद रहने के बाद, छात्राओं में से एक ने किसी तरह अपनी मां को मोबाइल से संदेश भेजा। इसके बाद पुलिस ने मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर पूर्णिया पुलिस की मदद से मंगलवार को छापेमारी की। छापेमारी में पुलिस ने पहले दो छात्राओं और बाद में दलसिंह सराय व मुजफ्फरपुर की छात्राओं को सुरक्षित बरामद किया। इस दौरान मानव तस्करी गिरोह के दो आरोपी मधेपुरा के बभनगामा वार्ड 8 निवासी नीरज कुमार पासवान और पूर्णिया के खुश्कीबाग के अमित कुमार को गिरफ्तार किया गया।

डीएसपी शर्मा ने बताया कि छापेमारी की भनक लगते ही गिरोह की एक महिला सहित तीन-चार सदस्य मौके से भाग निकले।

भागने वालों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस की सतर्कता के कारण इस बड़ी मानव तस्करी की वारदात को टाला गया और तीनों छात्राओं की जान बच गई।

विजय सिन्हा का राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर सीधा हमला

घुसपैठिए को देश में बसाने के लिए यात्राएं हो रही और रोजगार छीनने वाले नौकरी क्या देंगे

पटना (एजेंसियां)।
बिहार के डेप्युटी सीएम विजय कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को एक बार फिर से कांग्रेस नेता राहुल गांधी को निशाने पर लिया। कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि यह लोग जो यात्रा कर रहे हैं वह घुसपैठियों को वोटर बनाने के लिए है।

उन्होंने कहा कि पूरे देश को धर्मशाला बनाने का खेल कांग्रेस ने खेला है। कांग्रेस के विरुद्ध जिसका जन्म हुआ राजनीति में राजद का, आज उसी की गोद में बैठ गई है। आंदोलन के सबसे बड़े भ्रष्टाचारी लालू प्रसाद यादव और उनके बेटे कांग्रेस के विभाजनकारी तत्वों के साथ मिलकर घुसपैठिए को स्थापित करने का सारा खेल चल रहा है। तमाम यात्राएं घुसपैठियों को सरकारी योजनाओं में भागीदारी

दिलाने का और भारत का नागरिक बनाने में अहम भूमिका निभाया जा रहा है। यह दुर्भाग्यपूर्ण हालात है।

विजय सिन्हा ने कहा कि घुसपैठिए के पक्ष में जब संविधान और संवैधानिक संस्था पर कदम उठाया है तो उसके विरुद्ध भरम फैला रहे हैं। वातावरण को दूषित कर रहे हैं। ऐसे लोग राष्ट्र के ही हितषी नहीं हैं। यह लोग राष्ट्र को कमजोर करना चाहते हैं और घुसपैठियों के माध्यम से जो मां भारती के संतान हैं जो हकदार हैं, जिसको योजना का लाभ मिले उनका हक छिनना चाहते हैं।

यह विदेशी घुसपैठिए को लाने के लिए और तुष्टिकरण की राजनीति करने के लिए राजद कांग्रेस का खेल अब नहीं चलेगा। हर भारतीयों को सावधान होना है सच को जानना है यह भ्रम फैला करके बरगलाने का खेल खेला जा रहा है।

बिहार चुनाव को लेकर दिल्ली में सीईसी की बैठक होने पर विजय सिन्हा ने कहा कि यह लोग चुनाव में पिकनिक मनाने आते हैं। कई दशक तक सत्ता में बैठकर यह राजनीति को अपना जागीर समझ लिए हैं और अपनी जमीदारी बढ़ाने का खेल खेल रहे हैं।

यह लोकतंत्र की धरती बिहार है, परिवार तंत्र को और उनके जमींदार को स्वीकार नहीं करेगा। भीमराव अंबेडकर ने कहा था रानी के पेट से राजा पैदा नहीं होगा। अब कोई भी राजा रानी के पेट से पैदा नहीं होगा।

तेजस्वी यादव ने कहा है कि अगर उनकी सरकार बनती है तो हर हाथ में नौकरी और रोजगार देंगे। इस पर बिहार के डेप्युटी सीएम ने कहा कि रोजगार छीनने वाला रोजगार देगा, नियुक्ति के नाम पर जमीन लिखवाने वाला। बिहारी को बर्बाद करने वालों ने बिहार शब्द को गाली बना दिया था। बिहारी के सम्मान की मनसा नहीं है इनकी। यह छुपी भेड़िए की तरह लोग भूखे सरकारी तंत्र को लूटने के लिए आज बिहार के अंदर राजद कांग्रेस ने कास्ट करप्शन और क्रीम को पोषित किया है। कास्ट, करप्शन, क्राइम बिहार को बर्बाद किया है। इस मानसिकता के लोग जब तक रहेंगे बिहार आगे नहीं बढ़ सकता है।

अडानी समूह को क्लीन चिट देने पर माननीय न्यायालय में जाकर राहुल गांधी झूठा आरोप लगाते हैं। न्यायालय में जाकर माफी मांगेंगे और फिर वही काम करेंगे, क्योंकि यह अप्पू और पप्पू दोनों संवैधानिक पद के योग्य नहीं हैं। ये जनता के विश्वास पर खरे नहीं उतर सकते हैं।

गयाजी में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू करेंगी पिंडदान और तर्पण शहर के ट्रैफिक रूट में बदलाव, वाहनों पर लगा प्रतिबंध

गयाजी (एजेंसियां)।
बिहार के गयाजी में चल रहे विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष महासंगम 2025 के मौके पर देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गयाजी का दौरा करेंगी। राष्ट्रपति शनिवार, 20 सितंबर को अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति और मोक्ष प्राप्ति के लिए पिंडदान और तर्पण का कर्मकांड पूरा करेंगी। उनके इस दौरे को लेकर गया जिला प्रशासन ने सुरक्षा और यातायात की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के आगमन के मद्देनजर, गया जिला प्रशासन ने एक विस्तृत रूट मैप और ट्रैफिक प्लान तैयार किया है। उनके आगमन के दिन, गया एयरपोर्ट से विष्णुपद मंदिर तक के विभिन्न मार्गों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहेंगे। राष्ट्रपति का काफिला डोभी-गया मुख्यमार्ग, पांच नंबर गेट बाईपास, घुघड़ी ताड़ बाईपास, नारायणी पुल और बंगाली आश्रम होते हुए विष्णुपद मंदिर पहुंचेगा। वापसी का रूट भी

यही रहेगा।

सुरक्षा कारणों से, इन मार्गों पर आम वाहनों का परिचालन पूरी तरह से प्रतिबंधित रहेगा। विशेष रूप से, दोमुहान से सिकड़िया मोड़, पांच नंबर गेट से सिटी पब्लिक स्कूल, और चांद चौरा चौराहा से घुघड़ी ताड़ बाईपास तक सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन बंद रहेगा। इन क्षेत्रों में विभिन्न स्थानों पर पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी और बैरिकेडिंग की जाएगी।

राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान आम जनता को असुविधा न हो, इसके लिए जिला प्रशासन ने वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की है। बोधगया से आने वाले वाहन फोरलेन गया-पटना मार्ग होते हुए गुलरिया चेक मोड़, चाकंद रेलवे गुमटी, कंडी नवादा बाईपास, कुकड़ा मोड़ और मेहता पेट्रोल पंप से होते हुए अपने गंतव्य तक जा सकेंगे। वापसी के लिए भी यही रूट लागू होगा। इसी तरह, अन्य महत्वपूर्ण रास्तों पर भी ड्रॉप गेट बनाए गए हैं, जहां से वाहनों का परिचालन नियंत्रित किया जाएगा। इन स्थानों में सिटी पब्लिक स्कूल, भूंडा मोड़, मानपुर सीताकुंड, मानपुर पुल हनुमान मंदिर और एयरपोर्ट मोड़ शामिल हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का यह दौरा गया और बिहार के लिए एक महत्वपूर्ण घटना है, जो पितृपक्ष महासंगम के धार्मिक महत्व को भी उजागर करता है। प्रशासन का उद्देश्य है कि इस दौरान सुरक्षा और व्यवस्था बनी रहे और कोई अप्रिय घटना न हो।

कांग्रेस घुसपैठियों को बचा रही

तेजस्वी यादव की यात्रा चुनावी नाटक : सांसद शांभवी चौधरी

पटना (एजेंसियां)।
लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) की सांसद शांभवी चौधरी ने गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान का समर्थन किया है जिसमें उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया था कि वह वोट के लिए घुसपैठियों को बचा रही है। शांभवी चौधरी ने कहा कि चुनाव आयोग द्वारा चलाया जा रहा स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन चुनावी प्रक्रिया की ईमानदारी के लिए जरूरी है। उन्होंने तेजस्वी यादव की 'बिहार अधिकार यात्रा' को चुनावी नाटक बताया और राहुल गांधी पर भी निशाना साधा।

सांसद शांभवी चौधरी ने कहा कि अमित शाह ने जो भी कहा, वह बिल्कुल सही है। उन्होंने यह बात दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में अमित शाह के भाषण के बाद कही। उन्होंने कहा कि एसआईआर इसलिए किया जा रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सिर्फ भारतीय नागरिकों को ही वोट देने का अधिकार मिले। शांभवी चौधरी ने कहा कि वोट देना लोकतंत्र का एक पवित्र हिस्सा है। उन्होंने राहुल गांधी के इस प्रक्रिया का विरोध करने पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि राहुल गांधी देश के लोगों के साथ नहीं, बल्कि घुसपैठियों के साथ खड़े हैं। शांभवी चौधरी ने कांग्रेस पार्टी के इरादों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि वोटर वेरिफिकेशन प्रक्रिया का विरोध करना देश के हित में नहीं है। उनका मकसद सिर्फ अवैध रूप से प्रवेश करने वालों से वोट हासिल करना है।

बिहार: महागठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर खटपट!

पटना/कोलकाता (एजेंसियां)।
बिहार में सीट शेयरिंग को लेकर खटपट चल रही है। मगर, अब तक बागी होता कोई नहीं दिख रहा। दोनों एलायंस के बड़े-छोटे सहयोगी लाइन-लेंग्थ मेनटेन किए हुए हैं। महागठबंधन में शामिल भाकपा (माले) लिबरेशन ने उम्मीद जताई है कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनावों के लिए चल रही सीट-बंटवारे की बातचीत में 'अधिक यथार्थवादी' दृष्टिकोण अपनाएगी। 2020 के चुनावों में किए गए अपने प्रदर्शन से सबक लेगी। उन्होंने कहा, 'पिछली बार 'इंडिया' गठबंधन ने अच्छी टक्कर दी थी, लेकिन लक्ष्य से चूक गया था। इसलिए हमें उम्मीद है कि इस बार हमें निर्णायक जनादेश मिलेगा क्योंकि अगर बहुमत कम है, तो यह बहुत मुश्किल होगा।'

वामपंथी पार्टी सीपीआईएमएल के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने जोर देकर कहा कि विपक्षी गठबंधन के सबसे बड़े सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल (राजद) को छोटे सहयोगियों के प्रति 'अधिक उदार' होना चाहिए क्योंकि बिहार में नए दलों के संभावित प्रवेश के साथ 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस) गठबंधन का विस्तार होने की संभावना है। दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि उनकी पार्टी 243 सीटों में से कम से कम 40 पर चुनाव लड़ने की उम्मीद कर रही है, जबकि पिछले चुनाव में उसने 19 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

साथ ही, उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अगर महागठबंधन सत्ता में आता है तो राजद नेता तेजस्वी

यादव को मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनाने को लेकर 'कोई अस्पष्टता' नहीं है।

दीपाकंर भट्टाचार्य ने कहा, 'बातचीत चल रही है... एसआईआर पर आंदोलन और इस व्यवधान में हमें जो समय और ऊर्जा लगानी पड़ी, उसकी वजह से चीजें थोड़ी टल गई। लेकिन मुझे उम्मीद है कि इस महीने के अंत तक हमें एक स्पष्ट तस्वीर मिल जाएगी।' हाल ही में संपन्न 'वोटर अधिकार यात्रा' के बाद कांग्रेस की ज्यादा सीटों की मांग पर, भट्टाचार्य ने साफ कहा, 'मैंने कुछ कांग्रेस नेताओं द्वारा लगभग 70 सीटें मांगने की खबरें देखी हैं। लेकिन पिछली बार उन्होंने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था और केवल 19 सीट पर ही जीत पाए थे।

उन्होंने कहा, '2015 में, कांग्रेस ने 40 सीटों पर चुनाव लड़ा था और 27 सीटें जीती थीं। बहुत अच्छा स्ट्राइक रेट था। लेकिन 2020 में, जब उन्होंने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा, तो वे अपनी क्षमता से ज्यादा का बोझ उठा रहे थे।

इसलिए मुझे लगता है कि कहीं न कहीं संतुलन होना चाहिए।' भट्टाचार्य ने कहा, 'पिछली बार भाकपा (माले) लिबरेशन का प्रतिनिधित्व कम था और इस बार हम उचित प्रतिनिधित्व चाहते हैं। नए सहयोगी भी हैं, जिसका मतलब है कि राजद और कांग्रेस को 2020 की तुलना में कम सीटों पर चुनाव लड़ना होगा। उन्हें ज्यादा उदार होना होगा।'

वर्तमान में, महागठबंधन में छह दल शामिल हैं- राजद, कांग्रेस, भाकपा (माले) लिबरेशन, भाकपा, माकपा और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी), जो एक नई पार्टी है।

इस साल के अंत में होने वाले चुनावों से पहले लोक जनशक्ति पार्टी (पारस गुट) और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के भी इसमें शामिल होने की संभावना है। कुछ सहयोगी दलों की मांगों के बाद उपमुख्यमंत्री पद के लिए चेहरों की संभावना के बारे में पूछे जाने पर, भट्टाचार्य ने कहा, 'इन बातों पर चुनाव के बाद तस्वीर साफ होने तक इंतजार किया जा सकता है।'

उन्होंने इस बार अपनी पार्टी को अधिक सीटें मिलने की उम्मीद जताते हुए कहा, 'पिछली बार, हमने केवल 19 सीटों पर चुनाव लड़ा था, लेकिन 12 पर जीत हासिल की थी। हमने बिहार के 38 जिलों में से केवल 12 पर चुनाव लड़ा था। इसलिए हमें उम्मीद है कि हम ज्यादा जिलों और ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ेंगे।

भट्टाचार्य ने कहा, 'हमने लगभग 40 सीटों की सूची पहले ही सौंप दी है। बातचीत जारी है। हम दक्षिण और उत्तर बिहार, दोनों जगहों से चुनाव लड़ना चाहते हैं। क्योंकि पिछली बार हमने जहां भी चुनाव लड़ा था, अगर आप उन जिलों पर नजर डालें, तो आप पाएंगे कि हम पूरे गठबंधन के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में कामयाब रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com